डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021/2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित मंगलवार 04.12.2023 से 10.12.2023 वर्ष-40 अंक-49 मूल्य 10.00

संक्षिप्त खबर

सेन्ट्रल सेक्टर स्कीम ऑफ स्कॉलरशिप आवेदन 31 तक

भोपाल, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एवं माध्यमिक शिक्षा मण्डल के माध्यम से महाविद्यालयीन एवं विश्वविद्यालयीन विद्यार्थियों को वितरित की जाने वाली सेन्ट्रल सेक्टर स्कीम ऑफ स्कॉलरशिप फॉर कॉलेज एण्ड यूनिवर्सिटीज स्टूडेण्ट की नवीन एवं नवीनीकरण छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया 01 अक्टूबर से प्रारंभ हो गई है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर निर्धारित की गयी है। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल की हायर सेकेण्डरी परीक्षा वर्ष 2023 में उत्तीर्ण 80 से अधिक पर्सेन्टाइल अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी नवीन छात्रवृत्ति हेतु तथा वर्ष 2019 से वर्ष 2022 तक के चयनित विद्यार्थी नवीनीकरण छात्रवृत्ति हेतु नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर आवेदन केवल ऑनलाइन ही कर सकते हैं।

भोपाल बनेगा स्लम फ्री - सिंह

भोपाल, कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बीडीए दफ़्तर में भोपाल के विभिन्न स्थानों पर स्थित स्लम के रहवासियों को पक्के आवास देने "सुराज नीति 2023" के अन्तर्गत नगरपालिक निगम भोपाल द्वारा दिये गये प्रस्तुतिकरण का अवलोकन किया एवं विभिन्न निर्देश भी दिये गये। इसी के साथ भोपाल विकास प्राधिकरण द्वारा भोपाल में 30 वर्ष से अधिक पुरानी योजनाओं पर "मध्यप्रदेश आवास पुनर्विकास नीति 2022 के तहत 4 योजनाओं के संबंध में नगर निगम भोपाल के कन्सलटेंट ने प्रेजेन्टेशन का प्रस्तुतिकरण किया। भोपाल को स्लम फ्री बनाने "सुराज नीति 2023" के अन्तर्गत स्लम के रहवासियों को पक्के आवास देने के संबंध में बैठक में चर्चा की गई एवं इसके अंतर्गत बनने वाले भवनों के संबंध में कलेक्टर श्री सिंह ने विभिन्न निर्देश दिए।

अपना हैप्पी स्क्रीनिंग अभियान लॉन्च

भोपाल, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जहांगीराबाद भोपाल में मुंबई स्थित एनीमेशन स्टूडियो टिप टेल्स ने टीम एक्स्ट्राचाइल्डहुड के सहयोग से बच्चों को भारतीय परंपरा और संस्कृति से समृद्ध शैक्षिक सामग्री प्रदान करने के लिए अपना हैप्पी स्क्रीनिंग अभियान शुरू किया। टिप टेल्स भोपाल के विभिन्न सरकारी और निजी स्कूलों में 100 से अधिक विशेष स्क्रीनिंग शो चलाएगा। कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश की मुख्य सचिव बनीं श्रीमती वीरा राणा

भोपाल, वरिष्ठ आईएएस और अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा को मध्यप्रदेश शासन का नया मुख्य सचिव बनाया गया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा की 1988 बैच की अधिकारी श्रीमती वीरा राणा वर्तमान में अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षा मंडल और आयुक्त कृषि उत्पादन हैं।

उल्लेखनीय है कि श्रीमती राणा ने 1985 बैच के आईएएस अधिकारी और मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस की सेवानिवृत्ति के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। वे मध्यप्रदेश की दूसरी महिला मुख्य सचिव हैं। इससे पहले स्व. श्रीमती निर्मला बुच मुख्य सचिव रह चुकी हैं।

मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कलेक्टर्स के साथ की बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रदेश में पारदर्शी हो मतगणना की प्रक्रिया - श्री राजन

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 की 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना के संबंध में जिलों में की गई तैयारियों को लेकर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक की। निर्वाचन सदन भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन द्वारा सभी कलेक्टर्स एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। श्री राजन ने कहा कि सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मतगणना को लेकर आयोग द्वारा दिए गए निर्देश का अध्ययन कर लें और गंभीरता के साथ नियमों का पालन करें। राजनीतिक दलों को भी मतगणना की प्रक्रिया के बारे में अवगत कराएं। साथ ही ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम पुख्ता रहें। बैठक में श्री राजन ने पूरी पारदर्शिता के साथ मतगणना की प्रक्रिया को पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

मोबाइल फोन रहेगा प्रतिबंधित

श्री राजन ने कहा कि काउंटिंग हॉल में कोई भी एजेंट, प्रत्याशी मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। मोबाइल फोन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह, श्री बसंत कुर्रे, श्रीमती रुचिका चौहान, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री प्रमोद कुमार शुक्ला एवं श्रीमती सुरभि तिवारी उपस्थित थीं।

कैलकुलेटर भी प्रतिबंधित

भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त श्री अजय भादू और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री अनुपम राजन ने प्रदेश के सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों तथा पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। बैठक में मतगणना की व्यापक तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए। उप निर्वाचन आयुक्त श्री भादू एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने कहा कि मतगणना केन्द्र पर पासधारक ही प्रवेश कर सकेंगे। किसी भी अनधिकृत और अवांछित व्यक्ति को मतगणना स्थल पर प्रवेश नहीं मिलेगा। मतगणना केन्द्र में मोबाइल और केलकुलेटर ले जाना प्रतिबंधित रहेगा, सिर्फ मतगणना कराने में तैनात मतगणनाकर्मी ही केलकुलेटर का उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारियों से कहा कि मतगणना केन्द्र में सभी व्यवस्थाएं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किये गये दिशा-निर्देशों के अनुरूप व्यवस्थित एवं चाक-चौबंद रहें।

बिजली की व्यवस्था सुचारु रूप से रहे

मतगणना की तैयारी संबंधी समीक्षा बैठक में श्री राजन ने कहा कि सभी 52 जिलों के मतगणना केंद्रों पर सुबह 8 बजे से मतगणना प्रारंभ होगी। सबसे पहले डाक मतों की गिनती शुरू होगी। इसके आधे घंटे बाद प्रात: 8.30 बजे से ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। पोस्टल बैलेट की गणना शुरू होने से पहले अधिकृत एजेंट, उम्मीदवार को पोस्टल बैलेट की काउंटिंग प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जाएगी। साथ ही पोस्टल बैलेट की गणना समाप्त होने के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को मिले डाक मत पत्रों की घोषणा की जाएगी। मतगणना के दौरान बिजली की व्यवस्था सुचारु रूप से रहे, यह सुनिश्चित कर लिया जाए। डाक मत पत्रों की गणना के लिये लगाई गई प्रत्येक टेबल पर एक एआरओ की उपस्थिति होगी।

एजेंटों को रंगीन आई कार्ड जारी करें

श्री राजन ने स्ट्रांग रूम से आने वाली ईवीएम मशीनों की क्रासिंग न होने, एजेंटों को रंगीन आई कार्ड जारी करने, एजेंटों की बैठक व्यवस्था करने और ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्ट्रांग रूम के बाहर लगाई गई स्क्रीन हर समय चालू रहने के निर्देश दिए।

बच्चों में श्वसन की बीमारी पर अलर्ट और सतर्कता की सलाह

भोपाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी ने सभी मेडिकल कॉलेजों, शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों को निर्देश दिए हैं कि विगत सप्ताहों में चीन में बच्चों में श्वसन की बीमारी के प्रकरणों में बढ़ोतरी के दृष्टिगत एडवाइजरी जारी की है। डॉ. तिवारी ने बताया कि वर्तमान में उपलब्ध जानकारी के अनुसार श्वसन संबंधी बीमारियों में वृद्धि मुख्य रूप से बच्चों में हो रही है और यह इन्फ्लूएंजा, माइक्रोप्लाज्मा निमोनिया आदि जैसे सामान्य कारणों से होती है।

अस्पतालों के लिए एडवाइजरी जारी

रिपोर्टिंग की समीक्षा सुनिश्चित हो

सीएमएचओ द्वारा जारी एडवाइजरी में निर्देश दिए गए हैं कि सभी जिला अस्पतालों और चयनित टेरिटरी अस्पतालों, एम्स, जिला अस्पतालों, बड़े टेरिटरी केयर वाले सरकारी, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के मेडिकल कॉलेज, अस्पतालों सहित निजी अस्पतालों में SARI प्रकरणों की निगरानी और कोविड-19 के लिए RT-PCR कराया जाए। IDSP द्वारा ILI और SARI प्रकरणों के संबंध में स्वास्थ्य सुविधाओं का रिपोर्टिंग डाटा साझा किया जाएगा। जिला स्तर पर कलेक्टर एवं राज्य स्तर पर एमडी एनएचएम द्वारा रिपोर्टिंग की समीक्षा सुनिश्चित की जाए।

प्रयोगशाला आधारित निगरानी

डॉ. तिवारी ने कहा है कि कोविड-19 के लिए लैब टेस्टिंग का डाटा ICMR पोर्टल पर अपलोड किया जाए। IDSP-IHIP की नियमित निगरानी के लिए आईसीएमआर का डाटा एपीआई के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाए। डाटा का विश्लेषण परीक्षण पॉजिटिविटी रेट और सिटी वैल्यू, यदि संभव हो, के आधार पर किया जाए। समुदाय आधारित निगरानी समुदाय में होने वाली असामान्य घटनाओं का शीघ्र पता लगाने पर केंद्रित है।

वेबसाइट व हेल्पलाइन एप पर भी देख सकेंगे परिणाम

भोपाल, मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए दिनांक 17 नवम्बर को हुए मतदान की 3 दिसंबर को मतगणना प्रस्तावित है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया 3 दिसम्बर 2023 को प्रात: 8 बजे से प्रदेश के 52 जिला मुख्यालयों में स्थापित मतगणना केन्द्रों में मतों की गिनती की जाएगी। मतगणना के राउंड-वाइज परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे। पहले पोस्टल बैलेट की गणना प्रारंभ होगी। इसके बाद ईवीएम में दर्ज मतों की गणना होगी। मतगणना के परिणाम वेबसाइट https://results.eci.gov.in और वोटर हेल्पलाइन एप पर देखे जा सकेंगे।

प्रदेश में पहली बार स्वास्थ्यकर्मियों के लिए पैलिएटिव केयर पर प्रशिक्षण

भोपाल, पैलिएटिव केयर पर प्रशिक्षण का आयोजन एम्स चिकित्सालय में किया गया। प्रशिक्षण में गंभीर मरीजों के लिए पैलिएटिव केयर के बारे में जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल कार्यालय द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में चिकित्सक एवं नर्सिंग ऑफिसर सम्मिलित हुए हैं। पैलिएटिव केयर विषय पर प्रदेश में पहली बार प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण में स्वास्थ्य विभाग, हमीदिया, गैस राहत, ईएसआई, चिरायु अस्पताल, एलएन मेडिकल कॉलेज, महावीर मेडिकल कॉलेज, रामकृष्ण मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में एम्स अस्पताल के कैंसर विभाग, रेडियोथेरेपी विभाग, एनेस्थीसिया, मेडिसिन, सायकेट्री विभाग के विषय विशेषज्ञों द्वारा पैलिएटिव केयर के बारे में जानकारी दी गई। चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा बीमारी की गंभीर अवस्था में मरीज को होने वाली विभिन्न समस्याओं, दर्द के प्रकार, उनकी पहचान और प्रबंधन, गांठ या घाव की देखभाल के बारे में जानकारी दी गई। चिकित्सा स्टाफ और मरीज के परिजनों को मरीजों की देखभाल, मानसिक और भावनात्मक सहयोग, गुणवत्तापूर्ण जीवन जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया गया।

5 करोड़ 68 लाख लोगों को पैलिएटिव केयर की है आवश्यकता

सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि पैलिएटिव केयर गंभीर बीमारियों से ग्रस्त रोगियों, उनके परिवारों और देखभाल करने वालों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करती है। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाईजेशन के अनुसार विश्व में 5 करोड़ 68 लाख लोगों को पैलिएटिव केयर की आवश्यकता होती है। इनमें से लगभग 2 करोड़ 57 लाख लोग अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर होते हैं। वैश्विक स्तर पर मात्र 14 प्रतिशत लोगों को ही पैलिएटिव केयर उपलब्ध है।

उपचार से पीड़ा को कम करना है

ऑन्कोलॉजी विभाग के सर्जन डॉ. नीलेश श्रीवास्तव ने बताया कि पैलिएटिव केयर में चिकित्सक, नर्स, सपोर्ट वर्कर, पैरामेडिकल स्टाफ, फार्मासिस्ट और फिजियोथेरेपिस्ट की भूमिका समान होती है।

25 नवम्बर

एक लाख करोड़ रुपये की क्रेडिट गारंटी को मिली मंजूरी

● सूक्ष्म और लघु उद्यम क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीटीएमएसई) के तहत चालू वित्त वर्ष 2023-24 के सिर्फ 7 महीनों में 1 लाख करोड़ रुपये की क्रेडिट गारंटी को मंजूरी दी गई है। पिछले वित्त वर्ष 2022-23 के 12 महीनों में इतनी ही धनराशि की क्रेडिट गारंटी हासिल की गयी थी। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा सीजीटीएमएसई विशेषकर अनौपचारिक क्षेत्र के एमएसएमई के लिए ऋण प्रवाह को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। क्रेडिट गारंटी मंजूरी की त्वरित गति एमएसएमई के लिए वित्तीय सहायता को सुविधाजनक बनाने में सरकार के सक्रिय उपायों को दर्शाती है, जिससे देश के आर्थिक विकास में उनके योगदान को प्रोत्साहन मिलता है।

● राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर एवं नार्कोटिक्स अकादमी (एनएसीआईएन)

और राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी (एनएडीटी) ने उत्कृष्ट व्यवहारों, विशेषज्ञ संकाय, प्रशिक्षण सामग्री और नवाचारी प्रौद्योगिकियों जैसे संसाधनों को साझा करने के लिए एक समझौता किया है। यह समझौता कराधान, कानून और कानूनी प्रणाली, वाणिज्यिक और प्रक्रियात्मक कानून, आर्थिक और प्रशासनिक कानून, डेटा विश्लेषण, डार्क वेब एक्सप्लोरेशन जैसी अत्याधुनिक जांच तकनीकों में संसाधनों और शिक्षा विज्ञान को साझा करने सहित पारस्परिक हित के क्षेत्रों पर केंद्रित है।

26 नवम्बर

एक भारत, श्रेष्ठ भारत पहल के तहत युवा संगम का तीसरा चरण शुरू

● शिक्षा मंत्रालय ने युवा संगम के तीसरे चरण की शुरुआत की है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत पहल के तहत युवा संगम प्रयोगात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने और युवाओं को देश की समृद्ध विविधता से परिचित कराने की कोशिश करता है। इसका उद्देश्य लोगों से लोगों के जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित करते हुए मेजबानी करने वाले राज्य में जीवन के अनूठे पहलुओं, विकास स्थलों, वास्तुकला और अभियांत्रिकी के चमत्कारों, औद्योगिक प्रगति और हाल की उपलब्धियों का एक व्यापक अनुभव प्रदान करना भी है। युवा संगम के चल रहे चरण के अंग के रूप में अनुभव प्राप्त की जाने वाली यात्राएं आयोजित की जाएंगी, जिसमें मुख्य रूप से उच्च शैक्षणिक संस्थानों (एचईआई) में पढ़ने वाले छात्र और 18-30 वर्ष की आयु वर्ग के ऑफ-कैंपस युवा शामिल होंगे और वे अपने युग्मित राज्यों की यात्रा करेंगे।

● स्टैंडर्ड एंड पूअर्स ग्लोबल के अनुसार भारत का आर्थिक विकास वित्त वर्ष 2024-25 में 6.4 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है। एजेंसी ने आगाह किया है कि आने वाले वर्षों में उच्च खाद्य मुद्रास्फीति और कमजोर निर्यात विकास को प्रभावित कर सकते हैं। एशिया प्रशांत के लिए अपने आर्थिक सर्वेक्षण में एजेंसी का कहना है कि इस वर्ष और अगले वर्ष आर्थिक विकास

पटरी पर रहेगा। उच्च घरेलू मांग सहित उभरती अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक विकास सुदृढ़ रहेगा। यह पूर्वानुमान कई एजेंसियों के पूर्वानुमानों के अनुरूप है। हालांकि यह पूर्वानुमान सरकार और आरबीआई के 6.5 प्रतिशत के पूर्वानुमान से कम है।

27 नवम्बर

42वें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले का समापन

● 42वां अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ। 14 दिन के इस

मेले में 10 लाख देशी और विदेशी दर्शकों तथा कारोबारियों ने भागीदारी की। इस वर्ष इस मेले की थीम वसुधैव कुटुम्बकम् पर आधारित थी। बिहार और केरल इस मेले के सहयोगी राज्य थे। दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश फोकस वाले राज्य थे। समापन समारोह में विभिन्न वर्गों में कई मंडपों और राज्यों को कई पुरस्कार प्रदान किये गए। राज्यों और केंद्र शासित वर्ग में ओडिशा ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि असम को रजत पदक और राजस्थान को कांस्य पदक प्रदान किया गया। राज्यों के वर्ग में विषयगत प्रस्तुति में मध्यप्रदेश ने स्वर्ण पदक जीता। इसी वर्ग में त्रिपुरा ने रजत पदक और आन्ध्रप्रदेश ने कांस्य पदक जीता।

● 2022-23 के दौरान देश में कुल दुग्ध उत्पादन 230.58 मिलियन टन अनुमानित है, जिसमें पिछले 5 वर्षों में 22.81 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो वर्ष 2018-19 में 187.75 मिलियन टन थी। इसके अलावा, वर्ष 2021-22 के अनुमान से वर्ष 2022-23 के दौरान उत्पादन 3.83 प्रतिशत बढ़ गया है। वहीं 2022-23 के दौरान सबसे अधिक दुग्ध उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश था, जिसकी कुल दुग्ध उत्पादन में हिस्सेदारी 15.72 प्रतिशत थी। इसके बाद राजस्थान (14.44 प्रतिशत), मध्यप्रदेश (8.73 प्रतिशत), गुजरात (7.49 प्रतिशत) और आंध्रप्रदेश (6.70 प्रतिशत) का स्थान था। वार्षिक वृद्धि दर (एजीआर) के संदर्भ में, पिछले वर्ष की तुलना में सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि दर कर्नाटक (8.76 प्रतिशत) में दर्ज की गई है, इसके बाद पश्चिम बंगाल (8.65 प्रतिशत) और उत्तर प्रदेश (6.99 प्रतिशत) का स्थान रहा। देश में कुल अंडा उत्पादन 138.38 बिलियन होने का अनुमान है।

28 नवम्बर

गुजरात में राष्ट्रव्यापी प्रदूषण प्रतिक्रिया अभ्यास आयोजित

● भारतीय तटरक्षक बल द्वारा वाडिनार, गुजरात में 9वां राष्ट्रव्यापी प्रदूषण प्रतिक्रिया अभ्यास (एनएटीपीओएलआरईएक्स-IX) आयोजित किया गया। भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक राकेश पाल और राष्ट्रीय तेल रिसाव आपदा आकस्मिकता योजना (एनओएसडीसीपी) के अध्यक्ष ने अभ्यास के दौरान सभी एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा की। इस अभ्यास में केंद्रीय और तटीय राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों, बंदरगाहों, तेल प्रबंधन एजेंसियों और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अभ्यास में 31 से अधिक विदेशी पर्यवेक्षकों और 80 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राष्ट्रव्यापी प्रदूषण प्रतिक्रिया अभ्यास (एनएटीपीओएलआरईएक्स-IX) ने राष्ट्रीय तेल रिसाव आपदा आकस्मिकता योजना (एनओएसडीसीपी) के प्रावधानों का उपयोग करके समुद्री तेल रिसाव के प्रत्युत्तर में विभिन्न संसाधन एजेंसियों के बीच तैयारियों और समन्वय के स्तर का परीक्षण करने के अपने उद्देश्य को पूरा किया।

● केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने उत्तरी चीन में बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों में वृद्धि का संकेत देने वाली हालिया रिपोर्टों के मद्देनजर पर्याप्त सावधानी बरतने के लिए, श्वसन संबंधी बीमारियों से निपटने के लिए तैयारियों के क्रम में किए जा रहे उपायों की विस्तृत समीक्षा करने का निर्णय लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव द्वारा राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को लिखे गए एक पत्र में राज्यों को जन स्वास्थ्य और अस्पताल की तैयारियों की तुरंत समीक्षा करने की सलाह दी गई है। मानव संसाधन, अस्पताल में फ्लू के लिए दवाएं और टीके, मेडिकल ऑक्सीजन, एंटीबायोटिक औषधियों, व्यक्तिगत सुरक्षा के उपकरणों, टेस्टिंग किट एवं रिएजेंट, ऑक्सीजन प्लांट और वेंटिलेटर की पर्याप्त उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण की रोकथाम के पर्याप्त उपाय करने को कहा गया है। सभी राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को 'कोविड-19 के संदर्भ में संशोधित निगरानी रणनीति के लिए परिचालन दिशा-निर्देश लागू करने की सलाह दी गई है, जिसे इस वर्ष की शुरुआत में जारी किया गया था और जो इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और गंभीर तीव्र श्वसन रोग (एसएआरआई) के मामलों के रूप में पेश होने वाले श्वसन रोगजनकों की एकीकृत निगरानी प्रदान करता है।

29 नवम्बर

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ऊर्जा मंत्रालय को मिला विशेष प्रशंसा पदक

● ऊर्जा मंत्रालय को भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विशेष प्रशंसा पदक से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार समारोह में ऊर्जा मंत्रालय

के निदेशक श्री अजय अग्रवाल और एनटीपीसी के मुख्य महाप्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार) श्री हरजीत सिंह ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। यह मेला 14 से 27 नवम्बर 2023 के दौरान प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। मंत्रालय को आईआईटीएफ के 42वें संस्करण में लगाए गए ऊर्जा मंडप के लिए यह पुरस्कार मिला। इस मंडप की स्थापना नोडल एजेंसी एनटीपीसी और ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत 11 अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के योगदान से मंत्रालय के तत्वावधान में की गई थी। इस मंडप का उद्घाटन 14 नवम्बर, 2023 को केंद्रीय बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री आर.के. सिंह ने किया। इस मंडप का उद्देश्य घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उद्योग के सामने बिजली क्षेत्र में प्रमुख पहलों को प्रस्तुत करना तथा सरकार की योजनाओं एवं नीतियों में सार्वजनिक जागरूकता और भागीदारी को बढ़ाना है।

● वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने COP28 से पहले जलवायु वित्त पोषण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर ठोस कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से भारत ग्लोबल फोरम मध्य पूर्व और अफ्रीका 2023 के उद्घाटन समारोह में यह बात कही। 'अनलीशिंग एम्बिशन्स' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में भारत, मध्य पूर्व और अफ्रीका के बीच सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए व्यापारिक नेताओं, नीति निर्माताओं आदि के बीच बैठक हुई। श्रीमती सीतारमण ने जलवायु वित्त और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में प्रगति की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बहुत सारी बातें हुई हैं, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सका, जिससे कि पूंजी उपलब्ध हो और प्रौद्योगिकी स्थानांतरित की जा सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि बातचीत और चर्चा जलवायु कार्रवाई के लिए सार्थक कदमों में तब्दील होनी चाहिए, विशेष रूप से वित्त पोषण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

30 नवम्बर

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और श्री रामचंद्र मिशन के बीच समझौता

● नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सामाजिक न्याय और अधिकारिता

विभाग तथा श्री रामचंद्र मिशन के बीच एक समझौता किया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत नशीले पदार्थों से मुक्त हो और नागरिकों के लिए बेहतर समाज बने। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि करीब 10.71 करोड़ लोग नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़ गए हैं। इनमें 3.37 लाख युवा, 2.26 लाख महिलाएं और 3.27 लाख शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह भागीदारी लोगों, विशेष रूप से युवाओं की नशे की लत छुड़ाने में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि कई आध्यात्मिक और समाज सेवा संगठन भी मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि भारत को नशा मुक्त किया जा सके।

● भारतीय तटरक्षक जहाज सजग पश्चिम एशिया में आईसीजी जहाजों की विदेशी तैनाती के हिस्से के रूप में तीन-दिवसीय यात्रा पर ओमान के मस्कट स्थित पोर्ट सुल्तान कबूस पहुंचा। इस यात्रा का उद्देश्य लंबे समय से चले आ रहे राजनयिक संबंधों को मजबूत करना, समुद्री सहयोग को बढ़ाना और रॉयल ओमान पुलिस कोस्ट गार्ड (आरओपीसीजी) एवं अन्य समुद्री एजेंसियों के साथ अंतरसंचालनीयता को बढ़ावा देना है। ओमान और भारत ने समान मूल्यों एवं विविध संस्कृतियों को साझा करते हुए ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ तथा मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंध बनाए रखे हैं। आईसीजी और आरओपीसीजी के बीच नियमित संवाद वार्षिक रूप से आयोजित उच्च-स्तरीय बैठकों (एचएलएम) और समझौता ज्ञापन (एमओयू) के प्रावधानों द्वारा निर्देशित होने वाली आईसीजी जहाज यात्राओं के माध्यम से होती है। इस पश्चिम एशियाई तैनाती के दौरान, जहाज का सऊदी अरब के अद दम्मम और संयुक्त अरब अमीरात के मीना राशिद बंदरगाह पर पहुंचने का भी कार्यक्रम है।

1 दिसम्बर

जेंडर समावेशी कम्युनिकेशन मार्गदर्शिका का अनावरण

● केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी ने जेंडर

समावेशी कम्युनिकेशन मार्गदर्शिका का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने जेंडर-इन्क्लूसिव भाषा को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विशेष सक्षम लोगों के लिए दिव्यांग शब्द का उपयोग करने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण उदाहरण है, जिसका पालन किया जाना चाहिए और इसे समुदाय के खिलाफ स्टीरियोटाइप रोकने में मदद मिली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मार्गदर्शिका के कारण शक्ति की भाषा अब संवेदना और समानता से अलंकृत हुई है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि इस लेक्सिकॉन की प्रतियां शीघ्र देशभर में उपलब्ध होंगी, ताकि अनुकूल परिवर्तन लाया जा सके।

● सरकार ने बैंकों से नोडल ऑफिसर नियुक्त करने को कहा है, जो साइबर सिक्योरिटी से जुड़े सभी मामलों से निपटेंगे। बैंकरों और फाइनेंस मिनिस्ट्री की मीटिंग में सरकार ने ये बात कही। मीटिंग के बाद फाइनेंशियल सर्विस सेक्रेटरी श्री विवेक जोशी ने बताया कि सरकार संदेहास्पद गतिविधियों के चलते 70 लाख सिम कार्ड बंद करने के बाद अब 70 लाख इंटरनेशनल मोबाइल इक्विपमेंट आइडेंटिटी (IMEI) को भी ब्लॉक करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा इसके अलावा 259 फाइनेंशियल संस्थानों को इंडियन साइबर क्राइम कॉर्डिनेशन सेंटर से जोड़ दिया गया है, जबकि 800 और संस्थानों को इससे जल्द रजिस्टर करने को कहा गया है। श्री विवेक जोशी ने कहा कि साइबर फ्रॉड पर कंट्रोल करने के लिए सभी एजेंसियों को बेहतर कोऑर्डिनेशन करने की जरूरत है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

वर्ष 40, अंक 49 04.12.2023 से 10.12.2023
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - मनीष सिंह
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

मतदान के बाद सटीक मतगणना महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

किसी भी देश या राज्य में निर्वाचन के बाद मतगणना का सबसे अधिक महत्व होता है। निर्वाचन की तारीख के बाद से मतगणना के बीच का जो अंतराल होता है उस अंतराल में निर्वाचन आयोग पर स्ट्रांग रूम की बेहतर सुरक्षा, मतगणना की तमाम तैयारियां आदि बड़ी अहम जिम्मेदारी होती है। मध्यप्रदेश सहित पांच राज्यों में अलग-अलग तारीखों में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम एक साथ 3 दिसंबर को घोषित हो रहे हैं। भले ही चुनाव परिणाम कुछ घंटों में घोषित कर दिये जाते हैं, लेकिन यह प्रक्रिया कई दिनों से चलती है। चाहे मतगणना में जुटे अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण की बात हो या फिर स्ट्रांग रूम में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारी की सतर्कता की। हर एक अधिकारी-कर्मचारी पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपनी इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते हैं। मध्यप्रदेश में विगत 17 नवंबर को 230 विधानसभा सीटों में मतदान की प्रक्रिया संपन्न हुई थी। पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार मतदान में 2.10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मतदान प्रक्रिया में दर्ज हुई बढ़ोतरी निश्चित तौर पर अपने मत के प्रयोग के लिये जागरूक नागरिकों और चुनाव आयोग की तैयारियों की ओर इशारा करती है। मतगणना का यह कार्य जिस सहजता और सरलतापूर्वक संपन्न हुआ वह मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के नेतृत्व में की गई तैयारियों को दर्शाता है। मतदान संपन्न होने के बाद से ही मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने प्रदेश के अलग-अलग जिलों में बनाये गये मतगणना स्थलों पर स्वयं निरीक्षण कर तैयारियों को अंतिम स्वरूप दिया। यही नहीं उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी, कलेक्टर और एसपी सहित संबंधित अधिकारियों को मतगणना से जुड़े कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये। मतगणना के दिन विद्युत की सतत आपूर्ति और किसी भी वजह से मतगणना प्रभावित न हो, यह भी सुनिश्चित किया गया। यही नहीं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्वयं मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा रही तैयारियों, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था को भी देखा। उन्होंने मतगणना टेबिल, मतगणना कार्य में संलग्न अमले की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था और डाक मतपत्रों की संख्या आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही मतगणना स्थल परिसर में रुके हुए निर्वाचन अभ्यर्थियों के प्रतिनिधियों से चर्चा की तथा सीसीटीवी के माध्यम से कक्ष से ही स्ट्रांग रूम की मॉनिटरिंग संबंधी व्यवस्था को देखा।

विगत दो माह की तैयारियों से संपन्न होने जा रहे विधानसभा निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों की जिम्मेदारी यहीं समाप्त नहीं होती। यह अधिकारी निरंतर होने वाले चुनावों की तैयारियों और संपन्न चुनावों का विश्लेषण आदि करते हैं। किसी भी राज्य में चुनाव संपन्न करवाने की महत्वपूर्ण भूमिका चुनाव आयोग की होती है। इस दायित्व के यथेष्ट परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के नेतृत्व में विधानसभा निर्वाचन 2023 पूरी तरह से सफल हुआ।

सिक्किम एकमात्र राज्य जहां रसायन रहित खेती बनी किसानों की पसंद

भारत में सिक्किम एक ऐसा राज्य है, जो प्रकृति के बेहद करीब है। यहां मौजूद पहाड़, पर्वत, जंगल, खेत, नदियां और झरने यहां की सुंदरता को कई गुना बढ़ा रहे हैं। सिक्किम प्राकृतिक रूप से संपन्न राज्य तो है ही, साथ में दुनिया का पहला शत-प्रतिशत जैविक खेती करने वाला राज्य भी है। सिक्किम में खेती करने के लिये किसी भी प्रकार के रसायन का इस्तेमाल नहीं किया जाता, बल्कि सीढ़ीदार खेतों में पारम्परिक पद्धति से जैविक खेती की जाती है। पुराने समय से ही भारत में खेती के जैविक तरीके को अपनाया जाता था, लेकिन रसायनों के बढ़ते इस्तेमाल के कारण किसान इस तकनीक को दरकिनार करते रहे। इस दौरान घटती उपज और मिट्टी के बिगड़ते स्वरूप ने यहां की खेती को काफी बुरी तरह प्रभावित किया, इसके बाद किसानों ने पुन: जैविक खेती की तरफ रुख किया। सिक्किम के किसानों के लिये भी जैविक खेती को अपनाने का सफर आसान नहीं रहा। लगातार घटती उपज और कृषि में बढ़ती लागत की समस्या को सिक्किम सरकार ने गंभीरता से लिया। शुरुआत में सिक्किम सरकार ने जैविक खेती के लिये कई गांवों को गोद लिया और यहां जैविक खेती करने के लिये किसानों को आर्थिक मदद भी मुहैया करवाई गई। सिक्किम ने धीरे-धीरे खेती के जैविक नुस्खों पर चलकर दुनिया के पहले जैविक राज्य का स्थान प्राप्त किया। यहां इलायची, अदरक, संतरा, सेब, चाय और पीनशिफ आदि प्रमुख फसलें हैं। इन फसलों का सिक्किम की जलवायु में अच्छा उत्पादन होता है। यहां सब्जियों, फलों, अनाजों और फूलों की खेती बड़े स्तर पर की जाती है। जैविक खेती के बदलते स्वरूप को देखते हुए सिक्किम राज्य की सरकार ने रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाया है। सिक्किम राज्य जैविक खेती के साथ-साथ सबसे साफ सुथरा राज्य भी है, यहां की राजधानी गंगटोक को कई बार स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत स्वच्छतम शहर की उपाधि भी दी जा चुकी है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

होमगार्ड स्थापना दिवस : 6 दिसंबर

'निष्काम सेवा' भाव के साथ हर मौके पर बखूबी जिम्मेदारी निभाते हैं होम गार्ड

बाढ़, आगजनी, भूकंप, रेल दुर्घटना, सड़क दुर्घटना, औद्योगिक दुर्घटनाएं, दंगे, हिंसा आदि मौकों पर पुलिस के जवानों के साथ-साथ आपको कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हुए होम गार्ड जवान अक्सर दिख जाएंगे। ये होम गार्ड जवान निष्काम सेवा करते हैं, क्योंकि होम गार्ड एक स्वैच्छिक बल है। जहां लोग स्वेच्छा से इसके साथ जुड़कर देश-प्रदेश की सेवा करते हैं। कोरोना महामारी के दौरान भी होम गार्ड विभाग के जवानों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए संक्रमण के दौर में दिन-रात स्थानीय स्तर पर सेवा की है। होम गार्ड बल का स्थापना दिवस हर साल 6 दिसंबर को देश भर में मनाया जाता है। इस दिन होम गार्ड संगठन की गतिविधियों को जनता के बीच लोकप्रिय बनाए रखने के लिए, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वार्षिक दिवस मनाया जाता है जिसके दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें औपचारिक परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होते हैं। वहीं इस संगठन की भूमिका पर प्रकाश डालने वाले शैक्षिक कार्य भी आयोजित होते हैं।

द्वितीय विश्व युद्ध में बने संगठन से आया था इसकी स्थापना का विचार

देश में होम गार्ड बल की स्थापना आजादी से पहले हो गई थी, अंग्रेजों के दौर में हमारे देश के नागरिकों में फैलने वाली अशांति और सांप्रदायिक दंगों को नियंत्रित करने में पुलिस की मदद के लिए 6 दिसंबर 1946 को बॉम्बे में होम गार्ड की स्थापना की गई थी। होम गार्ड बल की स्थापना का विचार 'द्वितीय विश्व युद्ध' के दौरान ब्रिटेन में स्थानीय रक्षा के लिए स्थापित किए गए एक स्वैच्छिक नागरिक संगठन पर आधारित था। शुरुआत में यह एक ऐसा संगठन था जिसमें डॉक्टर, इंजीनियर से लेकर वो नौजवान शामिल थे जो अपने दैनिक कार्यों के अलावा समाज की बेहतरी के लिए स्वैच्छिक तौर पर काम करना चाहते थे। आजादी के बाद इस संगठन को उतना विस्तार नहीं मिला था, लेकिन 1962 के चीन के साथ जब तनाव का दौर था तब एक बार फिर पुलिस को मददगारों की अवश्यकता महसूस हुई और 6 दिसंबर 1962 को होम गार्ड यानी गृह रक्षक संगठन का पुनर्गठन किया गया। तभी से होम गार्ड विभाग 6 दिसंबर को अपना स्थापना दिवस मनाने लगा।

चीन के हमले को देखते हुए प्रदेशों के बल को भारतीय बल में शामिल करने का प्रस्ताव आया

1962 में चीनी आक्रमण को देखते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने मौजूदा स्वैच्छिक संगठनों को एक अखिल भारतीय बल में विलय करने की सलाह दी गई, जिसे होम गार्ड के नाम से जाना जाता है। आगे चलकर कानून और व्यवस्था बनाए रखने और आपात स्थिति या आपदा से निपटने के लिए पुलिस के सहायक के तौर पर स्वैच्छिक नागरिक बल की इस अवधारणा को भारत के अधिकांश राज्यों द्वारा अपनाया गया। होम गार्ड की भूमिका आंतरिक सुरक्षा स्थितियों के रखरखाव और सहायता करने में काफी सराहनीय है। यह बल किसी भी प्रकार की आपात स्थिति जैसे कि हवाई हमला, आग, चक्रवात, भूकंप, महामारी आदि में आवश्यक सेवाओं के रखरखाव में मदद करता है। होम गार्ड बल सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देता है और कमजोर वर्गों की रक्षा करने में प्रशासन की सहायता करता है। यह सामाजिक-आर्थिक और लोक कल्याण के कार्यों में हिस्सा लेता है।

होम गार्ड कितने प्रकार के होते हैं?

देशभर में 5 लाख 70 हजार से ज्यादा होम गार्ड हैं। होम गार्ड संगठन का ध्येय वाक्य निष्काम सेवा है। होम गार्ड मुख्यत: दो प्रकार के होते हैं, ग्रामीण और शहरी। वहीं सीमावर्ती राज्यों में बॉर्डर विंग होम गार्ड (बीडब्ल्यूएचजी) बटालियन गठित की गई हैं, जो सीमा सुरक्षा बल के सहायक के रूप में काम करती हैं। यह संगठन केरल को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैला हुआ है।

सीमावर्ती राज्यों में 15 बॉर्डर विंग होम गार्ड (बीडब्ल्यूएचजी) बटालियनें गठित की गई हैं। इन 15 बटालियनों की बात करें तो पंजाब में 6 बटालियन, राजस्थान में 4 बटालियन, गुजरात में 2 बटालियन, वहीं मेघालय, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के लिए एक-एक बटालियन अंतर्राष्ट्रीय सीमा व तटीय क्षेत्रों पर घुसपैठ को रोकने के लिए सीमा सुरक्षा बल की सहायक के रूप में काम करती हैं। बाहरी आक्रमण के समय संवेदनशील क्षेत्र में वीए, वीपी और संचार लाइनों की सुरक्षा ये बटालियन करती हैं। होम गार्ड को राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों के होम गार्ड अधिनियम और नियमों के तहत भर्ती किया जाता है, इसमें सभी वर्गों और क्षेत्रों से भर्ती की जाती है। इस बल में उनको शामिल किया जाता है, जो समुदाय की बेहतरी के लिए संगठन को अपना खाली समय देते हैं। इनको दी जाने वाली सुविधाओं की बात करें तो होम गार्ड को मुफ्त वर्दी, ड्यूटी भत्ते से लेकर वीरता, विशिष्ट और मेधावी सेवाओं के लिए पुरस्कार भी शामिल हैं। संगठन में तीन साल की सेवा वाले होम गार्ड के सदस्यों को पुलिसिंग, कानून और व्यवस्था के रखरखाव, अपराध की रोकथाम और डकैती रोकने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा सीमा पर गश्त, बाढ़ राहत, अग्निशमन, चुनाव ड्यूटी और सामाजिक कल्याण की गतिविधियां जैसे कार्यों में लगाया जाता है। भारत सरकार का गृह मंत्रालय होम गार्ड संगठन की भूमिका, उत्थान, प्रशिक्षण, उपकरण, स्थापना और अन्य महत्वपूर्ण मामलों के संबंध में नीति तैयार करता है। होम गार्ड पर व्यय आम तौर पर केंद्र और राज्य सरकार के बीच क्रमश: 25 प्रतिशत और 75 प्रतिशत के अनुपात में साझा किया जाता है।

> कोरोना महामारी के दौरान भी होम गार्ड विभाग के जवानों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए संक्रमण के दौर में दिन-रात स्थानीय स्तर पर सेवा की है। होम गार्ड बल का स्थापना दिवस हर साल 6 दिसंबर को देश भर में मनाया जाता है। इस दिन होम गार्ड संगठन की गतिविधियों को जनता के बीच लोकप्रिय बनाए रखने के लिए, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वार्षिक दिवस मनाया जाता है जिसके दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें औपचारिक परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होते हैं।

मध्यप्रदेश में होम गार्ड की स्थापना

मध्यप्रदेश होमगार्ड अधिनियम 1947 के तहत मध्यप्रदेश में होम गार्ड संगठन की स्थापना 1947 में हुई थी। प्रदेश में इस बल के प्रमुख कार्यों की बात करें तो वे इस प्रकार हैं- पुलिस के सहायक बल के रूप में कानून व्यवस्था बनाए रखना, किसी भी स्वरूप के आपातकाल जैसे हवाई हमला, आगजनी, बाढ़, भूकंप, महामारी आदि के दौरान प्रशासन की सहायता करना तथा जान-माल की रक्षा करना, सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देना तथा समाज के कमजोर वर्ग की सुरक्षा में प्रशासन को सहायता पहुंचाना, ग्राम सुधार और लोक कल्याणकारी कार्यों के द्वारा जनता से निकटता स्थापित कर प्रशासनिक सहयोग प्रदान करना और महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा करना। इस वर्ष प्रदेश में 77वां होम गार्ड स्थापना दिवस मानाया जाएगा। इस दिन होमगार्ड के द्वारा की जा रही उत्कृष्ट सेवाओं पर प्रकाश डाला जाता है।

प्रदेश में होम गार्ड के जवानों को मिली हैं कई सौगातें

पहले तक प्रदेश में होम गार्ड के जवानों को एक साल में दो माह कॉल ऑफ दिया जाता था, लेकिन उसके बाद तीन साल में 3 माह का ऑफ किया जाने का फैसला लिया गया था। कॉल ऑफ के तहत होम गार्ड जवानों को साल में दो माह को लिए अवैतनिक अवकाश पर भेज दिया जाता था लेकिन अब नए फैसले के बाद होम गार्ड के जवानों को न केवल आर्थिक रूप से लाभ होगा, बल्कि सेवा में संरक्षण भी मिलेगा। इसके अलावा कई अन्य सौगातें भी प्रदेश के होम गार्ड्स को दी गई थीं, जैसे मध्यप्रदेश में अब पुलिसकर्मियों की तरह होमगार्ड को भी ड्यूटी के दौरान नाश्ता-भोजन के लिए भत्ता दिया जाएगा। पहले होम गार्ड्स के जवान को कोई भोजन भत्ता नहीं मिलता था, लेकिन 2021 में तय किया गया था कि होम गार्ड के जवानों को भी 24 घंटे ड्यूटी करने पर 70 रुपए की दर से भोजन दिया जाएगा। इससे पहले मध्यप्रदेश में महिला होम गार्ड के जवानों के लिए 90 दिन के मातृत्व अवकाश की घोषणा भी की गई थी और कहा था सैनिक से पुलिस आरक्षक की चयन प्रक्रिया का भी सरलीकरण किया जाएगा। वहीं कोविड-19 महामारी के दौरान वर्ष 2020-21 में होमगार्ड द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिये 12 हजार 591 सैनिकों और अधिकारियों को कर्मवीर योद्धा पदक से सम्मानित किया गया था।

रश्मि रंजन

(लेखिका : समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

भारतीय नौसेना दिवस - 4 दिसंबर

समुद्री सरहदों पर राष्ट्र की रक्षा करती भारतीय नौसेना

"देश की रक्षा करना राष्ट्र के हर नागरिक का कर्तव्य है, लेकिन सरहद पर दिन-रात रहकर जो देश की सेवा के कार्य में जुटे हुए हैं, भारत मां के वे सच्चे सपूत देश के रक्षातंत्र में शामिल हैं। भारतीय सेना तीन भागों नभ-जल-थल में विभक्त है। नभ यानी आकाश अर्थात दुश्मन से जो आसमान में देश की रक्षा करे, थल अर्थात जमीन पर जो दुश्मनों से देश की रक्षा करे और जल अर्थात समुद्र के माध्यम से देश की सरहद में प्रवेश करने की कोशिश करने वाले दुश्मनों से जो मोर्चा ले वह है समुद्री सेना। इसे हम इंडियन नेवी के नाम से जानते हैं। 4 दिसंबर को प्रतिवर्ष भारतीय नौसेना दिवस मनाया जाता है।"

4 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाने की शुरुआत

नौसेना दिवस हर साल चार दिसंबर को मनाने के पीछे नौसेना की खास उपलब्धि है। 1971 को जब बांग्लादेश की मुक्ति के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच जंग छिड़ी थी, उस युद्ध के घटनाक्रम में 4 दिसंबर की तारीख को भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के कराची नौसैनिक अड्डे पर हमला कर उसे तबाह कर दिया था।

इसकी सफलता की याद में इस दिन को मनाया जाता है। भारतीय नौसेना ने इस ऑपरेशन ट्राइडेंट को इतनी सूझ-बूझ से अंजाम दिया कि पाकिस्तान को संभलने का मौका तक नहीं मिला। इतना ही नहीं, भारतीय नौसना की रणनीति का ही नतीजा था कि पश्चिमी पाकिस्तान पूर्वी पाकिस्तान तक कोई भी मदद अपनी नौसेना के माध्यम से नहीं भेज सका। मिसाइल आक्रमण तथा युद्ध में मारे गए सभी शहीदों की याद में 1972 से नौसेना दिवस प्रतिवर्ष 4 दिसंबर को मनाया जाता रहा है। इस दौरान आगन्तुक और स्कूल के बच्चे भारतीय नौसेना के पोतों, एयरक्राफ्टों और स्थापनाओं के दर्शन कर सकते हैं।

भारत में नौसेना दिवस या इंडियन नेवी डे शुरुआत से ही 4 दिसंबर को नहीं मनाया जाता रहा है। इससे पहले रॉयल नेवी के ट्रॉफैल्गर डे के साथ यह दिन मनाया जाता था। 21 अक्टूबर, 1944 को रॉयल इंडियन नेवी ने पहली बार नौसेना दिवस मनाया था। इसे मनाने का उद्देश्य आम लोगों में नेवी के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। 1945 से द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नौसेना दिवस 1 दिसंबर को मनाया जाने लगा था। इसके बाद 1972 तक नौसेना दिवस 15 दिसंबर को मनाया जाता रहा और 1972 से इसे 4 दिसंबर को ही मनाया जा रहा है।

भारतीय नौसेना की शक्ति

आज भारतीय नौसेना विश्व की ताकतवर नौसेनाओं में गिनी जाती है और इसका सबसे बड़ा कारण है, नौसेना का दुश्मन को परास्त कर देने वाला समुद्री बेड़ा, जिसमें दो विमान वाहक पोत भी शामिल हैं। भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विमान वाहक पोत, 1 उभयचर परिवहन डॉक, 11 डेस्टॉयर, 12 फ्रिगेट, 19 डेस्ट्रॉयर और 18 पनडुब्बी हैं, जिनमें 16 डीजल चलित और 2 न्यूक्लियर ईंधन वाली पनडुब्बी शामिल हैं।

भारतीय नौसेना में केवल युद्धपोत और जहाज ही नहीं, बल्कि लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों का भी बेड़ा शामिल है। नौसेना में मिग-29 लड़ाकू विमान, के31, का-28, और चेतक जैसे हेलीकॉप्टर शामिल हैं, जिन्हें ना सिर्फ दुश्मन पर नजर रखने के लिए काम लिया जाता है बल्कि जरूरत पड़ने पर हमारी नौसेना के अंग दुश्मन के घर में घुसकर उसे मारने में भी सक्षम हैं। भारतीय नौसेना 2035 तक अपने बेड़े में कम से कम 175 युद्धपोत को शामिल करने का लक्ष्य बना चुकी है। इसके जरिए न केवल रणनीतिक बढ़त हासिल की जा सकेगी, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में पकड़ भी बढ़ेगी। इसके अलावा लड़ाकू विमानों, एयरक्राफ्ट, हेलिकॉप्टर्स और ड्रोन्स की संख्या को भी बढ़ाने के प्रयास जारी हैं।

नौसेना के ध्वज में हुआ बदलाव

1879 से अब तक नौसेना के ध्वज में समय के साथ कई बार बदलाव हो चुका है। नौसेना का नया निशान (ध्वज) औपनिवेशिक अतीत को पीछे छोड़ते हुए समृद्ध भारतीय समुद्री विरासत के अनुरूप है। आजादी के पहले तक नौसेना के ध्वज में ऊपरी कोने में लगा ब्रिटिश झंडा हटाकर उसकी जगह तिरंगे को जगह दी जा चुकी है। भारतीय नौसेना के नए ध्वज में सेंट जॉर्ज क्रॉस को हटा दिया गया है। भारतीय नौसेना के नए झंडे में भारत के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को एक कोने में लगाया गया है। वहीं, बाकी आधे भाग में नेवी का क्रेस्ट लगाया गया है। नीले रंग का यह क्रेस्ट अष्टकोण की आकृति (Shape of Octagon) का है, जो इस बात का प्रतीक है कि हमारी इंडियन नेवी की पहुंच आठों दिशाओं में है। इसके अलावा अष्टकोणीय प्रतीक के नीचे देवनागरी लिपि में भारतीय नौसेना के सूत्रवाक्य 'शं नो वरुण:' को अंकित किया है। शं नो वरुण: इसका अर्थ है कि जल के देवता वरुण हमारे लिए मंगलकारी रहें। यह भारतीय नौसेना का ध्येय वाक्य है।

वेद-इतिहास में समुद्र गाथा

देवनागरी ऋग्वेद वह सबसे पुराना ग्रंथ है, जिसके अनुसार वरुण समुद्र के देवता हैं और पोतों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले महासागरीय मार्गों का उन्हें ज्ञान था। ऋग्वेद में इस बात का उल्लेख है कि व्यापार और धन की खोज में व्यापारी महासागर के रास्ते दूसरे देश में जाते थे। महाकाव्य रामायण और महाभारत में भी पोतों और समुद्री यात्राओं का वर्णन है। यहां तक कि पुराणों में भी समुद्र मंथन समेत कई समुद्री यात्राओं की कथाएं सम्मिलित हैं, जिससे इस बात का पता चलता है कि मानव को समुद्र और महासागर रूपी संपदा से काफी फायदा हुआ है। यूनान और रोम के साहित्यिक अभिलेखों से नंद और मौर्य साम्राज्यों के दौरान समुद्री व्यापार होने के पर्याप्त प्रमाण मिलते हैं। यूनान के मानव विज्ञानी और चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में मकदूनिया के दूत रहे मेगस्थनीज ने उस दौरान पाटलिपुत्र में सशस्त्र सेनाओं के प्रशासन का वर्णन किया है। एक विशेष समूह के होने की भी बात कही है जो समुद्री-युद्ध के विभिन्न पहलुओं को देखा करता था। यही कारण है कि मगध साम्राज्य की जल सेना को साक्ष्य के आधार पर विश्व की प्रथम जल सेना होने की संज्ञा दी जाती है। चाणक्य ने अर्थशास्त्र की रचना में 'युद्ध कार्यालय' के रूप में स्थापित

एडमिरल्टी डिवीजन का भी उल्लेख किया है जिसे महासागरों, झीलों और समुद्रों में नौचालन की जिम्मेदारी सौंपी थी। भारतीय साहित्यकला, मूर्तिकला, चित्रकला और पुरातत्व-विज्ञान से प्राप्त कई साक्ष्यों से भारत की समुद्री परंपराओं का अस्तित्व प्रमाणित है।

दुनिया की पहली गोदी का निर्माण हड़प्पा सभ्यता में हुआ

हमारे देश के समुद्री इतिहास का अध्ययन करने से इस बात का पता चलता है कि प्राचीन काल से लेकर 13वीं शताब्दी तक हिंद महासागर पर भारतीय उप महाद्वीप का वर्चस्व कायम रहा। राजनीतिक कारणों से अधिक व्यापार के लिए भारतीय समुद्री रास्तों का प्रयोग करते थे। इस प्रकार 16वीं शताब्दी तक का काल देशों के मध्य समुद्र के रास्ते होने वाले व्यापार, संस्कृति और परंपरागत लेन-देन का गवाह रहा है। हिंद महासागर को हमेशा एक विशेष महत्व का क्षेत्र माना जाता रहा है और भारत का इस महासागर में केंद्रीय महत्व है। विश्व की सबसे प्राचीन नगरीय सभ्यता हड़प्पा का प्रमुख नगर लोथल जो प्रमुख शहरों में से एक था, वहां दुनिया की पहली ज्वार गोदी का निर्माण हड़प्पा सभ्यता के दौरान 2300 ई.पू. के आसपास माना जाता है। यह इस समय गुजरात के तट पर मौजूद मंगरोल बंदरगाह के निकट है। लोथल में एक समुद्री धरोहर परिसर नेशनल मैरिटाइम हैरिटेज कॉम्प्लेक्स को विकसित किया जा रहा है। यह इस शहर की ऐतिहासिक विरासत और धरोहर के लिए बिलकुल उपयुक्त है। इसमें कई नवीन और अनूठी विशेषताएं होंगी जैसे कि हड़प्पा वास्तुकला और जीवन शैली को फिर से जीवंत करने के लिए लोथल मिनी रिक्रिएशन, चार धाम पार्क- मेमोरियल धाम पार्क, समुद्री और नौसेना धाम पार्क, जलवायु धाम पार्क, साहसिक और मनोरंजन थीम पार्क, दुनिया का सबसे ऊंचा लाइटहाउस संग्रहालय, हड़प्पा काल से लेकर अब तक भारत की समुद्री धरोहर पर प्रकाश डालने वाली चौदह दीर्घाएं, तटीय राज्यों का मंडप जो राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की विविध समुद्री धरोहरों को प्रदर्शित करेगा। यह इस शहर की समृद्ध समुद्री विरासत के इतिहास को जीवंत करेगा।

मराठा काल से लेकर आधुनिक नौसेना का निर्माण

भारतीय तटों पर नियंत्रण करने के लिए अंग्रेजों के प्रयासों का मराठों ने डटकर सामना किया। मुगलों के लगातार आक्रमण का सामना कर रहे मराठों के पास आरंभ में कोई नौसेना नहीं थी। शिवाजी वे प्रथम योद्धा थे जिन्हें एक मजबूत नौसेना की आवश्यकता महसूस हुई। सिद्दियों (जिनके बेस मुख्द जंजीरा में थे) से लड़ने के क्रम में और कोंकण तट पर पुर्तगालियों की नौसैन्य शक्ति को देखकर शिवाजी को कुशल पत्तन प्रणाली और मजबूत नौसेना के महत्व का पता चला। शिवाजी का दुर्गों में विश्वास था और उन्होंने विजयदुर्ग, सिन्धुदुर्ग और अन्य स्थानों की तरह कोंकण तट पर कई तटीय दुर्गों का निर्माण करवाया। उन्होंने तटों की अपेक्षा छोटी पहाड़ियों पर किलों का निर्माण करवाया ताकि किलों की ठोस सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1612 में नौसेना का गठन किया। 1686 में इसका नाम ईस्ट इंडिया मरीन से बदलकर बॉम्बे मरीन कर दिया गया। 1830 में बॉम्बे मरीन का नाम बदलकर ब्रिटिश महारानी की भारतीय नौसेना किया गया। 1863 से 1877 तक फिर इसका नाम बॉम्बे मरीन रहा। 1892 में इसे रॉयल इंडियन नेवी का नाम दिया गया। 2 अक्टूबर, 1934 को नेवल सर्विस को रॉयल इंडियन नेवी का नाम दिया गया। देश का विभाजन होने के बाद जब भारत और पाकिस्तान की अलग-अलग सेनाएं बनीं तो नौसेना रॉयल इंडियन नेवी और रॉयल पाकिस्तान नेवी के रूप में बंट गई। इसके बाद 26 जनवरी, 1950 को इंडियन नेवी में से रॉयल शब्द को हटा लिया गया और उसे भारतीय नौसेना नाम दिया गया।

वर्तमान नौसेना अध्यक्ष एडमिरल हरि कुमार ने स्कूल में सीखा नवाचार का सबक

12 अप्रैल, 1962 को जन्मे वाइस एडमिरल आर हरि कुमार भारत के 25वें नौसेना प्रमुख हैं। उन्होंने एडमिरल कर्मवीर सिंह की जगह ली है। वर्तमान नौसेना प्रमुख हरि कुमार को 1 जनवरी, 1983 को नौसेना की कार्यकारी शाखा में कमीशन दिया गया था। लगभग 38 वर्षों की अपनी लंबी और विशिष्ट सेवा के दौरान शांति काल में नवाचार भरे कार्यों के लिए परम विशिष्ट सेवा मेडल से नौसेना प्रमुख बनने के पहले तत्कालीन राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने उन्हें सम्मानित किया था। मूलत: केरल के रहने वाले आर. हरि कुमार तीन भाइयों में सबसे बड़े हैं। एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया था कि पांचवी तक की पढ़ाई तमिलनाडु के तंजौर में करने के बाद बेहतर शिक्षा के लिए हम अपनी मां के साथ तिरुवनंतपुरम में शिफ्ट हो गए। सत्र के बीच में एडमिशन मिलने में काफी दिक्कत हो रही थी। यह मेरे जीवन की पहली चुनौती थी। उस वक्त दूसरे राज्य के स्टूडेंट के लिए सत्र के बीच में प्रवेश देना काफी मुश्किल था। ऐसे में कई स्कूलों में प्रयास के बाद तिरुवनंतपुरम के एक निजी स्कूल ने मुझे यह अवसर दिया कि मैं तब तक प्राइवेट स्टूडेंट के रूप में पढ़ूंगा जब तक कि आगामी परीक्षा में पास नहीं हो जाता। स्कूल से मिली इस रियायत ने जीवन का एक महत्वपूर्ण सबक सिखाया कि मौजूदा कानूनों का रचनात्मक रूप से बेहतर उपयोग हमें लोगों की मदद करने के लिए करना चाहिए। मैं आज भी स्कूल के वक्त में मिले इस सबक को अपने दफ्तर और जीवन में लागू करता हूं। अपने इस साक्षात्कार में उन्होंने यह भी बताया था कि बचपन में वह कभी आईआईटीयन या किसी स्थानीय इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ना चाहते थे, लेकिन जीवन ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था। अपने परिवार के सैन्य सेवा में मौजूद सदस्यों से प्रेरित होकर उन्होंने एनडीए यानी नेशनल डिफेंस सर्विस की परीक्षा पास की जिसने आगे का रास्ता तय किया।

- सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका-समसामयिक विषयों पर लेखन करती हैं)

एम.पी.पी.एस.सी. प्रारंभिक परीक्षा में पूछे जाने वाले महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 338 अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के लिए एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति का उपबंध करता है, जो अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के संवैधानिक संरक्षण से संबंधित सभी मामलों का निरीक्षण करे तथा उनसे संबंधित प्रतिवेदन राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत करें, उसे अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयुक्त कहा जाएगा।

संवैधानिक प्रावधान

- 65वां संविधान संशोधन अधिनियम 1990 द्वारा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग की स्थापना की गई।
- 89वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 के द्वारा इसे पुन: दो भागो में बांट दिया गया और पृथक-पृथक दो आयोग, क्रमश: राष्ट्रीय अनुसूचित जाति (अनुच्छेद 338) और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (अनुच्छेद 338 (क)) अस्तित्व में आए।
- राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की स्थापना 2004 में हुई।

गठन एवं संरचना

- यह एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है, जिसका गठन संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत किया गया है।
- राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग एक बहुसदस्यीय निकाय है, इसमें एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष व तीन अन्य सदस्य होते हैं।
- अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है।
- आयोग के अध्यक्ष को केन्द्रीय केबिनेट मंत्री एवं उपाध्यक्ष को केन्द्रीय राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त होता है।
- अध्यक्ष अनुसूचित जाति का सदस्य होना चाहिय जो प्रसिद्ध राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता हो।
- अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष का होता है तथा इन्हें पुन: अपने पद पर नियुक्त किया जा सकता है परन्तु दो बार से अधिक नहीं।

आयोग के कार्य

- संविधान में अनुसूचित जाति के हितों की रक्षा से सम्बद्ध विषयों की जाँच व उनकी निगरानी करना तथा अनुसूचित जाति के अधिकारों का हनन की शिकायत कि जाँच करना आयोग के प्रमुख कार्य हैं।
- अनुसूचित जातियों के संरक्षण, सामाजिक एवं आर्थिक कल्याण तथा विकास के लिए अनुशंसा करना।
- अनुसूचित जातियों को उनके अधिकारों और रक्षा उपायों से वंचित किए जाने की शिकायत की जाँच करना।
- संघ सरकार और राज्य सरकार के द्वारा अनुसूचित जाति व उससे संबंधित नीतियों का निर्माण करते समय आयोग से परामर्श लिया जाएगा।
- अनुसूचित जाति के सामाजिक एवं आर्थिक विकास से संबंधित नियोजन की प्रक्रिया में भी सलाह देगा एवं सहभागिता करेगा।

संवैधानिक उपबन्ध

- अनुच्छेद 338(1) आयोग का गठन।
- अनच्छेद 338(2)
  (1) आयोग में एक अध्यक्ष एक उपाध्यक्ष व तीन अन्य सदस्य होंगे।
  (2) आयोग के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सदस्यों की सेवा शर्तें व पदावधि का निर्धारण राष्ट्रपति करेंगे।
- अनुच्छेद 338(3) आयोग के अध्यक्ष उपाध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा।
- अनुच्छेद 338(4) आयोग को अपनी प्रक्रिया स्वयं विनियमित करने की शक्ति।
- अनुच्छेद 338(5) आयोग के कार्य व कर्तव्य।
- अनुच्छेद 338(5) (घ) आयोग अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपेगा।
- अनुच्छेद 338(6) राष्ट्रपति आयोग की रिपोर्ट को संसद के प्रत्येक सदन में रखवाएगा।
- अनुच्छेद 338(8) आयोग को किसी कृत्य को करते समय सिविल न्यायालय के समान शक्तियां प्राप्त होंगी।
- अनुच्छेद 338(9) केन्द्र व राज्य सरकार अनुसूचित जातियों के संबंध में कोई भी नियम या विधि बनाते समय आयोग से परामर्श करेंगे।
- अनुच्छेद 338(10) आयोग आंग्ल भारतीय समुदाय के लिए भी उसी प्रकार कार्य करेगा, जिस प्रकार वह अनुसूचित जातियों के लिए करता है।

प्र.1 किस संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग को पृथक-पृथक कर दिया गया?
(अ) 85वें संशोधन
(ब) 86वें संशोधन
(स) 84वें संशोधन
(द) 89वें संशोधन
उत्तर- (द)

प्र.2 अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों के लिए एक राष्ट्रीय आयोग गठित करने का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत किया गया है?
(अ) 338 और 338ए (ब) 337
(स) 334 (द) 339
उत्तर- (अ)

प्र.3 भारतीय संविधान का अनुच्छेद 338 संबंधित है?
(अ) राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग
(ब) राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
(स) पिछड़ा वर्ग के लिए राष्ट्रीय आयोग
(द) राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग
उत्तर- (अ)

प्र.4 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग मिलकर बना होता है?
(अ) 1 अध्यक्ष, 1 उपाध्यक्ष एवं 3 अन्य सदस्य
(ब) 1 अध्यक्ष, 1 उपाध्यक्ष एवं 4 अन्य सदस्य
(स) 1 अध्यक्ष, 2 उपाध्यक्ष एवं 5 अन्य सदस्य
(द) 1 अध्यक्ष, 1 उपाध्यक्ष एवं 5 अन्य सदस्य
उत्तर- (अ)

प्र.5 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है?
(अ) राष्ट्रपति द्वारा
(ब) केन्द्र सरकार द्वारा
(स) लोकसभा अध्यक्ष के द्वारा
(द) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा
उत्तर- (अ)

प्र.6 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों को पुन: नियुक्त किया जा सकता है?
(अ) केवल एक बार
(ब) केवल दो बार
(स) केवल तीन बार
(द) कितनी भी बार
उत्तर- (ब)

प्र.7 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की सेवा शर्तों का निर्धारण कौन करता है?
(अ) संसद (ब) राष्ट्रपति
(स) केन्द्र सरकार
(द) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय
उत्तर- (ब)

प्र.8 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन किसे प्रस्तुत करता है?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष को
(ब) प्रधानमंत्री को
(स) राष्ट्रपति को (द) कोई नहीं
उत्तर- (स)

प्र.9 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
(अ) सूरजभान (ब) बूटासिंह
(स) कुंवरसिंह (द) पी.एल. पूनिया
उत्तर- (अ)

प्र.10 निम्न में से किस अनुच्छेद के तहत् राष्ट्रपति राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति करता है?
(अ) अनुच्छेद- 338 (1)
(ब) अनुच्छेद- 338 (2)
(स) अनुच्छेद- 338 (3)
(द) अनुच्छेद- 338 (4)
उत्तर- (स)

प्र.11 पृथक राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग कब अस्तित्व में आया?
(अ) 2004 में (ब) 2003 में
(स) 2006 में (द) 2005 में
उत्तर- (अ)

प्र.12 किस संविधान संशोधन के द्वारा एक सदस्यीय प्रणाली को बहु-सदस्यीय राष्ट्रीय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के रूप में बदल दिया गया?
(अ) 41वां (ब) 65वां
(स) 82वां (द) 76वां
उत्तर- (ब)

प्र.13 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग किस अन्य आयोग के समान शक्तियां रखता है?
(अ) राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग
(ब) राष्ट्रीय मानव अधिकार
(स) राष्ट्रीय बाल अधिकार आयोग
(द) राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
उत्तर- (द)

प्र.14 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों के वेतन, भत्ते किसके समान होते हैं?
(अ) निर्वाचन आयुक्त के
(ब) उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के
(स) भारत सरकार के सचिव के
(द) भारत के नियंत्रक एव महालेखा परीक्षक के
उत्तर- (स)

प्र.15 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल कितने वर्षों का होता है?
(अ) 5 वर्ष (ब) 6 वर्ष
(स) 3 वर्ष (द) 4 वर्ष
उत्तर- (स)

प्र.16 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष को दर्जा प्राप्त होता है?
(अ) केन्द्रीय केबिनेट मंत्री
(ब) केन्द्रीय राज्यमंत्री
(स) भारत सरकार के सचिव
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ)

प्र.17 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग का अध्यक्ष बन सकता है?
(अ) केवल अनुसूचित जनजाति का व्यक्ति
(ब) केवल अनुसूचित जाति का व्यक्ति
(स) किसी भी वर्ग का व्यक्ति
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब)

प्र.18 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग का स्वरूप है?
(अ) संवैधानिक
(ब) गैर-संवैधानिक
(स) सांविधिक
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ)

प्र.19 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग का संविधान के किस भाग में वर्णन है?
(अ) भाग-14 (ब) भाग-15
(स) भाग-16 (द) भाग-17
उत्तर- (स)

प्र.20 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष को किसके समान दर्जा प्राप्त है?
(अ) राज्य के केबिनेट मंत्री
(ब) केन्द्रीय राज्यमंत्री
(स) राज्य के सचिव
(द) केन्द्रीय केबिनेट मंत्री
उत्तर- (ब)

प्र.21 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को अपनी प्रक्रिया स्वयं विनियमित करने की शक्ति किस अनुच्छेद के तहत प्राप्त है?
(अ) अनु.-338 (4)
(ब) अनु.-338 (5)
(स) अनु.-338 (8)
(द) अनु.-338 (6)
उत्तर- (अ)

प्र.22 निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद के अंतर्गत राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के कर्तव्य वर्णित हैं -
(अ) अनुच्छेद- 338 (6)
(ब) अनुच्छेद- 338 (4)
(स) अनुच्छेद- 338 (10)
(द) अनुच्छेद- 338 (5)
उत्तर- (द)

प्र.23 संविधान के किस अनुच्छेद के तहत् राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को सिविल न्यायालय के समान शक्तियां प्राप्त है?
(अ) अनुच्छेद - 338 (6)
(ब) अनुच्छेद - 338 (7)
(स) अनुच्छेद - 338 (8)
(द) अनुच्छेद - 338 (9)
उत्तर- (स)

प्र.24 निम्न में से कौन-सा आयोग, आंग्ल-भारतीय समुदाय के संवैधानिक संरक्षण व अन्य विधिक अधिकारों के संरक्षणों के संबंध में जांच करेगा और इनके संबंध में राष्ट्रपति को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा?
(अ) राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग
(ब) राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग
(स) राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग
(द) राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग
उत्तर- (अ)

प्र.25 किस संविधान संशोधन द्वारा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया?
(अ) 102वां संविधान संशोधन
(ब) 103वां संविधान संशोधन
(स) 100वां संविधान संशोधन
(द) 101वां संविधान संशोधन
उत्तर- (अ)

प्र.26 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के प्रथम उपाध्यक्ष कौन थे?
(अ) फकीर भाई वाघेला
(ब) सूरजभान
(स) बूटासिंह (द) अरुण हलदर
उत्तर- (अ)

प्र.27 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के कितने क्षेत्रीय कार्यालय हैं?
(अ) 9 (ब) 10
(स) 11 (द) 12
उत्तर- (द)

प्र.28 निम्नलिखित में से किस राज्य में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग का क्षेत्रीय कार्यालय स्थित नहीं है?
(अ) मध्यप्रदेश (ब) उत्तरप्रदेश
(स) बिहार (द) गुजरात
उत्तर- (अ)

प्र.29 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग का मुख्यालय कहां स्थित है?
(अ) भोपाल (ब) मुम्बई
(स) कोलकाता (द) नई दिल्ली
उत्तर- (द)

प्र.30 राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के संदर्भ में असत्य कथन है -
(अ) आयोग अनुसूचित जातियों पर होने वाले अत्याचार या उत्पीड़न के मामलों में स्वत: संज्ञान से कार्यवाही कर सकता है।
(ब) आयोग आंग्ल भारतीय समुदाय के संवैधानिक संरक्षण एवं अन्य विधिक संरक्षण के संबंध में जांच करेगा।
(स) आयोग को किसी मामले या शिकायत की जांच के संदर्भ में सिविल न्यायालय के समान शक्तियां प्राप्त हैं।
(द) आयोग एक गैर-संवैधानिक बहुसदस्यीय निकाय है।
उत्तर- (द)

प्र.31 निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष नहीं रहे हैं?
(अ) बूटासिंह (ब) पी.एल. पूनिया
(स) सूरजभान (द) कुंवर सिंह
उत्तर- (द)

प्र.32 पूर्ववर्ती राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग (संयुक्त) के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
(अ) एस.एच. रामधन
(ब) एच. हनुमनथप्पा
(स) सूरजभान
(द) दिलीप सिंह भूरिया
उत्तर- (अ)

- इमरतलाल खरते
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण

1. **संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2002 को किसका अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया था -**
(a) ईकोटूरिज्म का
(b) स्वच्छता वर्ष
(c) वन संरक्षण वर्ष
(d) जल संरक्षण वर्ष

2. **भारत में धारणीय विकास के दृष्टिकोण से विद्युत उत्पाद का सबसे अच्छा स्रोत कौन-सा है ?**
(a) कोयला
(b) खनिज तेल एवं गैस
(c) जल विद्युत
(d) परमाणु ऊर्जा

3. **'विश्व पर्यावरण दिवस' किस तारीख को मनाया जाता है?**
(a) 21 मार्च (b) 23 दिसम्बर
(c) 05 जून (d) 25 मई

4. **मरुस्थल में उगने वाले पौधे क्या कहलाते हैं?**
(a) मोजोफाइट्स
(b) हाइड्रोफाइट्स
(c) जीरोफाइट्स
(d) हेलोफाइट्स

5. **पादप वृद्धि हेतु सबसे उपयुक्त क्या है?**
(a) बालू (b) दोमट मिट्टी
(c) चिकनी मिट्टी (d) बजरी

6. **पारितन्त्र में ऊर्जा का पिरामिड किस प्रकार का होता है?**
(a) सदैव उल्टा
(b) सदैव सीधा
(c) पहले उल्टा बाद में सीधा
(d) किसी भी प्रकार का नहीं

7. **अधिक वर्षा वाले उष्ण क्षेत्रों में भारी वर्षा होती है, अत: वहां वन होते हैं -**
(a) सदाहरित वन
(b) दृढ़पर्णी वन
(c) घास वन
(d) मरूस्थल

8. **लवणीय मृदा में उगने वाले पादपों को कहते हैं -**
(a) हेलोफाइट
(b) ऑक्सिलोफाइट
(c) कैंज्मोफाइट
(d) लिथोफाइट

9. **नाइट्रोजन यौगिकरण करने वाला जीवाणु है -**
(a) ओसिलोटोरिया
(b) टायलोपोथ्रिक्स
(c) एनाबीना
(d) एजेटोबेक्टर

10. **पारितन्त्र में मनुष्य का स्थान है -**
(a) सर्वाहारी
(b) मांसाहारी
(c) शाकाहारी
(d) इनमें से कोई नहीं

11. **प्रकृति में ऊर्जा का मुख्य स्रोत है -**
(a) उत्पादक
(b) प्राथमिक उपभोक्ता
(c) द्वितीयक उपभोक्ता
(d) सूर्य

12. **सुन्दरी नामक वृक्ष कहां पाये जाते हैं?**
(a) वृंदावन में
(b) नंदन कानन में
(c) मानस वन में
(d) सुंदर वन में

13. **'पारिस्थितिकी स्थायी मित-व्ययिता है'- यह किस आंदोलन का नारा है?**
(a) एपिको आंदोलन
(b) नर्मदा बचाव आंदोलन
(c) चिपको आंदोलन
(d) उक्त में से किसी का नहीं

14. **निम्नलिखित में से कौन-सा एक कृत्रिम पारितंत्र है?**
(a) झील
(b) खेत
(c) वन
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

15. **निम्नलिखित नोबल गैसों में से कौन-सी वायु में नहीं पायी जाती है?**
(a) हीलियम
(b) ऑर्गन
(c) रेडॉन
(d) निऑन

16. **छ: मौलिक जैविक तत्व हैं -**
(a) C, H, O, N, S, P
(b) C, H, O, N, P, Mg
(c) C, N, S, P, Mg, Hg
(d) C, H, O, Mn, B, Cl

17. **जीव जो एक समुदाय में प्रभावी होते हैं और सूक्ष्य जलवायु (microclimate) व समुदाय संरचना को परिवर्तित करते हैं, उन्हें कहते हैं -**
(a) कीस्टोन प्रजाति
(b) लाभदायक प्रजाति
(c) आक्रमणकारी प्रजाति
(d) प्रभावी प्रजाति

18. **लाइकेन्स (Lichens) अभिव्यक्त करते हैं -**
(a) सहोपकारिता
(b) सहभोजिता
(c) एमेनसैलिज्म
(d) परजीविता

19. **क्लेबसियेला (Klebsiella) है एक -**
(a) नाइट्रोजन स्थिरकर्ता
(b) परजीवी
(c) सहभोगी
(d) परपोषी

20. **अधिपादप (Epiphytes) का अच्छा उदाहरण है -**
(a) लाइकेन्स और ऑर्किड्स
(b) लताएँ और कंठलताएं
(c) पादप प्लवक
(d) इनमें से कोई नहीं

21. **पारिस्थितिक तन्त्र में ऊर्जा का प्रवाह होता है -**
(a) उच्च से निचले ऊर्जा स्तर की ओर
(b) निचले से उच्च ऊर्जा स्तर की ओर
(c) भौतिक पर्यावरण से प्राथमिक उपभोक्ता की ओर
(d) इनमें से कोई नहीं

22. **पृथ्वी के क्रष्ट पर ऑक्सीजन के बाद सबसे अधिक उपलब्ध कौन-सा मूल तत्व है ?**
(a) सिलिकॉन
(b) कार्बन
(c) सोडियम
(d) एल्यूमीनियम

23. **'लॉस्ट सिटी' है -**
(a) पारिस्थितिक दृष्टि विनष्ट विश्व का पहला शहर
(b) विश्व की सर्वाधिक आबादी वाला शहर
(c) अटलांटिक महासागर के तल पर स्थित ब्लैक स्मोकर नामक ऐसा स्थान जहां के प्रबल क्षारीय और गर्म वातावरण में समुद्री जीव पाये जाते हैं
(d) वायुमण्डल की वह सीमा, जहां पर जीव का अस्तित्व है

24. **सोलर कुकर सूर्य के किन किरणों से ऊर्जा अवशोषित करता है?**
(a) पराबैंगनी किरणें
(b) दृश्य प्रकाश किरणें
(c) अवरक्त किरणें (Infrared)
(d) दीर्घ तरंगों (Long Waves) से

25. **निम्नलिखित में से कौन-सा तत्व पृथ्वी में सर्वाधिक मात्रा में पाया जाता है ?**
(a) सिलिकॉन (b) ऑक्सीजन
(c) लोहा (d) एल्युमीनियम

26. **विश्व में सर्वाधिक लवणता कहां पायी जाती है -**
(a) ग्रेट साल्ट लेक में
(b) मृतसागर में
(c) प्रशांत महासागर में
(d) वान झील में

27. **क्वार्टजाइट कायांतरित होता है -**
(a) चूना पत्थर से
(b) ऑक्सीडियन से
(c) बलुआ पत्थर से
(d) शैल से

28. **सागरीय जल की लवणता में किस लवण की मात्रा सर्वाधिक होती है ?**
(a) सोडियम क्लोराइड
(b) मैग्नेशियम क्लोराइड
(c) मैग्नेशियम सल्फेट
(d) कैल्शियम सल्फेट

29. **रेडियोलेरियन किस प्रकार का ऊर्जा है ?**
(a) सिलिका प्रधान
(b) चूना प्रधान
(c) सिल्ट प्रधान
(d) डोलोमाइट प्रधान

30. **प्राकृतिक वनस्पति का सर्वाधिक विकसित क्षेत्र कौन-सा है ?**
(a) सदाबहारी वन
(b) पतझड़ वन
(c) शंकुधारी वन
(d) टैगा वन

31. **निम्नलिखित में से किस प्रकार के वन भारत में सर्वाधिक विद्यमान हैं ?**
(a) मैंग्रोव
(b) कटीली-झाड़ी
(c) उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती
(d) उष्ण कटिबंधीय आर्द्र सदाबहार

32. **दक्षिणी अमेरिका का चौड़ा वृक्ष रहित घास का मैदान कहलाता है -**
(a) सेल्वा
(b) पम्पास
(c) प्रेयरी
(d) स्टेपीज

33. **किस बायोम में प्राथमिक उत्पादकता सर्वाधिक पायी जाती है ?**
(a) रूम सामरीय बायोम
(b) मानसूनी बायोम
(c) विषुवतीय वन बायोम
(d) टैगा बायोम

34. **भारतीय वन प्रबन्धन संस्थान कहाँ अवस्थित है ?**
(a) देहरादून
(b) भोपाल
(c) हरिद्वार
(d) अल्मोड़ा

35. **महोगनी और रोजवुड किस बायोम के वृक्ष हैं ?**
(a) विषुवतीय वन बायोम
(b) भूमध्य सागरीय बायोम
(c) मानसूनी बायोम
(d) टैगा बायोम

36. **साल, सागौन तथा शीशम किस बायोम के वृक्ष हैं?**
(a) मानसूनी बायोम
(b) रूम सागरीय बायोम
(c) विषुवत रेखीय वन बायोम
(d) मानसूनी बायोम

37. **भारत का सुन्दर वन उदाहरण है -**
(a) शीतोष्ण वन का
(b) सदाबहारी वन का
(c) ज्वारीय वन का
(d) रूम सागरीय वन का

38. **रेण्डियार किस बायोम का जन्तु है?**
(a) टुण्ड्रा बायोम
(b) टैगा बायोम
(c) रूप सागर बायोम
(d) शीतोष्ण कटिबंध

39. **वन महोत्सव सप्ताह कब मनाया जाता है?**
(a) 1 जून से 7 जून
(b) 1 मई से 7 मई
(c) 1 जुलाई से 7 जुलाई
(d) 1 अगस्त से 7 अगस्त

40. **लानोज तथा कैम्पोज घास किस बायोम के अन्तर्गत आते हैं?**
(a) शीतोष्ण घास बायोम
(b) उष्ण कटिबंधीय घास बायोम
(c) टुण्ड्रा बायोम
(d) टैगा बायोम

41. **स्टेपी जलवायु की सबसे बड़ी विशेषता है -**
(a) महाद्वीपीय जलवायु का विकास
(b) शुष्कता का साम्राज्य
(c) उच्च वार्षिक तापांतर
(d) दक्षिणी गोलार्द्ध में विस्तार का आभाव

42. **निम्नलिखित वृक्षों में से कौन-सा वृक्ष पर्यावरणीय संकट माना जाता है?**
(a) यूकेलिप्टस (b) जलकुंभी
(c) बबूल (d) केर

43. **कुंजवन (Chapparal) कहां वितरित है?**
(a) साइबेरिया में
(b) भूमध्य सागरीय क्षेत्र में
(c) उत्तरी अमेरिका में
(d) अरब में

44. **'नेशनल ब्यूरो ऑफ प्लान्ट जेनेटिक रिसोर्सेस' स्थित है -**
(a) नई दिल्ली में
(b) कोलकाता में
(c) मुम्बई में
(d) चेन्नई में

45. **पर्यावरण का संतुलन बनाये रखने के लिए वनान्तर्गत क्षेत्र होना चाहिए -**
(a) 10 % (b) 23 %
(c) 33 % (d) 53 %

46. **पृथ्वी पर अधिकांश ऑक्सीजन उत्पादित होता है -**
(a) घास से
(b) शैवालों से
(c) वृक्षों से
(d) घास के खेतों से

47. **निम्नलिखित में से कहां पर एक संरक्षित कच्छ वनस्पति क्षेत्र है?**
(a) पूर्वी घाट
(b) पश्चिमी घाट
(c) गोवा
(d) चन्द्रताल

48. **समुद्री राष्ट्रीय पार्क अवस्थित है -**
(a) कच्छ की खाड़ी में
(b) सुन्दर वन में
(c) चिल्का झील में
(d) उपरोक्त में कहीं नहीं

49. **भारत में सबसे पहला जैवमण्डलीय आरक्षित क्षेत्र कहां स्थापित हुआ?**
(a) ग्रेट निकोबार
(b) मन्नार की खाड़ी
(c) नन्दादेवी
(d) नीलगिरि

50. **'दण्डकारण्य' प्रदेश स्थित नहीं है -**
(a) आन्ध्रप्रदेश में
(b) छत्तीसगढ़ में
(c) मध्यप्रदेश में
(d) ओडिशा में

51. **'टुमारोज बायो-डायवर्सिटी' पुस्तक के लेखक हैं -**
(a) डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन
(b) डॉ. अनिल अग्रवाल
(c) वंदना शिवा
(d) डॉ. जी.सी. पान्डे

52. **जीवाश्म (Fossil) नेशनल पार्क अवस्थित है -**
(a) केरल में
(b) कर्नाटक (धारवाड़) में
(c) मध्यप्रदेश (मण्डला) में
(d) छत्तीसगढ़ में

53. **कार्टाजेना प्रोटोकॉल का संबंध है -**
(a) वायु प्रदूषण के उन्मूलन से
(b) जैव सुरक्षा समझौता से
(c) वनों के संरक्षण से
(d) वन्य जीवों के अवैध व्यापार से

54. **'नोकरेक' जैव मण्डलीय क्षेत्र निम्न में से किस राज्य में अवस्थित है?**
(a) पश्चिमी बंगार (b) सिक्किम
(c) मेघालय (d) ओडिशा

55. **लवणोद्भिद (Halophytes) वनस्पतियों के संदर्भ में कौन से कथन सत्य नहीं है?**
(a) इस प्रकार के पौधों में श्वसन मूल पायी जाती है
(b) ऐसे पौधों में जरायुज-अंकुरण (Viviparous Germination) पाया जाता है
(c) ऐसे पौधे में कार्यकीय शुष्कता (Physiological Dryness) पायी जाती है
(d) ऐसे पौधे सहजीवी होते हैं

उत्तर

1. (a) 2. (c) 3. (c) 4. (c) 5. (b) 6. (b) 7. (a) 8. (a) 9. (d) 10. (a) 11. (d) 12. (d) 13. (c) 14. (b) 15. (c) 16. (a) 17. (a) 18. (a) 19. (a) 20. (a) 21. (b) 22. (a) 23. (c) 24. (c) 25. (b) 26. (d) 27. (c) 28. (a) 29. (a) 30. (b) 31. (c) 32. (b) 33. (c) 34. (b) 35. (a) 36. (a) 37. (c) 38. (a) 39. (c) 40. (b) 41. (c) 42. (a) 43. (c) 44. (a) 45. (c) 46. (b) 47. (c) 48. (a) 49. (d) 50. (c) 51. (c) 52. (c) 53. (b) 54. (c). 55. (d)

- डॉ. जीवन एस. रजक
(लेखक : ''संयुक्त कलेक्टर'' दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान एवं लोक प्रशासन पुस्तक के लेखक)

जॉब अलर्ट

हैवी व्हीकल फैक्ट्री, चेन्नई

पद का नाम - अप्रेंटिस
पदों की संख्या - 320
योग्यता - ग्रेजुएट अप्रेंटिस के लिए इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी में डिग्री, तकनीशियन (डिप्लोमा) अप्रेंटिस के लिए इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा और गैर इंजीनियरिंग ग्रेजुएट अप्रेंटिस के लिए बीए/बीएससी/बी.कॉम./बीबीए/बीसीए।
अंतिम तिथि - 16 दिसंबर, 2023
वेबसाइट - www.boat-srp.com

प्रादेशिक सेना

पद का नाम - लेफ्टिनेंट, कैप्टन, मेजर, ले., कर्नल, ब्रिगेडियर
पदों की संख्या - 06
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 19 दिसंबर, 2023
वेबसाइट- www.jointerritorial-army.gov.in

सीएसआईआर - जीनोमिकी और समवेत जीव विज्ञान संस्थान

पद का नाम - वैज्ञानिक, तकनीकी सहायक, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक आदि पद।
पदों की संख्या - उल्लेखित नहीं
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 09 दिसंबर, 2023
वेबसाइट - www.igib.res.in

डाक विभाग

पद का नाम - डाक सहायक, छंटाई सहायक, डाकिया, मेल गार्ड, मल्टी टास्किंग स्टाफ
पदों की संख्या - उल्लेखित नहीं
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 09 दिसंबर, 2023
वेबसाइट - https://dopsportsrecruitment.cept.gov.in

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

पद का नाम - जनरल ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग सिस्टर, स्टाफ नर्स, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट सह जूनियर लेक्चरर, रेडियोग्राफर ग्रेड I, निदर्शक (प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स), प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट ग्रेड 1, फिजियोथेरेपिस्ट, फार्मासिस्ट ग्रेड 1, प्रयोगशाला तकनीशियन ग्रेड II, टाइपिस्ट/क्लर्क, जूनियर स्टोर कीपर और अन्य पद
पदों की संख्या - 22
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 18 दिसंबर, 2023
वेबसाइट - www.svnirtar.nic.in

सैनिक स्कूल झुन्झुनू (राजस्थान)

पद का नाम - पीजीटी अंग्रेजी, पीजीटी गणित, पीजीटी कंप्यूटर विज्ञान, पीजीटी सामाजिक विज्ञान, काउंसलर (संविदा आधार पर)
पदों की संख्या - 05
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 09 दिसंबर, 2023
वेबसाइट - www.ssjhunjhunu.com

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर

पद का नाम - आरईओ (ग्रेड 1), आरईओ (ग्रेड 2), सीनियर आरईओ
पदों की संख्या - 30
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 20 दिसंबर, 2023
वेबसाइट - www.iitk.ac.in

एएआई कार्गो लॉजिस्टिक्स एंड एलाइड सर्विसेस कंपनी लिमिटेड

पद का नाम - सिक्योरिटी स्क्रीनर
पदों की संख्या - 906
योग्यता - कम से कम 60 प्रतिशत या इसके समकक्ष सीजीपीए के साथ ग्रेजुएशन। आरक्षित श्रेणी के लिए कम से कम 55 प्रतिशत या इसके समकक्ष सीजीपीए के साथ ग्रेजुएशन।
अंतिम तिथि - 08 दिसंबर, 2023
वेबसाइट - https://aaiclas.aero/

पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - जूनियर तकनीशियन ट्रेनी (जेटीटी) इलेक्ट्रीशियन
पदों की संख्या - 203
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में आईटीआई
अंतिम तिथि - 12 दिसंबर, 2023
वेबसाइट - www.powergrid.in

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

पद का नाम - सर्किल बेस्ड ऑफिसर
पदों की संख्या - 5280
योग्यता - ग्रेजुएशन की डिग्री, क्षेत्रीय भाषा का ज्ञान,
आयु - 30 वर्ष।
अंतिम तिथि - 12 दिसंबर, 2023
वेबसाइट - www.sbi.co.in

एडमिशन अलर्ट

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली

पाठ्यक्रम - डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी)
योग्यता- अच्छे अकादमिक रिकॉर्ड के साथ इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी (सीएसई, आईटी, ईसीई,ईई) में मास्टर डिग्री या इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी में रिसर्च द्वारा मास्टर डिग्री वाले उम्मीदवार।
अंतिम तिथि - 14 दिसंबर, 2023
बेवसाइट - https://nitdelhi.ac.in/

स्कॉलरशिप अलर्ट

निकॉन स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2023-24

किनके लिए - समाज के वंचित वर्गों के छात्रों के लिए जो फोटोग्राफी में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं।
योग्यता - आवेदकों का 12वीं परीक्षा पास करना आवश्यक है। आवेदकों की वार्षिक पारिवारिक आय 6 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।
क्या मिलेगा - फोटोग्राफी कोर्स कर रहे छात्रों को 1 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
अंतिम तिथि - 31 दिसंबर, 2023
बेवसाइट - https://www.buddy4study.com/page/nikon-scholarship-program

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह : 8 से 14 दिसम्बर

भारतीय संस्कृति और कलाओं की विविधिता के प्रदर्शन का अनमोल उपहार

हस्तशिल्प हाथों द्वारा निर्मित एक ऐसा शिल्प है, जिसकी अपनी विशिष्टता और अलग पहचान है। हस्तशिल्प अपनी कला, संस्कृति और परंपरा को प्रदर्शित करता है। भारत विविधताओं से समृद्ध देश है यहां की संस्कृति विश्व प्रसिद्ध है। जितनी कलाएं भारत में हैं उतनी शायद ही कहीं देखने को मिलती हैं। इन्हीं कलाओं में से एक है हस्तशिल्प कला। यहां हर प्रदेश की अपनी विशेषता, अपनी शैली, अपनी परम्पराएं हैं। यह किसी न किसी रूप में हस्तशिल्प के माध्यम से उकेरी जाती है अथवा प्रदर्शित की जाती है। भारत में हस्तशिल्प की मांग विश्व स्तर पर है। यह हमारी संस्कृति के प्रदर्शन का अनमोल उपहार है। इसे संजो कर रखना आवश्यक है। संयोग से हमारे यहां पुरातन कलाएं पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ रही हैं। जरूरत है इसे प्रमोट करने की, कलाकारों का आत्मविश्वास बढ़ाने की तथा इसके महत्व को उजागर करने की। इसीलिए पूरे भारत में 8 दिसम्बर से 14 दिसम्बर तक हस्तशिल्प सप्ताह मनाया जाता है। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम में हस्तशिल्प के महत्व और उपयोगिता से लोगों को परिचित कराया जाता है।

इसलिये मनाया जाता है हस्तशिल्प सप्ताह

भारत में हस्तशिल्प सदियों पुराना है। इसे पुराने, महलों, आदि गुफाओं, इमारतों आदि में देखा जा सकता है। समय के साथ विषय बदले लेकिन हस्तशिल्प का मूल स्वरूप वही है। यह हमारी संस्कृति का प्रतिनिधित्व है। देशभर में मनाएं जाने वाले हस्तशिल्प सप्ताह के माध्यम से जहां भारत की ऐतिहासिक धरोहर के बारे में जागरूकता बढ़ती है, वहीं हस्तशिल्प कारीगरों को सम्मानित किया जाता है। कारीगरों के लिए यह सप्ताह विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इसके द्वारा वे सम्पूर्ण विश्व में अपनी कला का विशेष प्रदर्शन कर पाते हैं।

हस्तशिल्प सप्ताह मनाने का उद्देश्य

अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह मनाने का मुख्य उद्देश्य है हस्तशिल्प कारीगरों की कला को प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना। हस्तशिल्प के माध्यम से भारतीय शिल्प, सांस्कृतिक धरोहरों से लोगों को परिचित करना और हस्तशिल्प कारीगरों को सम्मानित करना है। इसके अलावा हस्तकला उद्योग की सहायता के लिए लागू की गयी सभी योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना तथा इसके सभी पक्षों जैसे तकनीकी, वित्तीय और कलात्मक विपणन इत्यादि की जानकारी प्रदान करना है।

कैसे हुआ हस्तशिल्प सप्ताह का आरम्भ

प्रतिवर्ष 8 से 14 अक्टूबर को मनाये जाने वाले भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह का आरंभ सन् 1952 में अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड द्वारा किया गया था। इसे शुरू करने का मुख्य उद्देश्य था हस्तशिल्प कारीगरों को होने वाली समस्याओं का समाधान करना, कारीगरी के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए इसकी शुरुआत की गयी थी। इस सप्ताह के आयोजन की अध्यक्षता कपड़ा मंत्रालय ने की थी। एक सप्ताह तक चलने वाले इस सप्ताह के माध्यम से कारीगरों को अपनी कला के प्रदर्शन के लिए मंच प्रदान किया गया।

अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह

हस्तशिल्प सप्ताह अखिल भारतीय हस्तशिल्प विकास आयुक्त कार्यालयों तथा वस्त्र मंत्रालय द्वारा जागरूकता बढ़ाने और हस्तशिल्प कारीगरों के बीच हस्तशिल्प योजनाओं की मुख्य: सूचना को वितरित करने के लिये मनाया जाता है। पूरे सप्ताह समारोह के दौरान हस्तशिल्प विकास के साथ ही स्थानीय विपणन कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम में शिल्प कलाकारों, गैर सरकारी संगठन, विभिन्न शिल्प विशेषज्ञों को उनके और सरकारी एजेंसियों के बीच बातचीत के लिए आमंत्रित किया जाता है। आयोजन में हस्तशिल्प के विकास के लिए किये जाने वाले उपायों की खोज करने, उसमें आने वाली बाधाओं को दूर करने आदि पर विश्लेषण किया जाता है। शिल्प प्रतिभागियों की समस्याओं का समाधान विशेषज्ञ अपने अनुभवों और चर्चा के माध्यम से करते हैं।

अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह देशभर में 8 दिसम्बर से लेकर 14 दिसम्बर तक मनाया जाता है। इस वर्ष भी इसका आयोजन किया जायेगा। पूरे हफ्ते के समारोह में पांच प्रमुख घटक होते हैं, जिनमें क्रेता-विक्रेता बैठक, हस्तशिल्प प्रदर्शनी, भारतीय कलाकारों द्वारा कलात्मक प्रदर्शन, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिल्प व्यक्तियों द्वारा प्रदर्शन और भारतीय भोजन की प्रदर्शनी शामिल है। हस्तशिल्प के बारे में लोगों के बीच जागरूकता को बढ़ाने के लिए विभिन्न संगठनों के द्वारा शिल्प, नक्शे, कैटलॉग, विविध पत्रक आदि प्रकाशित करवाकर लोगों में बांटे जाते हैं। समारोह के दौरान चिकनकारी, लोक चित्रकला, हाथ ब्लॉक प्रिंटिंग, बंधेज टाई-डाई, दरी बुनाई, कनी शॉल बुनाई, लाख की चूड़ियां, काष्ठार्पण कार्य, पिपली और क्रोशिया की बुनाई, क्रूल कढ़ाई, फुलकारी और कलमकारी चित्रकारी, जरदोजी आदि हस्तशिल्प का लोगों के सामने प्रदर्शन किया जाता है।

हस्तशिल्प सप्ताह का महत्व

अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह का आयोजन कपड़ा मंत्रालय और हस्तशिल्प विकास आयुक्त के कार्यालय द्वारा भारतीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने, जागरूकता बढ़ाने और ब्रांड छवि विकसित करने के लिए किया जाता है। यह पूरे भारत के विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प कारीगरों के विकास और कल्याण के लिए मनाया जाता है। सप्ताह भर का यह आयोजन देशभर के लाखों कारीगरों के लिए बड़ी उम्मीद और अवसर प्रदान करता है। सप्ताह भर होने वाले कार्यक्रमों से हस्तशिल्प की वर्षों की परंपरा और संस्कृति को जीवित रखने में मदद मिलती है। इसमें आयोजित किये जाने वाले मेले में देश-विदेश के व्यापारी और प्रतिनिधि शामिल होते हैं। जिससे हस्तशिल्पियों को अपना बाजार बढ़ाने में सहायता मिलती है। पहले जहां हस्तशिल्पियों को उचित दाम तक नहीं मिल पाते थे वहीं अब प्रचार-प्रसार, उत्सव आयोजनों और प्रौद्योगिकी के विकसित होने और सरकारी स्तर पर किये जाने वाले प्रयासों से कारीगरों को देश ही नहीं विदेशों से भी ऑर्डर प्राप्त हो रहे हैं। इससे जहां भारतीय शिल्प कला समृद्ध हुई है वहीं हस्तशिल्पियों की आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है। हस्तशिल्प सप्ताह में हस्तशिल्पियों को मिलने वाले सम्मान से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है जिससे वे अधिक उत्साह के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं।

अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड

अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड की स्थापना 1952 में हुई थी। इस बोर्ड को एक सरकारी सलाहकार के रूप में स्थापित किया गया था। इसकी स्थापना भारत में हस्तशिल्प से संबंधित समस्याओं के साथ-साथ हस्तशिल्प के विकास के लिए उपायों को लागू करने और बेहतर बनाने के लिए की गई थी। यह बोर्ड कपड़ा मंत्रालय की अध्यक्षता में गठित किया गया था। हस्तशिल्प के सभी पहलुओं, तकनीकी, और कलात्मक विपणन आदि जानकारी से युक्त इस बोर्ड को सभी योजनाओं को लागू करने का दायित्व सौंपा गया था। अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड राज्य सरकारों को हस्तशिल्प विकास योजनाओं को लागू करने और सहायता करने के लिए नवाचार के साथ संबद्ध रहता है। बोर्ड कई हस्तशिल्प और हथकरघा संगठनों से मिलकर बनता है। बोर्ड हस्तशिल्प प्रदर्शनी की व्यवस्था, हस्तशिल्प बाजार के विकास और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कार्य करता है।

वर्तमान वैश्विक युग में अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह का आयोजन देश के हस्तशिल्प कारीगरों के विकास और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण कड़ी है। जो हस्तशिल्पियों को सम्मानित करने, उन्हें एक मंच प्रदान करने और उनके द्वारा निर्मित उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने का माध्यम है। भारतीय शिल्प सदियों से विश्व के आकर्षण का केन्द्र रहा है। भारतीय कारीगरों द्वारा बनाये गये कला उत्पाद देश-दुनिया की प्रमुख पंसद है। अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह आयोजन तथा कार्यक्रमों द्वारा हस्तशिल्पियों की कला को विस्तारित करने का प्रयास किया जा रहा है। जो भारतीय शिल्प परंपरा को जीवंत रखने कलाकारों का संबल बढ़ाने और आर्थिक सुदृढ़ता के लिए सराहनीय है।

- शशांक मणि पांडे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं।)

किंग चार्ल्स तृतीय ने

मनाया 75वां बर्थडे

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय पिछले सप्ताह 75 वर्ष के हो गए। उनके जन्मदिन पर राजधानी लंदन में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस मौके पर बकिंघम पैलेस में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर भारत, फिलीपींस, श्रीलंका, नेपाल और केन्या जैसे कई देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली लगभग 400 नर्सों ने हिस्सा लिया।

शीतल महाजन

एवरेस्ट के सामने 21,500 फीट से छलांग लगाने का रिकॉर्ड बनाया

भारत की प्रसिद्ध स्काइडाइवर शीतल महाजन ने माउंट एवरेस्ट के सामने 21,500 फीट की ऊंचाई से हेलीकॉप्टर से छलांग लगाकर दुनिया की पहली महिला के रूप में नया रिकॉर्ड बनाया है। भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से सम्मानित और कई स्काइडाइविंग रिकॉर्ड धारक 41 वर्षीय महाजन ने 13 नवंबर को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के सामने छलांग लगाई। इससे पहले महाजन ने 11 नवंबर को 5 हजार फीट एजीएल (जमीनी स्तर के ऊपर) से 17500 फीट की ऊंचाई पर अपनी पहली छलांग लगाई थी।

पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार

अमेरिका-भारत रणनीति और साझेदारी मंच के सलाहकार बने

पूर्व भारतीय रक्षा सचिव अजय कुमार, अमेरिका-भारत रणनीतिक और साझेदारी मंच से बोर्ड के सलाहकार के तौर पर शामिल हुए हैं। भारत के रक्षा सचिव के रूप में कुमार को अगस्त 2019 और अक्टूबर 2022 के बीच रक्षा समग्र जिम्मेदारी सौंपी गयी थी। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी के अनुसार अजय कुमार के पास तीन दशक से अधिक की विशेषज्ञता और रक्षा तथा महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी के बीच महत्वपूर्ण गठजोड़ की समझ है।

भारत

आईपीईएफ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में शामिल

अमेरिका के नेतृत्व वाले इंडोपैसेफिक इकॉनोमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रोसपैरिटी (IPEF) की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत भी शामिल हो गया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल ने इस पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला लचीली और मजबूत होगी। भारत और अमेरिका के अलावा इस आपूर्ति श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया, ब्रूनेई, फिजी, इंडोनेशिया, जापान,कोरिया गणतंत्र, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाइलैंड और वियतनाम सदस्य देश हैं।

बांग्लादेश

7 जनवरी को होंगे आम चुनाव

बांग्लादेश में 7 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय संसद का चुनाव होगा। उसी दिन से रात को मतगणना शुरू होगी। बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त काजी हबीबुल अवल ने राष्ट्र के संबोधन के दौरान यह कहा। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि 12वें राष्ट्रीय संसद चुनाव के लिए नामांकन पत्र जमा करने का काम शुरू हो गया है। जमा करने की अंतिम तिथि 30 नवंबर, 2023 रखी गयी है।

फ्रांस ने

सीरिया के राष्ट्रपति के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया

फ्रांस के न्यायिक अधिकारियों ने सीरिया के राष्ट्रपति बशर असद, उनके भाई और सेना के दो जनरलों के लिए दमिश्क के उपनगरों पर 2013 में रासायनिक हमले सहित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों में शामिल होने के आरोप में वारंट जारी किए हैं। राष्ट्रपति असद के अलावा, उनके भाई, चौथे बख्तरबंद डिवीजन के कमांडर माहेर असद और सीरिया सेना के दो जनरलों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं।

न्यूयॉर्क के

स्कूलों में हर दीपावली छुट्टी रहेगी

न्यूयॉर्क के स्कूलों में अब दीपावली पर छुट्टी रहेगी। गवर्नर कैथी होचुल ने सार्वजनिक स्कूलों के लिए दीपावली की छुट्टी वाले कानून पर हस्ताक्षर कर दिया है। होचुल ने कहा कि यह कानून हमारे बच्चों के लिए दुनियाभर की परंपराओं के बारे में सीखने और उन्हें मनाने का एक अवसर है। गवर्नर ने हिंदू टेम्पल सोसायटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका में दीपावली के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में कानून पर हस्ताक्षर किए। इसके लिए प्रयास करने वाली न्यूयॉर्क की स्टेट एसेंबली से जुड़ी जेनिफर ने इस कानून के लिए कैथी का धन्यवाद अदा किया।

आइसलैंड

14 घंटों में भूकंप के 800 झटके

आइसलैंड ने देश के दक्षिण-पश्चिम रेक्जेन्स प्रायद्वीप में भूकंप के कई झटकों के बाद आपातकाल की घोषणा कर दी है। 14 घंटों में 800 झटकों के कारण ज्वालामुखी फटने का खतरा भी पैदा हो गया है। आइसलैंड के नागरिक सुरक्षा और आपातकालीन विभाग के अनुसार भूकंप के लगातार झटकों के बाद ज्यादा तीव्रता के भूकंप के झटके भी महसूस किए गए।

पी. वीरमुथुवेल

अल्मा मेटर को 25 लाख रुपये दान देंगे

चंद्रचान 3 मिशन के परियोजना निदेशक पी. वीरमुथुवेल सम्मान में मिली राशि को दान करेंगे। उन्हें अंतरिक्ष कार्यक्रमों में सफलतापूर्वक योगदान देने के लिए तमिलनाडु सरकार से सम्मान स्वरूप 25 लाख रुपये मिले थे। वे इस राशि को भारतीय अनुसंधान संगठन (इसरो) को दान करेंगे। यह धनराशि अल्मा मेटर के पूर्व छात्रसंघों को दी जाएगी। ज्ञात रहे कि तमिलनाडु सरकार ने 2 अक्टूबर 2023 को इसरो वैज्ञानिक वीरमुथुवेल को सम्मानित करते हुए 25 लाख की धनराशि दी थी।

जग बैंस

सिख-अमेरिकी ने बिग ब्रदर जीता

वाशिंगटन में रियलिटी शो 'बिग ब्रदर' के 25वें सीजन के खिताब को 25 वर्षीय जग बैंस ने जीत लिया है। शो के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब कोई सिख प्रतियोगी 'बिग ब्रदर' का विजेता बना है। 100 दिनों तक 'बिग ब्रदर' के घर में बैंस हर मुश्किल को पार करते गए और अंत में विजेता बने। उन्हें ट्रॉफी के साथ 7.5 लाख अमेरिकी डॉलर (6.24 करोड़ रुपये) का इनाम मिला है। बैंस एक ट्रक कंपनी के मालिक हैं।

एबंडेंस इन मिलेट्स

ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट

एबंडेंस इन मिलेट्स गाने को बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस श्रेणी में ग्रैमी अवार्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है। इस गाने में मिलेट्स (मोटे अनाज) की खेती और इनकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई है। सिंगर फाल्गुनी शाह और गौरव शाह ने इसे गाया है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स घोषित किया है। फाल्गुनी को 2022 में ग्रैमी अवॉर्ड मिल चुका है।

अंकोरवाट मंदिर

दुनिया का आठवां अजूबा घोषित

दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश कंबोडिया का अंकोरवाट मंदिर को इस साल दुनिया का आठवां अजूबा घोषित किया गया है। इसने इटली के पोम्पेई को पीछे छोड़ दिया। 800 वर्ष पुराने इस मंदिर का निर्माण राजा सूर्यवर्मन द्वितीय ने करवाया था। इसे दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर बताया जाता है और करीब 500 एकड़ के क्षेत्र में फैला है। अंकोरवाट मंदिर को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में भी शामिल किया गया है।

मलेशिया में

भारतीयों के लिए वीजा फ्री एंट्री

मलेशिया, चीनी और भारतीय नागरिकों को बिना वीजा के आने की अनुमति देगा। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि 1 दिसंबर 2023 से इसे लागू किया जाएगा। पीपुल्स जस्टिस पार्टी की सालाना बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि चीन और भारतीय नागरिक 30 दिनों तक वीजा मुक्त रह सकते हैं। मलेशिया आर्थिक विकास को समर्थन देने के लिए अतिरिक्त पर्यटकों के आगमन और अनके खर्च पर भरोसा कर रहा है।

अभिलाषा जोशी

भारतवंशी को अमेरिका में सोसायटी ऑफ न्यूरोसाइंस ने किया सम्मानित

भारतीय मूल की न्यूरोसाइंटिस्ट अभिलाषा जोशी को अमेरिका में सोसायटी ऑफ न्यूरोसाइंस ने सम्मानित किया है। वाशिंगटन स्थित यह सोसायटी हर साल यंग न्यूरोसाइंटिस्ट को उनकी रिसर्च और खोज के लिए सम्मानित करती है। अभिलाषा जोशी इस समय पुर्तगाल के लिस्बन में चंपालिमॉड सेंटर फॉर द अननोन में विजिटिंग रिसर्चर हैं। उन्हें पीटर एंड पैट्रिशिया ग्रूबर इंटरनेशनल रिसर्च अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उन्होंने इंग्लैंड की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट रिसर्च की है।

पॉल लिंच

आयरिश लेखक को बुकर प्राइज मिला

आयरलैंड के साहित्यकार पॉल लिंच को उपन्यास 'प्रॉफेट सॉन्ग' के लिए 2023 का बुकर पुरस्कार मिला है। यह फासीवादी सरकार और जनता के प्रति उसकी उदासीनता दर्शाता है। जूरी ने लिखा, लिंच ने उपन्यास से ऐसी दुनिया दिखाई जहां इंसान का दम घुट जाता है।

रियर एडमिरल सीआर प्रवीण नायर

पश्चिमी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग बने

रियर एडमिरल सीआर प्रवीण नायर ने रियर एडमिरल विनीत मैक्कार्टी से पश्चिमी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग का पदभार संभाला। रियर एडमिरल सीआर नायर को 01 जुलाई 1991 को भारतीय नौसेना में नियुक्त किया गया था। वे गोवा की नौसैन्य अकादमी और वेलिंगटन के डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज तथा अमरीका के न्यूपोर्ट में यूएस नेवल वॉर कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने फ्लैग ऑफिसर के रूप में नौसेना के मुख्यालय में नौसेना कार्मिक (नीति एवं योजना) के सहायक प्रमुख के तौर पर कार्य किया है।

स्मृति शेष

हिमाचल प्रदेश की सबसे बुजुर्ग वोटर गंगा देवी का निधन

हिमाचल प्रदेश की सबसे बुजुर्ग मतदाता गंगा देवी का 104 वर्ष की उम्र में कुल्लू में निधन हो गया। उन्हें 2022 में हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव में निर्वाचन आयोग ने प्रदेश की सबसे बुजुर्ग मतदाता के रूप में सम्मानित किया था।

द ओबेरॉय ग्रुप के चेयरमैन पृथ्वीराज ओबेरॉय का निधन

भारत की होटल इंटस्ट्री में जान फूंद देने वाले ओबेरॉय ग्रुप के प्रमुख पृथ्वीराज सिंह ओबेरॉय का 94 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। द ओबेरॉय ग्रुप के ऑनेरी चेयरमैन पृथ्वीराज ने 32 होटलों की एक विशाल श्रृंखला खड़ी की है।

ब्राजील की मशहूर मॉडल लुआना का निधन

ब्राजील की मशहूर अदाकारा और मॉडल लुआना एंड्रेड का 29 वर्ष की उम्र में सौंदर्य उपचार कराने के दौरान हृदयाघात से निधन हो गया। उनके निधन पर ब्राजील के फुटबॉल स्टार नेमार सहित सिंगर एड्रियाना और ब्राजील की फिल्म इंडस्ट्री के अन्य अभिनेताओं ने दुख प्रकट किया।

तेलुगु फिल्म अभिनेता चंद्र मोहन का निधन

तेलुगु फिल्म अभिनेता चंद्र मोहन का 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। फिल्म निर्माता के. विश्वनाथ के चचेरे भाई चंद्र मोहन ने 1966 में फिल्म रंगुला रत्नम के जरिए तेलुगु फिल्मों में पदार्पण किया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कॅरियर की राहें

ई-कॉमर्स में कॅरियर के तेजी से बढ़ते अवसरों का परिदृश्य

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

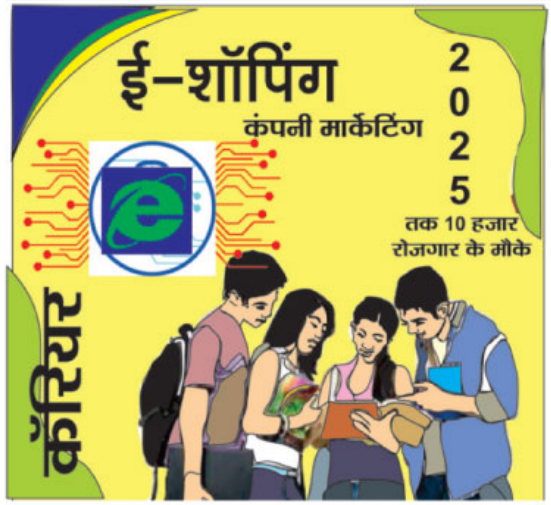

यकीनन पूरी दुनिया में भारत का ई-कॉमर्स सबसे तेज गति से बढ़ रहा है और ई-कॉमर्स के क्षेत्र में कॅरियर के अवसर छलांगें लगाकर बढ़ रहे हैं। ऑनलाइन खरीदी यानी ई-शॉपिंग ने ई-कॉमर्स को तेजी से विस्तारित कर दिया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि ई-कॉमर्स कंपनियों ने कोविड-19 के बीच रोजगार घटने की चुनौतियों को कम करते हुए वर्ष-प्रतिवर्ष तेजी से लगातार बड़े पैमाने पर लाखों नई नियुक्तियों के दौर को आगे बढ़ाया है।

डिजिटलीकरण ने ई-कॉमर्स में कॅरियर को दी है रफ्तार

बढ़ता डिजिटलीकरण, इंटरनेट के उपयोगकर्ताओं की लगातार बढ़ती संख्या, मोबाइल और डेटा पैकेज दोनों का सस्ता होना ई-कॉमर्स और ई-कामर्स में रोज़गार के तेजी से बढ़ने के प्रमुख कारण हैं।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन से निर्मित हुई ऑनलाइन खरीदारी का चलन देश के कोने-कोने में करोड़ों उपभोक्ताओं की आदत और व्यवहार का अभिन्न अंग बन गया है। ऑनलाइन उत्पादों के कैटलॉग चेक करके मन पसंद वस्तुओं की एक क्लिक पर वापसी की सुविधा के साथ घर के दरवाजे पर डिलिवरी का चमकीला लाभप्रद बाजार ई-कॉमर्स की देन है। यह भी स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि छोटे शहरों के उपभोक्ताओं में भी गुणवत्तापूर्ण जिंदगी जीने की महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए ई-शॉपिंग के विभिन्न विकल्पों वाले प्लेटफॉर्मों के उपलब्ध होने के कारण देश में ई-कॉमर्स की रफ्तार बढ़ी है। किराना बाजार को छोड़ दिया जाए तो अन्य प्रकार की वस्तुओं की 25 प्रतिशत बिक्री अब ई-कॉमर्स प्लेटफार्म से होने लगी है। इलेक्ट्रॉनिक्स के अलावा घरों की सजावट, हेल्थ व फार्मा जैसे सेक्टर में ई-कॉमर्स प्लेटफार्म से अधिक खरीदारी हो रही है। ई-कॉमर्स प्लेटफार्म पर एफएमसीजी, कृषि, फैशन व गारमेंट्स, सौंदर्य प्रसाधन से जुड़े उत्पादों आदि सभी तरह की वस्तुओं की बिक्री में तेजी आई है।

उल्लेखनीय है कि इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट 2022 के मुताबिक भारत में सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 2022 में करीब 75.9 करोड़ थी। वर्ष 2022 में भारत में करोड़ों लोगों ने ऑनलाइन कुछ न कुछ खरीदा है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को लाभांवित कर रहा है ई-कॉमर्स

देश में ई-कॉमर्स के लिए सरल वित्तपोषण, प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण के साधन की उपलब्धता सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को लाभांवित कर रहा है। डिजिटल भुगतान, हाइपर-लोकल लॉजिस्टिक्स, एनालिटिक्स जैसे प्रौद्योगिकी-सक्षम नवाचार-संचालित ग्राहक जुड़ाव और डिजिटल विज्ञापन भी ई-कॉमर्स के विकास को तेजी से बढ़ा रहे हैं। सरकार के द्वारा ई-कॉमर्स करने में आसानी हेतु लाइसेंस प्रक्रिया का युक्तिकरण, खुदरा कारोबार डिजिटलीकरण के साथ-साथ डिजिटल वाणिज्य के लिए एक खुला नेटवर्क स्थापित करने जैसे उठाए गए कदमों से भी ई-कॉमर्स बढ़ा है। सरकार के डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, इनोवेशन फंड जैसे कार्यक्रम से भी छोटे-बड़े सभी शहरों में घरेलू ई-कॉमर्स को काफी समर्थन मिला है। सरकार के इनोवेशन फंड जैसे कार्यक्रम से भी घरेलू ई-कॉमर्स को काफी समर्थन मिला है। देश में अगली पीढ़ी की मोबाइल ब्रॉडबैंड तकनीक के लॉन्च होने से पहले ही भारतीय उपभोक्ता 5जी स्मार्टफोन को तेजी से अपना रहे हैं।

तेजी से बढ़ते ई-कॉमर्स में तेजी से बढ़े कॅरियर के अवसर

देश में ई-कॉमर्स कितनी तेजी से छलांगें लगाकर आगे बढ़ रहा है, इसका अनुमान ई-कॉमर्स से संबंधित कुछ प्रमुख रिपोर्टों से लगाया जा सकता है। ग्लोबल प्रोफेशनल सर्विसेज फर्म अलवारेज एंड मार्सल इंडिया और सीआईआई इंस्टीट्यूट ऑफ लॉजिस्टिक्स द्वारा तैयार रिपोर्ट के मुताबिक भारत में ई-कॉमर्स का जो कारोबार वर्ष 2010 में एक अरब डॉलर से भी कम था, लेकिन उसके बाद तेजी से बढ़ा है। डेलॉइट इंडिया रिपोर्ट के अनुसार, जैसे-जैसे भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बनने की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे देश के ई-कॉमर्स बाजार का आकार तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2021-22 में, ई-कॉमर्स का कारोबार 49 अरब अमेरिकी डॉलर था। वर्ष 2022-23 में, ई-कॉमर्स का कारोबार 60 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। वित्त मंत्रालय की अक्टूबर 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2026 तक ई-कॉमर्स का कारोबार 163 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

ई-कॉमर्स कारोबार के विस्तार की व्यापक संभावनाएं

उल्लेखनीय है कि ई-कॉमर्स से होने वाले कुल कारोबार में टियर-1 की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2022-23 में 44.3 प्रतिशत रही। टियर-2 में यह हिस्सेदारी 37.1 प्रतिशत तो टियर-3 में 18.6 प्रतिशत की रही। इसलिए टियर-2 और टियर-3 में ई-कॉमर्स कारोबार के बढ़ने की पूरी गुंजाइश है। स्पष्ट है कि छोटे-बड़े सभी शहरों में बढ़ते ई-कॉमर्स ने रोजगार के मौके बढ़ाए हैं। खासतौर से परियोजना आधारित गिग वर्क को बढ़ाने में ई-कॉमर्स की अहम भूमिका है।

तेजी से बढ़ते निर्यात और विदेशी निवेश से बढ़े कॅरियर के अवसर

जिस तरह देश में घरेलू स्तर पर ई-कॉमर्स तेजी से बढ़ रहा है, उसी तरह भारत का ई-कॉमर्स निर्यात भी तेजी से बढ़ रहा है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के मुताबिक अगले 6 से 7 साल में भारत का ई-कॉमर्स निर्यात बढ़कर 200 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जो अभी करीब महज 1.2 अरब डॉलर है। डीजीएफटी छोटे उद्यमियों और स्वरोजगार

करने वाले युवाओं की मदद कर रहा है, उससे ई-कॉमर्स निर्यात बढ़ रहा है। डाकघरों में ही ई-कॉमर्स निर्यात के लिए पार्सल खिड़किया अलग से बनाई गई हैं और डाकघर में ही उन्हें कस्टम क्लीयरंस मिल जाता है। इसी तरह डीजीएफटी अन्य नियामक एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है और उसने ई-कॉमर्स निर्यात आसान बनाने के लिए लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स सेवा प्लेटफॉर्म प्रदाता, अंतर्राष्ट्रीय भुगतान व्यवस्था, नियामक एजेंसियां जैसे भारतीय रिजर्व बैंक, राजस्व विभाग के बीच अच्छे समन्वय और तालमेल का काम किया है, उससे ई-कॉमर्स निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। डीजीएफटी ने ई-कॉमर्स को लेकर निर्यातकों में जागरूकता बढ़ाने और उन्हें शिक्षित करने पर जोर दिया है।

ई-कॉमर्स के लिए सरकार का मार्केट प्लस मॉडल

इसके साथ-साथ भारत में ई-कॉमर्स सेक्टर में विदेशी निवेश बढ़ने से भी रोजगार के मौके बढ़े हैं। ई-कॉमर्स में विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए, भारत सरकार ने ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस मॉडल में एफडीआई की सीमा को 100 प्रतिशत (बी2बी मॉडल में) तक बढ़ा दिया है। अमेज़ॅन के मुताबिक उनकी कंपनी भारत में ई-कॉमर्स कारोबार में 2030 तक 26 अरब डॉलर का निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें से 11 अरब डॉलर का निवेश पहले ही किया जा चुका है।

ई-कॉमर्स में कॅरियर के बहुआयामी अवसर

ई-कॉमर्स में कॅरियर के बहुआयामी मौके निर्मित हुए हैं। ये मौके डिलीवरी ब्वॉय से लेकर सप्लाई चेन मैनेजमेंट, कंटेंट डेवलपमेंट, रिटेल मैनेजमेंट, मार्केटिंग तथा फाइनेंस सेक्टर आदि से जुड़े हुए हैं। ई-कॉमर्स के क्षेत्र में कॅरियर बहुत ही सरलता से बनाया जा सकता है। इसके लिए ई-कॉमर्स मूलभूत जरूरतों की जानकारी के साथ अच्छी अंग्रेजी, कम्प्यूटर दक्षता, निर्णय लेने की क्षमता, परिश्रम की प्रवृत्ति, कम्युनिकेशन व टेक्निकल स्किल्स तथा जनसंचार से जुड़ी हुई स्किल्स मुट्ठियों में ली जाना जरूरी है।

ई-कॉमर्स में कॅरियर कैसे बनाएं?

ई-कॉमर्स के क्षेत्र में कॅरियर बनाने की शुरुआत बारहवीं के बाद ही की जा सकती है। बारहवीं के उपरांत ई-कॉमर्स में प्रमाणपत्र, वेब और ई-कॉमर्स प्रौद्योगिकी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम बैचलर ऑफ ई-कॉमर्स, बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इन ई-कॉमर्स आदि उपलब्ध हैं। इसके अलावा स्नातकोत्तर स्तर के भी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं जो इस प्रकार हैं- एमबीए इन ई-कॉमर्स, मास्टर इन ई-कॉमर्स, मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग इन ई-कॉमर्स, मास्टर ऑफ साइंस इन ई-कॉमर्स एप्लीकेशन्स, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ई-कॉमर्स एप्लीकेशन्स, पीजी डिप्लोमा इन इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट इन ई-कॉमर्स, एडवांस डिप्लोमा इन वेब एंड ई-कॉमर्स टेक्नोलॉजी, ई-कॉमर्स एप्लीकेशन प्रोग्रामर, ई-कॉमर्स विजुअल एप्लीकेशन डेवलपर आदि। देश के ज्यादातर विश्व-विद्यालयों, विभिन्न शासकीय कॉलेजों और निजी क्षेत्र के कई संस्थानों में ई-कॉमर्स के सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएशन के कोर्स संचालित किए जाते हैं। इस तरह कॉमर्स और ई-कॉमर्स में कॅरियर की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यदि आप ई-कॉमर्स में अच्छा कॅरियर बनाना चाहते हैं तो अपनी उपयुक्तता के अनुसार कोई ई-कॉमर्स कोर्स तथा ई-कॉमर्स से संबंधित किसी कोर्स के लिए अच्छे संस्थान का चयन करके कॅरियर की चमकीली डगर पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

मानवाधिकार दिवस 10 दिसंबर

नागरिकों की स्वतंत्रता, समानता और सम्मान में मानवाधिकार की प्रमुख भूमिका

"लोगों को उनके मानवाधिकारों से वंचित करना, उनकी मानवता को चुनौती देता है" - दक्षिण अफ्रिका के पूर्व राष्ट्रपति और नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित श्री नेल्सन मंडेला का यह कथन मानवता की रक्षा के लिये महत्वपूर्ण संदेश है। प्रत्येक मनुष्य को मानव होने के नाते उसके अधिकार मिलने ही चाहिए, इसे लेकर देश-दुनिया तब से चिंतित है जब से लोगों को मानवाधिकारों से वंचित करने का सिलसिला शुरू हुआ। इसी क्रम में 10 दिसंबर, 1948 को पेरिस में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (UDHR) की गयी। इसमें पहली बार मौलिक मानवाधिकारों को सार्वभौमिक रूप से संरक्षित करने का प्रावधान किया गया था। इसमें परिभाषित किया गया कि मानवाधिकार ऐसे अधिकार हैं जो एक मानव होने के नाते मिलने चाहिए। इस ऐतिहासिक दस्तावेज अनुसार जाति, रंग, धर्म, लिंग, भाषा, राजनीति या अन्य राष्ट्रीय या सामाजिक मूल्य, संपत्ति, जन्म या अन्य स्थिति के आधार पर किसी मनुष्य को मानवाधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता। एक इंसान होने के नाते वह अपने अधिकारों का हकदार है। 10 दिसंबर 2023 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा को 75 वर्ष पूर्ण हो जायेंगे। इस अवसर पर 75 वर्षों में सार्वभौमिकता, प्रगति और जुड़ाव पर केन्द्रित स्थिति को लेकर मानवाधिकारों के भविष्य के दृष्टिकोण के लिये अंतर्राष्ट्रीय पटल पर वैश्विक प्रतिज्ञाओं और विचारों की घोषणा की जायेगी।

इस वर्ष 2023 में मानवाधिकार दिवस की थीम है **"सभी के लिये स्वतंत्रता, समानता और न्याय।"** 1948 में मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा (यूडीएचआर) के बाद से अब तक दुनिया भर में मानव अधिकारों को सुनिश्चित किया गया है। यूडीएचआर ने मानव अधिकार संरक्षण की नींव को स्थापित किया जो वंचितों, निशक्तजनों, प्रवासियों जैसे कमजोर लोगों पर विशेष ध्यान केन्द्रित करता है। मानवाधिकार दिवस की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर वर्ष भर आयोजित कार्यक्रम लोगों में मानवाधिकार को लेकर समझ विकसित करने का अभियान है।

इसमें युवा और मानवाधिकार 75 पहल विशेष रूप से शामिल है। युवाओं को अपने अधिकारों का प्रयोग करने में विशेष चुनौतियों का सामना करना पड़ता है इसीलिए वे मानव अधिकार के लिए सक्रियता से भाग लेते हैं। युवाओं की भागीदारी इस पहल का एक प्रमुख घटक है। इस तरह की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये एक युवा सलाहकार समूह की स्थापना की गयी, जो मानवाधिकार 75 गतिविधियों के डिजाइन, कार्यान्वयन और कार्रवाई में सक्रिय है।

मानवाधिकार क्या है

मानवाधिकारों का आशय ऐसे अधिकारों से है जो जाति, लिंग, राष्ट्रीयता, भाषा, धर्म या किसी अन्य आधार पर भेदभाव किये बिना सभी को प्राप्त होते हैं। मानवाधिकारों में मुख्यतः जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार तथा काम एवं शिक्षा का अधिकार आदि शामिल हैं।

मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (यूडीएचआर)

इसके अंतर्गत अधिकारों और स्वतंत्रताओं से संबंधित कुल 30 अनुच्छेदों को सम्मिलित किया गया है। जिसमें जीवन, स्वतंत्रता और गोपनीयता जैसे नागरिक और राजनीतिक अधिकार तथा सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसे आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार शामिल हैं। भारत ने मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के प्रारूपण में सक्रिय भूमिका निभाई थी। मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा इंटरनेशनल कॉन्वेंट ऑन सिविल एंड पॉलिटिकल राइट्स को संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार विधेयक के रूप में जाना जाता है।

अन्य कन्वेंशन

- कन्वेंशन ऑन द प्रिवेंशन एंड पनिशमेंट ऑफ द क्राइम ऑफ जेनोसाइड (वर्ष 1948)
- इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑन द एलिमिनेशन ऑफ ऑल फॉर्म ऑफ रेसियल डिस्क्रिमिनेशन (वर्ष 1965)
- कन्वेंशन ऑन द एलिमिनेशन ऑफ ऑल फॉर्म ऑफ डिस्क्रिमिनेशन अगेन्स्ट विमेन (वर्ष 1979)
- बाल अधिकारों पर कन्वेंशन (वर्ष 1989)
- विकलांग (निःशक्त) व्यक्तियों के अधिकारों पर कन्वेंशन (वर्ष 2006)

उल्लेखनीय है कि भारत इन सभी कन्वेंशन्स का हिस्सा है।

मानवाधिकार परिषद

मानवाधिकार परिषद संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में एक अंतर-सरकारी निकाय है जो मानव अधिकारों के संवर्धन और संरक्षण की दिशा में कार्य करती है। यह संयुक्त राष्ट्र के 47 सदस्य देशों से मिलकर बनी है, जिनका चयन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा किया जाता है। सार्वभौमिक आवधिक समीक्षा (UPR) प्रक्रिया को मानवाधिकार परिषद का सबसे अनूठा प्रयास माना जाता है। इस अनूठे तंत्र के अंतर्गत प्रत्येक चार वर्ष में एक बार संयुक्त राष्ट्र के सभी 192 सदस्य देशों के मानवाधिकार रिकॉर्ड की समीक्षा की जाती है।

एमनेस्टी इंटरनेशनल - यह मानवाधिकारों की रक्षा के लिये सक्रिय कुछ स्वयंसेवकों का अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। यह संगठन पूरी दुनिया में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर स्वतंत्र रिपोर्ट प्रस्तुत करता है।

भारत में मानवाधिकार के संवैधानिक प्रावधान

मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा में उल्लेखित लगभग सभी अधिकारों को भारतीय संविधान में दो हिस्सों में शामिल किया गया है।

मौलिक अधिकार - संविधान के अनुच्छेद 12 से 35 तक समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार तथा संवैधानिक उपचारों का अधिकार शामिल है।

राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत- संविधान के अनुच्छेद 36 से 51 तक सामाजिक सुरक्षा का अधिकार, काम का अधिकार, रोज़गार चयन का अधिकार, बेरोज़गारी के विरुद्ध सुरक्षा, समान काम तथा समान वेतन का अधिकार, मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार तथा मुफ्त कानूनी सलाह का अधिकार आदि शामिल हैं।

United Nations Human Rights
OFFICE OF THE HIGH COMMISSIONER FOR HUMAN RIGHTS

मानव अधिकार आयोग की स्थापना

मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 में केंद्रीय स्तर पर एक राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के गठन की बात कही गई है जो संविधान में प्रदान किये गये मौलिक अधिकारों के संरक्षण और उससे संबंधित मुद्दों के लिये राज्य मानवाधिकार आयोगों और मानवाधिकार न्यायालयों का मार्गदर्शन करेगा। इसी क्रम में भारत में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तथा राज्य मानव अधिकार आयोग की स्थापना की गयी।

क्या है राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग?

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (National Human Rights Commission- एनएचआरसी) एक स्वतंत्र वैधानिक संस्था है, जिसकी स्थापना मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के प्रावधानों के तहत 12 अक्टूबर, 1993 में की गई थी। मानवाधिकार आयोग का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। 12 अक्टूबर, 2018 को इसने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे किये हैं। यह संविधान द्वारा दिये गए मानवाधिकारों जैसे - जीवन का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, समानता का अधिकार आदि की रक्षा करता है और उनके प्रहरी के रूप में कार्य करता है।

मानवाधिकारों का इतिहास

मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा एक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेज है, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 10 दिसंबर, 1948 को पेरिस में अपनाया गया था। मानव अधिकारों के इतिहास में यह बहुत महत्त्वपूर्ण घोषणा है, क्योंकि इसके द्वारा ही पहली बार मानव अधिकारों को सुरक्षित करने का प्रयास किया गया था। हर साल 10 दिसंबर को यूडीएचआर की सालगिरह के रूप में मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। 1991 में पेरिस में हुई संयुक्त राष्ट्र की बैठक ने सिद्धांतों का एक समूह (जिन्हें पेरिस सिद्धांतों के नाम से जाना जाता है) तैयार किया जो आगे चलकर राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं की स्थापना और संचालन की नींव साबित हुए। इन्हीं अधिकारों का अनुसरण करते हुए भारत में मानवाधिकारों में अधिक जवाबदेही और मज़बूती लाने के उद्देश्य से मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 बनाया गया। यह अधिनियम सभी राज्य सरकारों को भी राज्य मानवाधिकार आयोग बनाने का अधिकार देता है।

मानवाधिकार परिषद

मानवाधिकार परिषद एक अंतर-सरकारी निकाय है, जिसका गठन 15 मार्च, 2006 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव द्वारा किया गया था। इसे पूर्व में रहे संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के स्थान पर लाया गया था। यह पूरी दुनिया में मानवाधिकारों के संवर्द्धन और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिये उत्तरदायी है। इसी के साथ यह संस्था मानव अधिकार के उल्लंघनों की भी जांच करती है।

इसके पास मानव अधिकार से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मुद्दों और विषयों पर चर्चा करने का अधिकार है। यह परिषद संयुक्त राष्ट्र महासभा में चुने गए 47 सदस्य देशों से मिलकर बनती है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की संरचना

- एन.एच.आर.सी. एक बहु-सदस्यीय संस्था है जिसमें एक अध्यक्ष, पांच पूर्णकालिक सदस्य तथा दो अन्य सदस्य होते हैं।
- यह आवश्यक है कि 7 सदस्यों में कम-से-कम 3 पदेन सदस्य हों।
- अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय कमेटी की सिफारिशों के आधार पर की जाती है।
- अध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष या 70 वर्ष की उम्र, जो भी पहले हो, तक होता है।
- इन्हें केवल तभी हटाया जा सकता है जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की जांच में उन पर दुराचार या असमर्थता के आरोप सिद्ध हो जाएं।
- इसके अतिरिक्त आयोग में पांच विशिष्ट विभाग (विधि विभाग, जांच विभाग, नीति अनुसंधान और कार्यक्रम विभाग, प्रशिक्षण विभाग और प्रशासन विभाग) भी होते हैं।

एनएचआरसी के कार्य और शक्तियां

- मानवाधिकारों के उल्लंघन से संबंधित कोई मामला यदि एनएचआरसी के संज्ञान में आता है या शिकायत के माध्यम से लाया जाता है तो एनएचआरसी को उसकी जांच करने का अधिकार है।
- इसके पास मानवाधिकारों के उल्लंघन से संबंधित सभी न्यायिक मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार है।
- आयोग किसी भी जेल का दौरा कर सकता है और जेल में बंद कैदियों की स्थिति का निरीक्षण एवं उसमें सुधार के लिये सुझाव दे सकता है।
- एनएचआरसी संविधान या किसी अन्य कानून द्वारा मानवाधिकारों को बचाने के लिये प्रदान किये गए सुरक्षा उपायों की समीक्षा कर सकता है और उनमें बदलावों की सिफारिश भी कर सकता है।
- एनएचआरसी मानवाधिकार के क्षेत्र में अनुसंधान का कार्य भी करता है।
- आयोग प्रकाशनों, मीडिया, सेमिनारों और अन्य माध्यमों से समाज के विभिन्न वर्गों के बीच मानवाधिकारों से जुड़ी जानकारी का प्रचार करता है और लोगों को इन अधिकारों की सुरक्षा के लिये प्राप्त उपायों के प्रति भी जागरूक करता है।
- आयोग के पास दीवानी अदालत की शक्तियां हैं और यह अंतरिम राहत भी प्रदान कर सकता है।
- इसके पास मुआवज़े या हर्जाने के भुगतान की सिफारिश करने का भी अधिकार है।
- यह राज्य तथा केंद्र सरकारों को मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोकने के लिये महत्वपूर्ण कदम उठाने की सिफारिश भी कर सकता है।
- आयोग अपनी रिपोर्ट भारत के राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत करता है जिसे संसद के दोनों सदनों में रखा जाता है।

राज्य मानवाधिकार आयोग

राज्य मानवाधिकार आयोग एक 3 सदस्यीय निकाय है, जिसमें एक अध्यक्ष तथा दो अन्य सदस्य होते हैं। एक सदस्य न्यायिक तथा दूसरा सदस्य गैर-न्यायिक होता है। आयोग का अध्यक्ष उच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश तथा सदस्य उच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त या कार्यरत न्यायाधीश होता है। राज्य के जिला न्यायालय का कोई न्यायाधीश, जिसे कम से कम 7 वर्ष का अनुभव हो, अथवा कोई भी ऐसा व्यक्ति जिसे मानवाधिकारों के बारे में विशेष अनुभव हो, इस आयोग का सदस्य बन सकता है। इस आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों की नियुक्ति संबंधित राज्य के राज्यपाल द्वारा एक 6 सदस्यीय समिति की अनुशंसा पर की जाती है। राज्य का मुख्यमंत्री इस समिति का अध्यक्ष होता है। राज्य विधानसभा अध्यक्ष, राज्य का गृहमंत्री तथा राज्य विधानसभा में विपक्ष का नेता इस समिति के अन्य सदस्य होते हैं।

आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष या 70 वर्ष की आयु (दोनों में से जो भी पहले हो) तक होता है। आयोग से कार्यकाल पूरा होने के बाद अध्यक्ष एवं अन्य सदस्य न तो केंद्र सरकार और न ही राज्य सरकार के अधीन कोई सरकारी पद ग्रहण कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि मानवाधिकार संरक्षण (संशोधन) प्रस्ताव, 2019 के तहत सेवानिवृत्त होने की समय सीमा 5 वर्ष से घटा कर 3 वर्ष कर दी गई है। साथ ही आयोग से कार्यकाल पूरा होने के बाद अध्यक्ष एवं अन्य सदस्य पुनर्नियुक्ति के भी पात्र होंगे।

राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल करते हैं, लेकिन उन्हें उनके पद से केवल राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है।

राज्य मानवाधिकार आयोग के कार्य

राज्य मानवाधिकार आयोग के कार्य निम्नलिखित हैं :

- संविधान की राज्य सूची एवं समवर्ती सूची के अंतर्गत आने वाले विषयों से संबंधित मानवाधिकारों के उल्लंघन की जांच करना अथवा किसी लोक सेवक के समक्ष प्रस्तुत मानवाधिकार उल्लंघन की प्रार्थना, जिसकी कि वह अवहेलना करता हो, की जांच स्व-प्रेरणा या न्यायालय के आदेश से करना।
- न्यायालय में लंबित किसी मानवाधिकार से संबंधित कार्यवाही में हस्तक्षेप करना।
- विभिन्न कारावासों की स्थिति का आकलन करना व इस बारे में सिफारिशें करना।
- मानवाधिकार की रक्षा हेतु बनाए गए संवैधानिक व विधिक उपबंधों की समीक्षा करना तथा इनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु उपायों की सिफारिशें करना।
- आतंकवाद सहित उन सभी कारणों की समीक्षा करना, जिनसे मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है तथा इनसे बचाव के उपायों की सिफारिश करना।
- मानवाधिकारों के क्षेत्र में शोध कार्य करना एवं इसे प्रोत्साहित करना।
- मानवाधिकारों के प्रति लोगों की चेतना को जागृत करना तथा लोगों को इन अधिकारों के संरक्षण हेतु प्रोत्साहित करना।
- मानवाधिकारों के क्षेत्र में कार्य करने वाले गैर-सरकारी संगठनों को सहयोग एवं प्रोत्साहन देना।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सामान्य अध्ययन

1. एंथ्रेक्स एक घातक बीमारी है, जो.....के कारण होती है -
(a) कवक
(b) कृमि
(c) विषाणु
(d) जीवाणु
उत्तर- (d) जीवाणु

2. मानव नेत्र में किसी वस्तु की छवि कहां बनाती है -
(a) कार्निया
(b) रक्तक पटल
(c) श्वेत पटल
(d) रेटिना
उत्तर- (d) रेटिना

3. निम्न में से कौनसी दो धातुओं को चाकू से काटा जा सकता है -
(a) Na r Mg
(b) Na तथा K
(c) Ca तथा K
(d) Ca तथा Mg
उत्तर- (b) Na तथा K

4. चूने का पानी, कार्बन डाईऑक्साइड गैस से गुजरने पर दूधिया हो जाता है, ऐसा..... के निर्माण के कारण होता है -
(a) सोडियम कार्बोनेट
(b) सोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट
(c) कैल्शियम कार्बोनेट
(d) कैल्शियम ऑक्सलेट
उत्तर- (c) कैल्शियम कार्बोनेट

5. पवन की गति का मुख्य कारण निम्न है -
(a) निम्न तापमान
(b) असमान शीतलन
(c) पृथ्वी पर असमान तापन
(d) अधिक दाब
उत्तर- (c) पृथ्वी पर असमान तापन

6. पृथ्वी की वह प्लेट जो भूकंप उत्पन्न करने के लिये उत्तरदायी है निम्न है -
(a) पृथ्वी की पर्पटी
(b) पृथ्वी का मैटल
(c) पृथ्वी का बाह्य कोना
(d) पृथ्वी की आंतरिक कोर
उत्तर- (a) पृथ्वी की पर्पटी

7. नैदानिक थर्मामीटर का प्रयोग किसे मापने के लिये किया जाता है -
(a) मानव शरीर ताप
(b) कक्ष ताप
(c) क्लीनिक ताप
(d) प्रयोगशाला का ताप
उत्तर- (a) मानव शरीर ताप

8. मिट्टी की सतह के माध्यम से जमीन में पानी की गति की प्रक्रिया कहलाती है -
(a) निस्पंदन
(b) अपक्षय
(c) अंतःस्पंदन
(d) अपरदन
उत्तर- (c) अंतःस्पंदन

9. एक स्टील के चम्मच की आंतरिक सतह की तरह कार्य करती है -
(a) उत्तल दर्पण
(b) उत्तल लेंस
(c) अवतल लेंस
(d) अवतल दर्पण
उत्तर- (d) अवतल दर्पण

10. लौ का सबसे गर्म क्षेत्र निम्न होता है -
(a) आंतरिक क्षेत्र
(b) मध्यवर्ती क्षेत्र
(c) मध्य क्षेत्र
(d) बाह्य क्षेत्र
उत्तर- (d) बाह्य क्षेत्र

11. ध्वनि के कंपन का आयाम, इसकी..... को निर्धारित करता है -
(a) आवृत्ति
(b) चाल
(c) समय सीमा
(d) प्रबलता
उत्तर- (d) प्रबलता

12. मीट्रिक प्रणाली किस देश में उत्पन्न हुई -
(a) फ्रांस
(b) भारत
(c) अमेरिका
(d) इंग्लैंड
उत्तर- (a) फ्रांस

13. मौसम पूर्वानुमान में किसका उपयोग किया जाता है -
(a) ज्वर मापी
(b) अधिकतम न्यूनतम तापमापी
(c) डॉक्टरी थर्मामीटर
(d) प्रयोगशाला थर्मामीटर
उत्तर- (b) अधिकतम न्यूनतम तापमापी

14. विद्युत प्रतिरोध को निम्न इकाई से मापा जाता है -
(a) जूल
(b) ओम
(c) एम्पीयर
(d) वोल्ट
उत्तर- (b) ओम

15. वह वर्णक जो, वनस्पति को पराबैंगनी विकिरणों के दुष्प्रभाव से बचाता है, कौन सा है -
(a) क्लोरोफिल
(b) कैरोटिनॉइड
(c) फाइकोसायनिन
(d) प्लास्टिड
उत्तर- (b) कैरोटिनॉइड

16. संकटग्रस्त प्रजातियों को किस रंग की डेटा बुक में दर्शाया जाता है -
(a) नीली
(b) काली
(c) लाल
(d) हरी
उत्तर- (c) लाल

17. एक कृत्रिम पारिस्थितिक तंत्र निरुपित किया जाता है -
(a) मत्स्यपालन टंकी द्वारा
(b) कृषि भूमि द्वारा
(c) चिड़ियाघर द्वारा
(d) जल जीव शाला द्वारा
उत्तर- (d) जल जीव शाला द्वारा

18. सामान्यत: निषेचन होता है -
(a) डिम्ब वाहिनी नली में
(b) गर्भाशय में
(c) ग्रीवा में
(d) आच्छद (योनि में)
उत्तर- (a) डिम्ब वाहिनी नली में

19. एक्स-रे की खोज किसने की थी -
(a) बैकेरल
(b) रोएंटजन
(c) मैरी क्युरी
(d) वान लू
उत्तर- (b) रोएंटजन

20. दीर्घदृष्टि वाले व्यक्ति के लिये निकट बिन्दु होता है -
(a) 25 सेमी से अधिक
(b) 50 सेमी से अधिक
(c) 25 सेमी से कम
(d) अनंत
उत्तर- (a) 25 सेमी से अधिक

21. फाइबर ऑप्टिक्स किस सिद्धांत पर काम करते हैं -
(a) प्रकाश प्रकीर्णन
(b) पूर्ण आंतरिक अवशोषण
(c) पूर्ण आंतरिक परावर्तन
(d) ध्रुवण घूर्णन
उत्तर- (c) पूर्ण आंतरिक परावर्तन

22. प्रकाश तरंगें हैं -
(a) वैद्युत तरंगें
(b) चुंबकीय तरंगें
(c) विद्युत चुंबकीय तरंगें
(d) स्थिर विद्युत तरंगें
उत्तर- (c) विद्युत चुंबकीय तरंगें

23. निम्न में से किस विकिरण में सबसे कम तरंगदैर्ध्य होता है -
(a) X - किरणें
(b) α - किरणें
(c) गामा किरणें
(d) β - किरणें
उत्तर- (c) गामा किरणें

24. चालक का प्रतिरोध किससे बढ़ जाता है -
(a) लंबाई में वृद्धि
(b) तापमान में वृद्धि
(c) अनुप्रस्थ काट में कमी
(d) इनमें से सभी
उत्तर- (d) इनमें से सभी

25. पृष्ठ तनाव किसके कारण पैदा होता है -
(a) अणुओं के बीच आसंजक बल
(b) अणुओं के बीच ससंजक बल
(c) अणुओं के बीच गुरुत्व बल
(d) अणुओं के बीच वैद्युत बल
उत्तर- (b) अणुओं के बीच ससंजक बल

26. मानचित्र बनाने की कला व विज्ञान को क्या कहा जाता है -
(a) सुदूर-सुग्राही
(b) मानचित्र कला (कार्टोग्राफी)
(c) फोटोग्राममिति
(d) मान चित्रण
उत्तर- (b) मानचित्र कला (कार्टोग्राफी)

27. अफ्रीका का सबसे बड़ा देश कौन सा है -
(a) दक्षिण अफ्रीका
(b) सूडान
(c) अल्जीरिया
(d) मिस्र
उत्तर- (c) अल्जीरिया

28. आंतरिक अपवाह द्वारा चिन्हित क्षेत्र है -
(a) पठार
(b) मैदान
(c) मरुस्थल
(d) पर्वत
उत्तर- (c) मरुस्थल

29. ज्वालामुखी की सक्रियता अधिक पाई जाती है -
(a) हवाई में
(b) जापान में
(c) कोलंबिया में
(d) न्यूजीलैंड में
उत्तर- (a) हवाई में

30. प्रचुर कैल्शियम वाली मृदा को क्या कहा जाता है -
(a) पेडोकल
(b) पेडॉल्फर
(c) पाडसॉल
(d) लैटेराइट
उत्तर- (a) पेडोकल

31. उच्चतम कोटि और सर्वोत्तम गुणवत्ता वाला कोयला है -
(a) लिग्नाइट
(b) पीट
(c) बिटुमिनस
(d) एंथ्रेसाइट
उत्तर- (d) एंथ्रेसाइट

32. पृथ्वी का विशालतम पारिस्थितिक तंत्र है -
(a) बायोम
(b) जलमंडल
(c) स्थलमंडल
(d) जीवमंडल
उत्तर- (d) जीवमंडल

33. उत्तरी अमेरिका के प्रेएरी हैं -
(a) उष्ण कटिबंधीय वन
(b) नदी के बेसिन
(c) पशु फार्म
(d) शीतोष्ण घासस्थल
उत्तर- (d) शीतोष्ण घासस्थल

34. पीसो किस देश की मुद्रा है -
(a) दक्षिण कोरिया
(b) मैक्सिको
(c) जापान
(d) इटली
उत्तर- (b) मैक्सिको

35. वायु की ऊर्ध्वाधर गति को कहते हैं -
(a) पवन
(b) वायु धारा
(c) वायु प्रक्षोभ
(d) वायु गतिशीलता
उत्तर- (b) वायु धारा

36. टाइफून प्राय: आते हैं -
(a) मैक्सिकन खाड़ी में
(b) हिंद महासागर में
(c) उत्तरी ध्रुवीय महासागर में
(d) चीन और जापान के समुद्रों में
उत्तर- (d) चीन और जापान के समुद्रों में

37. उत्तरी ध्रुव में भारत के अनुसंधान केन्द्र का नाम है -
(a) दक्षिण गंगोत्री
(b) मैत्री
(c) हिमाद्री
(d) कोई नहीं
उत्तर- (c) हिमाद्री

38. जलवायु आधारित क्षेत्रों का वर्गीकरण किसके आधार पर किया जाता है -
(a) भूमध्य रेखा से दूरी
(b) ऊंचाई
(c) वर्षा
(d) समुद्र से दूरी
उत्तर- (a) भूमध्य रेखा से दूरी

39. निम्न में से कौन सा नवीनतम भू-वैज्ञानिक युग है -
(a) पर्मियन
(b) ट्राइऐसिस
(c) क्रिटेशस
(d) जुरासिक
उत्तर- (c) क्रिटेशस

40. सारगासो समुद्र किस महासागर में स्थित है -
(a) अटलांटिक महासागर
(b) प्रशांत महासागर
(c) हिंद महासागर
(d) आर्कटिक महासागर
उत्तर- (a) अटलांटिक महासागर

41. अंटार्कटिका के ऊपर ओजोन छिद्र का पता चला था -
(a) 1975 में
(b) 1985 में
(c) 1978 में
(d) 1987 में
उत्तर- (b) 1985 में

42. आर्द्र विषुवतीय जलवायु में वर्षा का मुख्य प्रकार है -
(a) चक्रवाती
(b) पर्वतीय
(c) संवहनीय
(d) उच्चावच तथा चक्रवाती
उत्तर- (c) संवहनीय

43. वृहत् पृष्ठीय क्षेत्रफल वाला महासागर है -
(a) उत्तरध्रुवीय महासागर
(b) अटलांटिक महासागर
(c) हिंद महासागर
(d) प्रशांत महासागर
उत्तर- (d) प्रशांत महासागर

44. येन किस देश की मुद्रा है -
(a) यूगोस्लाविया
(b) मैक्सिको
(c) जापान
(d) थाईलैंड
उत्तर- (c) जापान

45. तूफान की भविष्यवाणी की जाती है, जब वायुमण्डल का दाब -
(a) सहसा बढ़ जाये
(b) क्रमशः बढ़े
(c) सहसा कम हो जाये
(d) क्रमशः कम हो जाये
उत्तर- (c) सहसा कम हो जाये

46. लाल मृद्रा में लाल रंग किसके कारण होता है -
(a) नाइट्रोजन
(b) ह्यूमस
(c) लोहा
(d) तांबा
उत्तर- (c) लोहा

47. निम्न में से कौन सी नदी, भूमध्य रेखा को 2 बार पार करती है -
(a) कांगो नदी
(b) अमेजन नदी
(c) नाइजर नदी
(d) नील नदी
उत्तर- (a) कांगो नदी

48. ज्वालामुखी के कप आकार के मुख को क्या कहते हैं -
(a) उद्गम केन्द्र
(b) अधिकेन्द्र
(c) क्रेटर
(d) सिंडर शंकु
उत्तर- (c) क्रेटर

49. पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन का मुख्यालय स्थित है -
(a) विएना में
(b) रियाद में
(c) कुवैत सिटी में
(d) आबु धाबी में
उत्तर- (a) विएना में

50. कौन सा खनिज एल्युमीनियम का अयस्क है -
(a) हेमेटाइट
(b) बॉक्साइट
(c) मैग्नेटाइट
(d) सिडेराइट
उत्तर- (b) बॉक्साइट

- श्रद्धा सुमन
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करती हैं)

मध्यप्रदेश राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

मध्यप्रदेश का नवीनतम सामान्य ज्ञान

1. म.प्र. में कुल कितने सीएम राइज़ स्कूलों का निर्माण किया जाना है -
(अ) 9200 (ब) 9500
(स) 8200 (द) 8500
उत्तर- (अ) 9200

2. प्रदेश में पंचायत प्रतिनिधियों के निर्वाचन में आम सहमति और निर्विरोध निर्वाचन को प्रोत्साहित करने के लिये पुरस्कार राशियां निश्चित की गई हैं। इसके तहत ऐसी ग्राम पंचायत जिसके सरपंच और पंच सभी पदों पर महिलाओं का निर्वाचन निर्विरोध हुआ है, कितनी राशि पुरस्कार में दी जायेगी -
(अ) 5 लाख रुपये
(ब) 7 लाख रुपये
(स) 12 लाख रुपये
(द) 15 लाख रुपये
उत्तर- (द) 15 लाख रुपये

3. ऐसी ग्राम पंचायत जिसके पंच और सरपंच सभी निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, को पुरस्कार राशि मिलेगी -
(अ) 5 लाख रुपये
(ब) 7 लाख रुपये
(स) 12 लाख रुपये
(द) 15 लाख रुपये
उत्तर- (ब) 7 लाख रुपये

4. वर्तमान में प्रदेश में कितनी ग्राम पंचायतें हैं -
(अ) 23012
(ब) 23050
(स) 24000
(द) 24012
उत्तर- (अ) 23012

5. वर्तमान में सरपंचों को प्राप्त होने वाली मानदेय राशि है -
(अ) 1750 रुपये
(ब) 4250 रुपये
(स) 5000 रुपये
(द) 7000 रुपये
उत्तर- (ब) 4250 रुपये

6. म.प्र. में 30 जनवरी 2023 से 11 फरवरी 2023 खेलों में इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन किया गया। यह कौन से गेम्स थे -
(अ) 4वां (ब) 5वां
(स) 6वां (द) 7वां
उत्तर- (ब) 5वां

7. प्रदेश का सर्वाधिक राजस्व देने वाला जिला कौनसा है -
(अ) सिंगरौली (ब) छिंदवाड़ा
(स) बैतूल (द) ओरछा
उत्तर- (अ) सिंगरौली
व्याख्या- सिंगरौली जिला ताप विद्युत केन्द्रों तथा कोयला खनन परियोजनाओं के कारण सर्वाधिक राजस्व देने वाला जिला है।

8. गांधी सागर फ्लोटिंग फेस्टिवल का आयोजन किस शहर में किया गया -
(अ) नीमच
(ब) मंदसौर
(स) मनासा
(द) उज्जैन
उत्तर- (ब) मंदसौर
व्याख्या- यह फरवरी 2023 में आयोजित हुआ, यह अपनी तरह का पहला फ्लोटिंग फेस्टिबल था, जिसमें लैंड, एयर और वाटर बेस्ड एडवेंचर एक्टिविटीज थी।

9. प्रदेश की पहली सोलर सिटी के रूप में किसे विकसित किया जा रहा है -
(अ) धार (ब) सांची
(स) भोपाल (द) विदिशा
उत्तर- (ब) सांची

10. वर्ष 2021 का राष्ट्रीय कबीर सम्मान से किसे विभूषित किया गया -
(अ) डॉ. श्याम सुंदर दुबे
(ब) सदानंद प्रसाद गुप्त
(स) डॉ. श्रीराम परिहार
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (अ) डॉ. श्याम सुंदर दुबे
व्याख्या- यह सम्मान हिन्दी के क्षेत्र में सुदीर्घ उत्कृष्ट सृजन के लिये दिया जाता है।

11. वर्ष 2021 का राष्ट्रीय मैथलीशरण गुप्त सम्मान किसको दिया गया -
(अ) डॉ. श्याम सुंदर दुबे
(ब) सदानंद गुप्त
(स) डॉ. श्रीराम परिहार
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (ब) सदानंद गुप्त
व्याख्या- यह सम्मान हिन्दी साहित्य के शोधपरक लेखक और उत्कृष्ट सृजन के लिये दिया जाता है।

12. राष्ट्रीय इकबाल सम्मान वर्ष 2021 किसको प्रदान किया गया-
(अ) डॉ. सैयद तकी
(ब) डॉ. आरिफ अली
(स) डॉ. अर्जुमन्द बानों
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- (अ) डॉ. सैयद तकी

13. जनजातीय कला को संरक्षित कर अन्तर्राष्ट्रीय पहचान प्रदान करने के लिये वर्ष 2023 में म.प्र. के किस कलाकार को पद्मश्री सम्मान मिला है -
(अ) श्यामाबाई
(ब) भूरीबाई
(स) जोधइया बाई
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- (स) जोधइया बाई
व्याख्या- ये उमरिया की बैगा जनजाति की हैं।

14. चिकित्सा को सेवा का अटल संकल्प बनाकर मानव कल्याण को नई दिशा देने वाले डॉ. मुनीश्वर चंदावर को पद्मश्री सम्मान 2023 प्राप्त हुआ है। वे म.प्र. के किस शहर के हैं -
(अ) भोपाल (ब) जबलपुर
(स) इंदौर (द) ग्वालियर
उत्तर- (ब) जबलपुर

15. जल जीवन मिशन में देश का मॉडल बनने पर म.प्र. के किस जिले के कलेक्टर को प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार दिया गया है-
(अ) भोपाल (ब) बुरहानपुर
(स) विदिशा (द) डिंडोरी
उत्तर- (ब) बुरहानपुर
व्याख्या- कलेक्टर भाव्या मित्तल को यह पुरस्कार मिला।

16. श्रीमंत माधवराव सिंधिया बहु-उद्देशीय सिंचाई परियोजना किस क्षेत्र में प्रारंभ की गई है -
(अ) गुना
(ब) शिवपुरी
(स) श्योपुर
(द) इन सभी में
उत्तर- (द) इन सभी में
व्याख्या- इस परियोजना से गुना, शिवपुरी और श्योपुर जिले में 2 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।

17. इस वर्ष जनवरी 2023 को 17वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन (8 से 10 जनवरी) किस शहर में आयोजित किया गया -
(अ) भोपाल (ब) इंदौर
(स) जबलपुर (द) मुम्बई
उत्तर- (ब) इंदौर

18. प्रवासी भारतीय सम्मेलन में म.प्र. पर्यटन विभाग द्वारा कितने एमओयू साइन किये गये -
(अ) 6 (ब) 8
(स) 10 (द) 12
उत्तर- (ब) 8
व्याख्या- यह एमओयू फ्रांस, मेट्रोपाल पेरिस, मॉरीशस, रीयूनियन द्वीप, मार्टीनिक, श्रीलंका, गोपियो इंटरनेशनल, मलेशिया और मॉरीशस के साथ किये गये।

19. राज्य भूमि अधिग्रहण बोर्ड का गठन कब किया गया-
(अ) 10 जनवरी 2023
(ब) 10 फरवरी 2023
(स) 10 मार्च 2023
(द) 10 अप्रैल 2023
उत्तर- (अ) 10 जनवरी 2023

20. प्रवासी भारतीय सम्मलेन में इस वर्ष कितने प्रवासी भारतीयों को पुरस्कार प्रदान किये गये -
(अ) 20 (ब) 22
(स) 24 (द) 27
उत्तर- (द) 27
व्याख्या- यह सम्मान प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला प्रमुख सम्मान है।

21. खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 में मध्यप्रदेश ने कितने स्वर्ण पदक जीते -
(अ) 39 (ब) 40
(स) 42 (द) 45
उत्तर- (अ) 39
व्याख्या- 39 स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश पदक तालिका में तीसरे स्थान पर रहा। पहले स्थान पर महाराष्ट्र रहा।

22. भोपाल की एक ग्राम पंचायत 'इस्लाम नगर' का नाम अब क्या हो गया है -
(अ) ग्यारसपुर (ब) भवानीपुर
(स) जगदीशपुर (द) मायापुर
उत्तर- (स) जगदीशपुर

23. खजुराहो नृत्य समारोह का प्रारंभ किस वर्ष मे हुआ था -
(अ) 1975 (ब) 1980
(स) 1985 (द) 1990
उत्तर- (अ) 1975
व्याख्या- यह मध्यप्रदेश संगीत एवं कला अकादमी एवं मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद का संयुक्त आयोजन होता है।

24. 'सांस्कृतिक गांव' आदिवर्त का शुभारंभ कहां किया गया -
(अ) खजुराहो
(ब) मंडला
(स) डिंडोरी
(द) धार
उत्तर- (अ) खजुराहो
व्याख्या- आदिवर्त में प्रदेश की प्रमुख जनजाति के साथ सांस्कृति अंचलों - बघेलखण्ड, बुंदेलखंड, मालवा, निमाड़ एवं चंबल के प्रतिनिधिक आवासों और जीवन उपयोगी वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है।

25. 7वें अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का आयोजन म.प्र. के किस शहर में किया गया -
(अ) इंदौर
(ब) विदिशा
(स) भोपाल
(द) रायसेन
उत्तर- (स) भोपाल
व्याख्या- इसका आयोजन 3 से 5 मार्च 2023 तक हुआ।

26. खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 प्रदेश के कितने शहरों में आयोजित किये गये -
(अ) 8 (ब) 9
(स) 10 (द) 12
उत्तर- (अ) 8
व्याख्या- यह शहर हैं भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, मंडला, बालाघाट और खरगोन (महेश्वर)

27. वर्तमान में प्रदेश की कुल सिंचाई क्षमता कितने हेक्टेयर है -
(अ) 3707000
(ब) 4000000
(स) 4200000
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- (अ) 3707000

28. प्रस्तावित केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना से कितने मेगावॉट बिजली का उत्पादन होगा -
(अ) 100 मेगावॉट
(ब) 103 मेगावॉट
(स) 106 मेगावॉट
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- (ब) 103 मेगावॉट
व्याख्या- इस परियोजना से प्रदेश के 10 जिलों की 28 तहसील के 2040 ग्राम लाभान्वित होंगे।

29. विधानसभा चुनाव 2023 में मध्यप्रदेश के 230 विधानसभा क्षेत्रों में प्रतिनिधियों के चयन के लिए किस दिन वोटिंग हुई?
(अ) 20 नवम्बर
(ब) 25 नवम्बर
(स) 17 नवम्बर
(द) 28 नवम्बर
उत्तर- (स) 17 नवम्बर

30. मध्यप्रदेश का सबसे छोटा वन्यजीव अभ्यारण्य रालामंडल वन्यजीव अभ्यारण्य किस जिले में स्थित है -
(अ) भोपाल
(ब) नर्मदापुरम
(स) जबलपुर
(द) इंदौर
उत्तर- (द) इंदौर

31. खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 के अंतर्गत योग और मलखंभ की प्रतियोगितायें म.प्र. के किस शहर में आयोजित की गई -
(अ) भोपाल (ब) उज्जैन
(स) इंदौर (द) जबलपुर
उत्तर- (ब) उज्जैन

32. खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 के अंतर्गत स्लालोम प्रतियोगिता मध्यप्रदेश के किस शहर में आयोजित की गई -
(अ) बुरहानपुर
(ब) महेश्वर
(स) भोपाल
(द) उज्जैन
उत्तर- (ब) महेश्वर

33. खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 में पुरुष हॉकी का स्वर्ण पदक किस राज्य ने जीता -
(अ) मध्यप्रदेश
(ब) ओड़िशा
(स) महाराष्ट्र
(द) गुजरात
उत्तर- (अ) मध्यप्रदेश

34. प्रदेश के किस नगर निकाय ने ग्रीन बांड जारी किये थे -
(अ) भोपाल
(ब) इंदौर
(स) जबलपुर
(द) ग्वालियर
उत्तर- (ब) इंदौर
व्याख्या- फरवरी 2023 को यह जारी किया गया था।

35. मध्यप्रदेश में राज्यसभा की कितनी सीटें हैं -
(अ) 11
(ब) 15
(स) 17
(द) 19
उत्तर- (अ) 11

36. 'हलमा' परम्परा किस जनजाति की है -
(अ) भील
(ब) गोंड
(स) कोरकू
(द) कोल
उत्तर- (अ) भील
व्याख्या- 26 फरवरी 2023 को झाबुआ जिले के हाथीपाव पहाड़ी पर हलमा उत्सव मनाया गया था।

37. झाबुआ के गांधी नाम से किसे जाना जाता है -
(अ) हर्ष चौहान
(ब) महेश शर्मा
(स) विकास खरे
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- (ब) महेश शर्मा
व्याख्या- आदिवासियों के उत्थान और सामाजिक कार्यों के चलते वे इस नाम से प्रसिद्ध हैं।

38. पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क म.प्र. के किस जिले में स्थापित किया जावेगा -
(अ) धार (ब) झाबुआ
(स) इंदौर (द) नीमच
उत्तर- (अ) धार

39. 1 मई 2022 से 15 नवम्बर 2022 तक देशव्यापी ईट राइट चैलेंज में भोपाल को कौनसा स्थान प्राप्त हुआ है-
(अ) प्रथम
(ब) द्वितीय
(स) तृतीय
(द) आठवां
उत्तर- (ब) द्वितीय
व्याख्या- इस प्रतियोगिता की सूची के प्रथम 50 जिलों में म.प्र. के 10 जिले सम्मिलित हैं।

- डॉ. माया राठी
(लेखिका, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय, भोपाल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये वस्तुनिष्ठ प्रश्न

मध्यप्रदेश सामान्य ज्ञान

1. उज्जैन महाजनपद युग में निम्न में से किसकी राजधानी थी -
(A) अवंति
(B) मत्स्य
(C) वज्जि
(D) उपरोक्त कोई नहीं

2. मंदसौर प्रशस्ति से किस नगर की प्रसिद्धि की सूचना मिलती है -
(A) खजुराहो की
(B) चंदेरी की
(C) दशपुर की
(D) धार की

3. किस नदी पर बाणसागर बांध का निर्माण किया गया -
(A) नर्मदा (B) सोन
(C) ताप्ती (D) पार्वती

4. महेश्वर निम्न में से किस नदी तट पर स्थित है -
(A) ताप्ती (B) बेतवा
(C) नर्मदा (D) चंबल

5. निम्न में से म.प्र. में न्यूनतम तापमान वाला स्थान है -
(A) पचमढ़ी (B) रीवा
(C) भिण्ड (D) मुरैना

6. चन्द्रशेखर आजाद की जन्मस्थली भाबरा किस राज्य में है -
(A) मध्यप्रदेश
(B) राजस्थान
(C) उत्तरप्रदेश
(D) छत्तीसगढ़

7. खजुराहो के प्रसिद्ध मंदिरों का निर्माण किस वंश के राजाओं के शासनकाल में हुआ -
(A) चोल (B) चंदेल
(C) चालुक्य (D) चेर

8. मैंगनीज म.प्र. के किस जिले का प्रमुख खनिज है -
(A) सीधी (B) सतना
(C) बालाघाट (D) जबलपुर

9. म.प्र. में सर्वाधिक काली मिट्टी कहां पायी जाती है -
(A) मालवा
(B) बघेलखण्ड
(C) बुन्देलखण्ड
(D) इनमें से कोई नहीं

10. म.प्र. में अफीम की खेती हेतु कौन-सा जिला प्रसिद्ध है -
(A) खण्डवा
(B) उज्जैन
(C) रीवा
(D) नीमच

11. म.प्र. में सर्वाधिक क्षेत्र पर निम्न में से कौन से वनों का विस्तार है -
(A) सागौन के
(B) साल के
(C) खैर के
(D) शीशम के

12. म.प्र. की मिट्टी अपरदन में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है -
(A) नर्मदा की घाटी
(B) चम्बल की घाटी
(C) सोन की घाटी
(D) ताप्ती की घाटी

13. म.प्र. में कृषि विस्तार एवं अनुसंधान परियोजना किसकी सहायता से क्रियान्वित की गई है -
(A) जापान (B) सीडा
(C) विश्व बैंक (D) ई.ई.सी.

14. म.प्र. में गेरू मिट्टी का सबसे अधिक उत्पादन किस जिले में होता है -
(A) रीवा
(B) सतना
(C) सीधी
(D) शहडोल

15. म.प्र. का कौन-सा शहर राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना के अंतर्गत सम्मिलित नहीं है -
(A) इंदौर
(B) उज्जैन
(C) जबलपुर
(D) ग्वालियर

16. भोपाल शहर की पेयजल की आपूर्ति किस परियोजना से प्रस्तावित है -
(A) मान (B) हसदो
(C) कोलार (D) बाणसागर

17. म.प्र. में राष्ट्रीय जीवाश्म उद्यान किस जिले में है -
(A) मण्डला
(B) बालाघाट
(C) शहडोल
(D) पन्ना

18. पन्ना की हीरे की खाने किस सीरीज से संबंधित हैं -
(A) सौंसर सीरीज
(B) बिजावर सीरीज
(C) सकोली सीरीज
(D) उपरोक्त कोई नहीं

19. 'राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान' कहां स्थापित है -
(A) नीमच
(B) इंदौर
(C) ग्वालियर
(D) शिवपुरी

20. म.प्र. में रेलवे स्प्रिंग बनाने का कारखाना स्थित है -
(A) सिथौली (ग्वालियर)
(B) महू (इंदौर)
(C) पथरिया (दमोह)
(D) उपरोक्त कोई नहीं

21. म.प्र. में विद्युत का उत्पादन किस सन् में प्रारंभ किया गया है -
(A) 1905 (B) 1910
(C) 1912 (D) 1915

22. म.प्र. में महीन कागज बनाने का कारखाना कहां है -
(A) अमलाई
(B) भोपाल
(C) इंदौर
(D) जबलपुर

23. मालनपुर औद्योगिक केन्द्र किस जिले में स्थित है -
(A) मुरैना (B) भिण्ड
(C) शिवपुरी (D) ग्वालियर

24. म.प्र. का सबसे बड़ा सूती कपड़े का उत्पादन केन्द्र है -
(A) इंदौर
(B) भोपाल
(C) जबलपुर
(D) बुरहानपुर

25. म.प्र. के मानचित्र पर समवर्षा रेखाओं की बनावट है -
(A) रेखीय (B) मोड़दार
(C) लहरदार (D) गोलाकार

26. भारत में हीरे का एकमात्र उत्पादक राज्य है -
(A) म.प्र. (B) राजस्थान
(C) गुजरात (D) ओडीसा

27. म.प्र. में सीमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का प्लांट किस जिले में है -
(A) जबलपुर (B) रायसेन
(C) नीमच (D) भोपाल

28. तवा बांध कहां स्थित है -
(A) भोपाल
(B) जबलपुर
(C) मुरैना
(D) नर्मदापुरम

29. म.प्र. में विधानसभा की सीटें कितनी हैं -
(A) 220 (B) 230
(C) 250 (D) 270

30. पुलिस प्रशिक्षण केंद्र कहां स्थित है -
(A) रीवा (B) भोपाल
(C) इंदौर (D) ग्वालियर

31. म.प्र. राज्य औद्योगिक विकास निगम की स्थापना की गई -
(A) 1967 (B) 1965
(C) 1972 (D) 1978

32. म.प्र. में कितने राष्ट्रीय उद्यान हैं -
(A) 09 (B) 12
(C) 13 (D) 15

33. म.प्र. में नोट छापने का कारखाना कहां पर स्थित है -
(A) इंदौर (B) उज्जैन
(C) देवास (D) ग्वालियर

34. 1 नवंबर 1956 को राजस्थान के कोटा जिले की किस तहसील को म.प्र. में सम्मिलित किया गया है -
(A) नीमच
(B) सिरोंज
(C) मंदसौर
(D) सिवनी

35. भारत का पहला तैरता रंगमंच म.प्र. में कहां स्थित है -
(A) भोपाल
(B) मण्डला
(C) जबलपुर
(D) ग्वालियर

36. 'भगोरिया' किस जिले के आदिवासियों का पर्व है -
(A) मण्डला
(B) भोपाल
(C) झाबुआ
(D) जबलपुर

37. अकबर दरबार के प्रसिद्ध संगीतज्ञ तानसेन का मकबरा कहां स्थित है -
(A) आगरा
(B) फतेहपुर सीकरी
(C) दिल्ली
(D) ग्वालियर

38. म.प्र. में सबसे बड़ी जनजाति कौन-सी है -
(A) गोंड (B) कोल
(C) भील (D) सहरिया

39. रायसेन जिले के किस स्तूप को सम्राट अशोक ने तीसरी सदी ईसा पूर्व बनवाया था -
(A) सांची स्तूप
(B) सतधारा स्तूप
(C) धमेख स्तूप
(D) ये सभी

40. विष्णु के वराह अवतार की झांकी प्रतिमा निम्न में से कहां पायी गई है -
(A) जबलपुर में
(B) खजुराहो में
(C) सांची में
(D) उदयगिरि की गुफा में

41. म.प्र. का सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला कौन-सा है -
(A) इंदौर
(B) भोपाल
(C) जबलपुर
(D) ग्वालियर

42. शहीद चन्द्रशेखर आजाद का जन्म म.प्र. के किस जिले में हुआ था -
(A) झाबुआ
(B) अलीराजपुर
(C) मंदसौर
(D) बड़वानी

43. जहाज महल कहां स्थित है -
(A) धार
(B) ग्वालियर
(C) माण्डू
(D) भोपाल

44. बुंदेला की छतरी किस शहर में है -
(A) ओरछा
(B) शिवपुरी
(C) सागर
(D) दतिया

45. निम्न में से म.प्र. का कौन-सा खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य के रूप में खेला है -
(A) अशोक पटेल
(B) नरेन्द्र हिरवानी
(C) अमित मिश्रा
(D) नीलेश मलिक

46. म.प्र. के किस स्टेडियम में सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले गये हैं -
(A) नेहरू स्टेडियम, इंदौर
(B) होल्कर स्टेडियम, इंदौर
(C) रविशंकर स्टेडियम, जबलपुर
(D) उपरोक्त कोई नहीं

47. सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर का जन्म म.प्र. के किस शहर में हुआ था -
(A) इंदौर (B) भोपाल
(C) उज्जैन (D) देवास

48. भोपाल से पहले अविभाजित म.प्र. की राजधानी कहां थी -
(A) नागपुर
(B) रायपुर
(C) इंदौर
(D) उज्जैन

49. इनमें से कौन म.प्र. का मुख्यमंत्री रहा है -
(A) उमा भारती
(B) सुंदरलाल पटवा
(C) मोतीलाल वोरा
(D) ये सभी

50. वर्तमान में म.प्र. का क्षेत्रफल भारत के कुल क्षेत्रफल का कितना प्रतिशत है -
(A) 9.38%
(B) 10.21 %
(C) 11.25 %
(D) 12.36 %

51. चंदेल राजवंश के संस्थापक कौन थे -
(A) जयशक्ति
(B) डाँग
(C) नन्नुक
(D) गोंड

52. अशर्फी महल कहां स्थित है -
(A) पन्ना (B) माण्डू
(C) मण्डला (D) जबलपुर

53. इंदिरा गांधी प्रियदर्शनी उद्यान किस राष्ट्रीय उद्यान का नाम है -
(A) सतपुड़ा
(B) पेंच
(C) बांधवगढ़
(D) कान्हा-किसली

54. नर्मदा नदी के निकट निम्न में से कौन-सा शहर स्थित है -
(A) जबलपुर
(B) झाबुआ
(C) ओंकारेश्वर
(D) उपरोक्त सभी

55. म.प्र. में कैमूर किस लिए प्रसिद्ध है -
(A) कत्था उद्योग
(B) कपड़ा उद्योग
(C) सीमेंट उद्योग
(D) रेशम उद्योग

56. किस अधिनियम के लिये म.प्र. को संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा पुरस्कार दिया गया है -
(A) लोक सेवा गारंटी अधिनियम
(B) सूचना का अधिकार अधिनियम
(C) बाल सेवा अधिनियम
(D) वृद्ध सेवा अधिनियम

57. आगासोद (बीना) की तेल शोधक रिफाइनरी किस देश के सहयोग से बनी है -
(A) कुवैत
(B) जॉर्डन
(C) इराक
(D) ओमान

58. एशिया का सबसे बड़ा सोयाबीन कारखाना कहां स्थित है -
(A) धार
(B) उज्जैन
(C) देवास
(D) भोपाल

उत्तरमाला

(1) A	(2) C	(3) B	(4) C
(5) A	(6) A	(7) B	(8) C
(9) A	(10) D	(11) A	(12) B
(13) C	(14) B	(15) D	(16) C
(17) A	(18) B	(19) B	(20) A
(21) A	(22) A	(23) B	(24) A
(25) B	(26) A	(27) C	(28) D
(29) B	(30) A	(31) B	(32) B
(33) C	(34) B	(35) D	(36) C
(37) D	(38) C	(39) A	(40) D
(41) A	(42) B	(43) C	(44) A
(45) B	(46) A	(47) A	(48) A
(49) D	(50) A	(51) C	(52) B
(53) B	(54) D	(55) C	(56) A
(57) D	(58) B		

- सविता रघुवंशी
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करती हैं)

राष्ट्रीय सशस्त्र सेना झंडा दिवस - 7 दिसम्बर

राष्ट्र के प्रति निष्ठावान और जांबाज़ योद्धाओं को समर्पित

सुरक्षा जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। जब व्यक्ति सुरक्षित रहेगा तभी वह भयमुक्त होकर रह सकता है, विकास कर सकता है। हमारे देश में सभी देशवासियों की सुरक्षा की कमान संभाली है सेना ने। भारतीय थल सेना, भारतीय वायु सेना और नौसेना हमें राष्ट्रीय सुरक्षा प्रदान करती हैं। इन सेनाओं के एक-एक सैनिक अपनी जान जोखिम में डालकर हमारे लिए 24 घंटे, हर दिन तैनात रहते हैं। वे सीमा पर हमारी सुरक्षा कर रहे हैं इसलिए देश के नागरिक सुरक्षित हैं।

सैनिक किसी देश की अमूल्य निधि हैं, जो अपने निजी जीवन की कई इच्छाओं को त्यागकर सीमा पर तैनात रहते हैं, देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर देते हैं। कई बार युद्ध के दौरान अनगिनत सैनिक शहीद हो जाते हैं, देश के लिए बलिदान देते हैं। युद्ध के मोर्चे अथवा हमारी सुरक्षा करते हुए कई सैनिक अपने अंग गंवा देते हैं, जिससे वे स्थाई रूप से निशक्त हो जाते हैं। ऐसे राष्ट्र के प्रति निष्ठावान, जांबाज़ योद्धाओं के सम्मान को समर्पित है सशस्त्र सेना ध्वज दिवस।

वर्ष 1949 से शुरू हुए इस दिवस को 7 दिसम्बर को देशभर में मनाया जाता है। इस दिन उन शहीदों और सैनिकों को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने देश के सम्मान की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी और देश की सीमाओं को सुरक्षित रखने में योगदान दिया।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस का इतिहास

भारत के तत्कालीन रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में 28 अगस्त, 1949 को एक समिति का गठन किया गया था। समिति ने हर वर्ष 7 दिसम्बर को झंडा दिवस मनाने का फैसला किया। तभी से 7 दिसम्बर को राष्ट्रीय सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1993 में भारत के रक्षा मंत्रालय ने सभी संबंधित कल्याण कोषों को एक सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष (Armed Forces Flag Day Fund) में समेकित किया। इसके द्वारा सशस्त्र बलों की तीनों शाखाओं-भारतीय थल सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना के राष्ट्र के प्रति समर्पण को सम्मानित करने और एक सहयोगात्मक प्रक्रिया को विकसित करने का प्रयास किया गया।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाने का उद्देश्य

सशस्त्र सेना झंडा दिवस का मुख्य उद्देश्य है देश की रक्षा के लिए बलिदान हुए अथवा नि:शक्त हुए सैनिकों के सहयोग हेतु अंश दान एकत्र करना है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर हुए धन संग्रह के तीन मुख्य उद्देश्य हैं -

- युद्ध के समय हुई जनहानि में सहयोग करना।
- सेना में कार्यरत कर्मियों और उनके परिवार के कल्याण हेतु सहयोग करना।
- सेवानिवृत्त कर्मियों और उनके परिवार के कल्याण हेतु।

कैसे मनाया जाता है सशस्त्र सेना झंडा दिवस

यह दिवस भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना के सैनिकों को सम्मानित करने और सहयोग किये जाने के लिए मनाया जाता है। यह दिन देश के लिए शहीद हुए वीर सैनिकों के बलिदान का स्मरणोत्सव है। इसे देश भर में धूमधाम से मनाया जाता है। शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जाती है तथा देशवासी एक-दूसरे को भारतीय सशस्त्र सेना झंडा दिवस की शुभकामनाएं देते हैं। इस दिन विभिन्न प्रकार के कार्निवाल शो, नाटक आदि का प्रदर्शन भी किया जाता है। सशस्त्र बलों की तीनों शाखाएं भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अपने प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करती हैं। मुख्य रूप से झंडे को वितरित कर राशि संग्रहित की जाती है। लोगों को फ्लैग लगाया जाता है, झंडे के सम्मान में दिये जाने वाले अंशदान को एकत्र किया जाता है।

इस दिवस पर धन संग्रह सशस्त्र सेना के प्रतीक झंडे को वितरित कर किया जाता है। इस झंडे में तीन रंग (लाल, गहरा नीला और हल्का नीला) तीनों सेनाओं को प्रदर्शित करते हैं। इस राशि को सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष के माध्यम से सेवारत कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण, युद्ध में हताहतों के पुनर्वास और पूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों के पुनर्वास के लिए उपयोग किया जाता है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस का महत्व

भारतीय सशस्त्र सेना झंडा दिवस मुख्य रूप से युद्ध में शहीदों और घायल सैनिकों के पुनर्वास के लिए मनाया जाता है। इस दिवस का महत्व इसलिए भी है कि यह देश की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले सैनिकों के प्रति देशवासियों को उनके दायित्व का एहसास कराता है। जो हमारे लिए सीमा पर हैं, जिनके कारण हम सुरक्षित हैं उनके लिए हमें भी कुछ करना चाहिए इस भाव को भी जगाता है। जो हमारी सुरक्षा, हमारे जीवन का बड़ा हिस्सा हैं, हम भी उनके परिवारों का महत्वपूर्ण हिस्सा बनें। झंडा दिवस यह भाव जनमानस तक पहुंचाता है कि हम सशस्त्र बलों का स्मरण करें, उनका सम्मान करें। देशवासियों का भी उनके प्रति कोई कर्तव्य है। यही वह भाव है जो शहीदों और जीवित नायकों के प्रति निष्ठा और सम्मान को प्रदर्शित करता है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस

हमारी सुरक्षा के लिए युद्ध में निशक्त हुए सैनिकों, वीर नारियों और देश के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले शहीदों के परिवारों की देखभाल करने की हमारी प्रतिबद्धता को स्थापित करता है। देश के लिए अपना सब कुछ देने वाले इन देशप्रेमियों के लिए शासन के अपने उपाय तो हैं ही लेकिन झंडा दिवस के माध्यम से देश के नागरिकों को एक अच्छा अवसर मिला है कि वे उन्हें सुरक्षित रखने वालों के सम्मान में कुछ करें। हमारे देश के प्रत्येक नागरिक का सामूहिक कर्तव्य है कि वे सशस्त्र बलों की देखभाल, सहायता, पुनर्वास और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए स्वेच्छा से अपना योगदान दें। देश हमेशा उन वीर नायकों का ऋणी रहेगा जिन्होंने मातृभूमि की सेवा में अपने प्राण न्यौछावर कर दिये।

- हितेश शर्मा
(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. इनमें से किस देश ने सबसे ज्यादा बार एफआईएच हॉकी जूनियर विश्वकप जीता है?
(अ) भारत (ब) पाकिस्तान
(स) जर्मनी (द) नीदरलैंड

2. इनमें से किस खेल को मध्यप्रदेश में राजकीय खेल का दर्जा मिला है?
(अ) क्रिकेट (ब) मलखंब
(स) शतरंज (द) तीरंदाजी

3. यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट डेब्यू में किस देश के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी?
(अ) वेस्टइंडीज (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) अफगानिस्तान(द) द. अफ्रीका

4. आर. प्रगाननंदा किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) घुड़सवारी (ब) शतरंज
(स) कबड्डी (द) नौकायन

5. ईगल और बर्डी टर्म किस खेल से संबंधित हैं?
(अ) गोल्फ (ब) शतरंज
(स) बैडमिंटन (द) कबड्डी

6. स्टैनले कप किस खेल की प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है?
(अ) फुटबॉल
(ब) बास्केटबॉल
(स) एथेलेटिक्स
(द) आईस हॉकी

7. अमेरिका के स्टार खिलाड़ी लेब्रोन जेम्स किस खेल से संबंधित खिलाड़ी हैं?
(अ) एथेलेटिक्स (ब) तैराकी
(स) बास्केटबॉल (द) मुक्केबाजी

8. वर्ष 2022 में किस देश यूएफा महिला यूरो कप का खिताब अपने नाम किया है?
(अ) डेनमार्क (ब) इंग्लैंड
(स) नीदरलैंड (द) जर्मनी

9. इस वर्ष किस देश में एशियन शूटिंग चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया?
(अ) कजाकिस्तान (ब) इंडोनेशिया
(स) द. कोरिया (द) सउदी अरब

10. लुईस हैमिल्टन ने कितनी बार फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप जीती है?
(अ) दो बार (ब) तीन बार
(स) पांच बार (द) सात बार

11. इस वर्ष किस क्लब ने इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब जीता है?
(अ) मैनचेस्टर सिटी
(ब) लिवरपूल
(स) आर्सेनल
(द) टॉटनहम हाटस्पर

12. आईसीसी वन-डे क्रिकेट वर्ल्डकप-2023 में टाइम आउट होने वाले बल्लेबाज कौन हैं?
(अ) शाकिब अल हसन
(ब) एंजेलो मैथ्यूज
(स) क्विंटन डिकॉक
(द) इनमें से कोई नहीं

13. इनमें से किस भारतीय खिलाड़ी को उड़न सिख के नाम से भी पहचाना जाता है?
(अ) हरभजन सिंह
(ब) परगट सिंह
(स) मिल्खा सिंह
(द) बिशन सिंह बेदी

14. वर्ष 2026 में किस देश में यूथ ओलिंपिक खेलों का आयोजन किया जायेगा?
(अ) मलेशिया (ब) अर्जेंटीना
(स) आयरलैंड (द) सेनेगल

15. बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट (मोटर रेसिंग) भारत के किस शहर में स्थित हैं?
(अ) नोएडा (ब) पटियाला
(स) बेंगलुरू (द) गुवाहाटी

16. वर्ल्ड एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप-2023 में किस खिलाड़ी ने पोल वॉल्ट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) क्रिस निल्सन
(ब) कर्टिस मार्शल
(स) रियान क्रूजर
(द) अर्माड डुप्लेंटिस

17. दिव्यांग खिलाड़ी प्रमोद भगत किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) हॉकी (ब) निशानेबाजी
(स) बैडमिंटन (द) एथेलेटिक्स

18. फुटबॉल की वैश्विक संस्था फीफा की स्थापना किस वर्ष हई थी?
(अ) वर्ष 1901 (ब) वर्ष 1904
(स) वर्ष 1908 (द) वर्ष 1910

19. वर्ष 2022 में शीतकालीन ओलिंपिक खेल किस देश में आयोजित किये गए थे।?
(अ) डेनमार्क (ब) कनाडा
(स) इटली (द) चीन

20. इटली ने कितनी बार फीफा फुटबॉल वर्ल्डकप जीता है?
(अ) एक बार
(ब) तीन बार
(स) चार बार
(द) इनमें से कोई नहीं

21. विश्व एथेलेटिक्स की सबसे बड़ी संस्था आईएएएफ का मुख्यालय किस देश में स्थित है?
(अ) स्विटजरलैंड (ब) मोनाको
(स) फ्रांस (द) मैक्सिको

22. डर्बी कप इनमें से किस खेल से संबंधित एक प्रतियोगिता है?
(अ) हॉर्स रेसिंग
(ब) बाइक रेसिंग
(स) मैराथन दौड़
(द) इनमें से कोई नहीं

23. इस वर्ष एशियन तीरंदाजी चैम्पियनशिप का आयोजन किस देश में किया गया था?
(अ) चीन
(ब) जापान
(स) इंडोनेशिया
(द) थाईलैंड

24. भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच किस देश के खिलाफ खेला था?
(अ) ऑस्ट्रेलिया
(ब) न्यूजीलैंड
(स) इंग्लैंड
(द) इनमें से कोई नहीं

25. अभिनव बिंद्रा किस खेल में भारत के ओलिंपिक स्वर्ण पदक जीत चुके हैं?
(अ) बैडमिंटन
(ब) निशानेबाजी
(स) तीरंदाजी
(द) टेनिस

उत्तर

1. (स), 2. (ब), 3. (अ), 4. (ब), 5. (अ), 6. (द), 7. (स), 8. (ब), 9. (स), 10. (द), 11. (अ), 12. (ब), 13. (स), 14. (द), 15. (अ), 16. (द), 17. (स), 18. (ब), 19. (द), 20. (स), 21. (ब), 22. (अ), 23. (द), 24. (स), 25. (ब)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

खेल चर्चा

उदय सहारन बने अंडर-19 क्रिकेट टीम के कप्तान

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने युवा बल्लेबाज उदय सहारन को भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम का कप्तान नियुक्त किया है। उदय अब संयुक्त अरब अमीरात में 8 दिसंबर से शुरू होने वाले एसीसी अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। इस टूर्नामेंट के लिए बीसीसीआई ने 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की है। सौम्य कुमार पांडे को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। एशिया कप में भारत को पाकिस्तान, अफगानिस्तान और नेपाल के साथ ग्रुप-ए में रखा गया है। भारत ने सबसे ज्यादा आठ बार अंडर-19 एशिया कप टूर्नामेंट जीता है।

बीसीसीआई ने किया अनुबंध विस्तार

राहुल द्रविड़ बने रहेंगे मुख्य कोच

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच को लेकर चल रही अटकलों को समाप्त कर दिया है। बीसीसीआई ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ आगे भी अपने पद पर बने रहेंगे। बीसीसीआई ने राहुल द्रविड़ सहित पूरे कोचिंग स्टॉफ का अनुबंध बढ़ा दिया है। हालांकि विस्तारित किए गए अनुबंध की अवधि कितनी होगी, इसकी जानकारी बीसीसीआई ने नहीं दी है।

बीसीसीआई ने कहा कि आईसीसी वन-डे क्रिकेट विश्वकप के साथ ही मुख्य कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का दो वर्षीय कार्यकाल समाप्त हो गया था। अनुबंध की अवधि समाप्त होने के बाद से ही बीसीसीआई के अधिकारी द्रविड़ के साथ चर्चा कर रहे थे, जिसके बाद द्रविड़ ने सर्वसम्मति से कार्यकाल को आगे बढ़ाने का फैसला किया।

बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा कि राहुल द्रविड़ की दूरदर्शिता भारतीय क्रिकेट टीम की सफलता का मुख्य कारण है। मुख्य कोच के रूप में द्रविड़ न केवल चुनौतियों को स्वीकार करने, बल्कि उससे आगे बढ़ाने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम का प्रदर्शन द्रविड़ के रणनीतिक मार्गदर्शन का प्रमाण है, मुझे खुशी है कि उन्होंने मुख्य कोच बने रहने का प्रस्ताव स्वीकार किया।

- **द्रविड़ के साथ बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़, गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे और क्षेत्ररक्षण कोच टी. दिलीप के कार्यकाल में हुई वृद्धि।**
- **मुख्य कोच के रूप में राहुल द्रविड़ के दूसरे कार्यकाल का पहला टास्क दक्षिण अफ्रीका दौरा होगा।**

वर्ष 2021 के आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप के बाद राहुल द्रविड़ भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने थे। द्रविड़ के कार्यकाल के दौरान भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। इस दौरान भारतीय टीम वर्ष 2013 में आईसीसी वन-डे क्रिकेट विश्वकप की उपविजेता रही थी। इसके अलावा भारतीय टीम ने एशिया कप जीता है। राहुल द्रविड़ ने भारत के लिए 164 टेस्ट और 344 वन-डे अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं।

दक्षिण अफ्रीका को मिली अंडर-19 विश्वकप की मेजबानी

अहमदाबाद, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले वर्ष खेले जाने वाले आईसीसी अंडर-19 विश्वकप की मेजबानी श्रीलंका से वापस ले ली है। अब दक्षिण अफ्रीका इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। आईसीसी ने कहा कि श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के निलंबन के कारण अंडर-19 विश्वकप को श्रीलंका से दक्षिण अफ्रीका स्थानांतरित कर दिया गया है। इस निर्णय से श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के विभिन्न टूर्नामेंट में हिस्सा लेने पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इसके अलावा आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट के वित्तीय मामले अपने हाथ में ले लिए हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर बने गौतम गंभीर

कोलकाता, आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स ने भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर को टीम का मेंटर नियुक्त किया है। गंभीर आईपीएल के अगले सीजन में यह जिम्मेदारी संभालेंगे और टीम के मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित के साथ काम करेंगे। इससे पहले गंभीर लखनऊ सुपर जाइंट्स टीम के साथ जुड़े थे।

मैक्स वर्स्टापेन ने दूसरी बार जीती फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप

- **वर्स्टापेन ने इस सत्र में ड्राइवर्स चैम्पियनशिप में सबसे ज्यादा 575 अंक हासिल किए हैं।**
- **वर्स्टापेन ने फॉर्मूला-वन में एक सत्र में सबसे ज्यादा रेस जीतने का नया रिकॉर्ड बनाया है।**
- **वर्स्टापेन ने इस सत्र में 22 में से 19 रेस जीती हैं, दो रेस सर्जियो पेरेज ने और एक रेस कार्लोस सेंज ने जीती हैं।**

अबू धाबी, नीदरलैंड्स के स्टार कार रेसर मैक्स वर्स्टापेन ने रफ्तार और रोमांच के खेल फार्मूला-वन में एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित करते हुए फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप अपने नाम की है। वर्स्टापेन ने अबू धाबी में आयोजित इस सत्र की अंतिम रेस को जीतकर इतिहास रच दिया। वर्स्टापेन ने दूसरी बार फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप जीती है।

रेडबुल टीम के लिए रेसिंग करने वाले वर्स्टापेन ने 58 लैप की अबू धाबी ग्रां प्री रेस में एक घंटा 27 मिनट और 45.9 सेकेंड का समय लेते हुए पहला स्थान हासिल किया। वर्स्टापेन ने इस रेस में पोल पोजिशन के साथ शुरुआत की। वर्स्टापेन ने रेस की शुरुआत से बढ़त बनाई जो अंत तक कायम रही। रेस में फेरारी टीम के चार्ल्स लेकलर्क ने दूसरा स्थान हासिल किया, वहीं सर्जियो पेरेज तीसरे, कार्लोस सेंज चौथे और जॉर्ज रसेल पांचवें स्थान पर रहे।

फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप के इस सत्र में वर्स्टापेन का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। वर्स्टापेन ने इस सत्र में 86.4 प्रतिशत जीत रिकॉर्ड के साथ 19 रेस जीती है, इनमें बहरीन, ऑस्ट्रेलियन, मियामी, मोनाको, स्पेनिश, कनाडियन, ऑस्ट्रियन, ब्रिटिश, हंगरियन, बेल्जियम, इटेलियन, डच, जापान, कतर, अमेरिकन, मैक्सिको सिटी, साओ पाउलो, लास वेगास और अबू धाबी ग्रां प्री शामिल है। इसके अलावा इस सत्र में रेडबुल टीम का पूरी तरह वर्चस्व रहा। रेडबुल के लिए वर्स्टापेन के साथ सर्जियो पेरेज ने भी शानदार प्रदर्शन किया।

ओलिंपिक के लिए पहलवानों की चयन प्रक्रिया में बदलाव

नई दिल्ली, भारतीय कुश्ती महासंघ की तदर्थ समिति ने पेरिस ओलिंपिक के लिए पहलवानों की चयन प्रक्रिया में बदलाव करते हुए नई चयन नीति की घोषणा की है। समिति ने कहा कि नई चयन नीति के जरिए भारतीय पहलवानों को व्यापक रूप से प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। नई नीति के तहत खिलाड़ियों को दो चरण की चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा, जिसमें ओलिंपिक कोटा हासिल करने वाले पहलवान को जून 2024 में चैलेंजर से भिड़ना होगा। इस मुकाबले के विजेता को ओलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा।

नामीबिया ने किया टी-20 विश्वकप के लिए क्वालिफाई

विंडहोक, नामीबिया ने आईसीसी ट्वेंटी-20 क्रिकेट विश्वकप में जगह बना ली है। नामीबिया ने लगातार तीसरी बार ट्वेंटी-20 विश्वकप में जगह बनाई है। नामीबिया ने विश्वकप के लिए अफ्रीका रीजन क्वालिफायर में तंजानिया को 58 रन से हराया। मैच में नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट खोकर 157 रन बनाये, इसके जवाब में तंजानिया की टीम 99 रन ही बना सकी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ट्वेंटी-20 सीरीज

ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज के तीसरे मैच में भारत को 5 विकेट से हराया

गुवाहाटी, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही पांच मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज के तीसरे मैच को ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट से जीता है। मैच में ग्लेन मैक्सवेल ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया को शानदार जीत दिलाई। इस सीरीज का पहला और दूसरा मैच भारत ने जीता था।

मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने 24 रन के स्कोर पर 2 विकेट झटक कर भारतीय टीम को दबाव में ला दिया। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ ने पहले सूर्यकुमार यादव (39) और फिर तिलक वर्मा के साथ मिलकर तेजी से रन जोड़े। गायकवाड़ ने 52 गेंदों में अपना पहला ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय शतक बनाया। भारत ने 20 ओवरों में 3 विकेट खोकर 222 रन बनाये।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तेज शुरुआत की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने 68 रन पर 3 विकेट गिराकर ऑस्ट्रेलिया को दबाव में ला दिया। इसके बाद ग्लेन मैक्सवेल ने

आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए भारतीय गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। मैक्सवेल ने 47 गेंदों में ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय शतक बनाया। मैक्सवेल की 104 रनों की पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

- **मैक्सवेल ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने के रिकॉर्ड की बराबरी की।**
- **ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में रोहित शर्मा और ग्लेन मैक्सवेल ने 4-4 शतक बनाये हैं।**
- **ऋतुराज ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शतक बनाने वाले नौवें भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।**

डेविस कप - 2023

इटली ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर जीता खिताब

मलागा, इटली ने टेनिस के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट डेविस कप का खिताब अपने नाम किया है। इटली ने टूर्नामेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से मात दी। इटली की जीत के हीरो जेनिक सिनर रहे। सिनर ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान बेहतरीन प्रदर्शन किया।

डेविस कप के फाइनल में इटली का दबदबा रहा। इटली ने फाइनल में अपने दोनों एकल मुकाबले जीते। फाइनल के पहले मैच में इटली के माटेओ अर्नाल्डी ने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सेई पोपिरिन को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 7-5, 2-6, 6-4 से हराया। अर्नाल्डी ने पहला सैट मैच पाइंट में जीता, वहीं दूसरे सैट में पोपिरिन ने जबरदस्त वापसी की। तीसरा सैट निर्णायक रहा, जिसमें अर्नाल्डी विजेता बने। इस जीत के साथ इटली ने

- **इटली ने अब तक दो बार जीता है डेविस कप, इससे पहले वर्ष 1976 में बना था विजेता।**
- **डेविस कप की सबसे सफल टीम अमेरिका है, जिसने 32 बार जीता है खिताब।**
- **ऑस्ट्रेलिया 28 बार बना है डेविस कप का विजेता।**
- **अब तक 16 देश जीत चुके हैं डेविस कप टूर्नामेंट।**

मुकाबले में 1-0 की बढ़त बनाई।

इसके बाद दूसरे एकल मुकाबले में इटली के स्टार खिलाड़ी जेनिक सिनर ने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनॉर को आसान मुकाबले में 6-3, 6-0 से हराया। सिनर और मिनॉर के बीच यह छठवां मुकाबला था, सिनर ने यह सभी मुकाबले जीते हैं। इससे पहले सिनर ने सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को हराया था। इसके अलावा जेनिक सिनर ने डेविस कप प्ले ऑफ में पांच मैच खेले और सभी में जीत दर्ज की। इस मैच के बाद पुरुष युगल मैच की जरूरत नहीं पड़ी। इटली ने 2-0 से खिताब अपने नाम किया। इस वर्ष डेविस कप की फाइनलिस्ट इटली और ऑस्ट्रेलिया ने अगले वर्ष डेविस कप के ग्रुप चरण में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है।

जापान के कोडाई नाराओका ने जीता चीन मास्टर्स का खिताब

शेनझेन, जापान के युवा शटलर कोडाई नाराओका ने चीन मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में नाराओका ने अपने हमवतन खिलाड़ी केंटा निशिमोटो को आसान मुकाबले में 21-13, 21-13 से हराया।

नाराओका ने इससे पहले सेमीफाइनल में केंटा सुनेयामा को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल में नाराओका ने निशिमोटो के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाया। नाराओका ने दोनों गेम 21-13 के अंतर से जीते। टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग का खिताब चीन की चेन यूफेई ने जीता। महिला एकल वर्ग के फाइनल में यूफेई ने चीन की हान यूई को हराया। मैच में पहला गेम हान यूई ने 21-18 से जीता, वहीं दूसरा गेम चेन यूफेई ने 21-4 से जीता। तीसरे गेम में हान यूई चोटिल हो गईं और मैच से हट गईं। इसके बाद चेन यूफेई को विजेता घोषित किया गया।

सात्विक और चिराग की जोड़ी बनी उपविजेता

चीन मास्टर्स टूर्नामेंट में पुरुष युगल वर्ग में सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी उपविजेता रही। भारतीय जोड़ी ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई, लेकिन फाइनल में भारतीय जोड़ी को लियांग वेइकेंग और वांग चेंग की चीनी जोड़ी ने बेहद कड़े मुकाबले में 21-19, 18-21, 21-19 से हराया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

अज्ञात संक्रमण से जूझ रहे बच्चों की कम नहीं हो रही परेशानी

चीन में अजीबो-गरीब तरह के संक्रमण से बढ़ते निमोनिया के प्रकोप के बीच बच्चों में सांस की समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसके इलाज के लिए उन्हें अस्पतालों में भर्ती किया जा रहा है। इसी बीच बच्चों की पढ़ाई में कोई नुकसान न हो, इसके लिए अस्पतालों में विशेष 'होमवर्क जोन' बनाए गए हैं। कोविड-19 प्रतिबंध हटने के बाद चीन में यह पहली सर्दी है। इस बीच बच्चों में सांस लेने संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इससे राजधानी बीजिंग और आसपास के शहरों के अस्पताल ज्यादा प्रभावित हुए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार यह कोई नया वायरस नहीं है। इन्फ्लूएंजा, राइनोवायरस, रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस या आरएसवी के साथ माइक्रोप्लाज्मा निमोनिया के बैक्टीरिया जुड़ने से ऐसा हो रहा है, जो फेफड़ों को संक्रमित करता है।

केन्द्रीय वित्त मंत्री ने भारत का किया प्रतिनिधित्व

जलवायु शिखर सम्मेलन में भारत अपनी शक्ति दिखाएगा। हम वैश्विक मंच में दिखाएंगे कि हमने अपने स्वयं के धन से क्या-क्या हासिल किया है। यह कहना है भारत की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का। वित्त मंत्री ने शिखर सम्मेलन में जलवायु फंडिंग और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर ठोस कार्रवाई का आह्वान किया। वार्षिक संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता 28 नवंबर से 12 दिसंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित हो रहा है। यह सम्मेलन का 28वां आयोजन है। सम्मेलन में वित्तमंत्री ने कहा कि जलवायु फंडिंग और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है।

समुद्र में गुप्त सुरंग बनाने का अवसर तलाश रहे चीन और रूस

रूस और चीन साथ मिलकर समुद्र के अंदर एक गुप्त सुरंग बनाने पर चर्चा कर रहे हैं। 17 किलोमीटर (11 मील) लंबी यह सुरंग रूस को क्रीमिया से जोड़ेगी। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक दोनों देशों के बिजनेसमैन ने रूस-क्रीमिया टनल प्रोजेक्ट पर बातचीत की है। रूस और चीन की नजदीकियां किसी से छुपी नहीं हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि चीन एक ऐसे इलाके में प्रोजेक्ट पर रूस का साथ देने की सोच रहा है, जिसे वो मान्यता नहीं देता। दरअसल, रूस ने 2014 में क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। चीन ने अब तक इस कब्जे को मान्यता नहीं दी है। चीन अब भी क्रीमिया को रूस का हिस्सा नहीं मानता है।

यूक्रेन ने कर्च ब्रिज पर किया हमला

रिपोर्ट के मुताबिक, रूस और चीन समुद्र के अंदर जिस सीक्रेट सुरंग को बनाने पर चर्चा कर रहे हैं, उसे कर्च ब्रिज के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, रूस-यूक्रेन जंग के बीच 8 अक्टूबर 2022 को यूक्रेनी सैनिकों ने कर्च ब्रिज पर हमला कर दिया था।

(स्रोत: संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

विश्व समुदाय युवाओं को समग्र विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाएगा - राष्ट्रपति

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने महाराष्ट्र के लोनावाला में स्कूल शिक्षा प्रणाली में योग का एकीकरण विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का आयोजन कैवल्यधाम संस्थान के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि योग विश्व समुदाय को भारत का अमूल्य उपहार है। वर्ष 2015 से हर वर्ष विश्व के अधिकांश देशों में योग दिवस मनाया जाने लगा है। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने प्रस्ताव में यह स्पष्ट किया था कि योग पद्धति स्वास्थ्य व कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करती है और पूरे विश्व समुदाय के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। राष्ट्रपति ने कहा कि योग का लाभ बच्चों और हमारी युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित योग विद्या को शिक्षण व्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।

योग शिक्षा के प्रसार को महत्व

राष्ट्रपति ने कहा कि स्वामी कुवलयानंद जी विद्यालयों में योग शिक्षा के प्रसार को काफी महत्व देते थे। उन्होंने आगे विश्वास व्यक्त किया कि कैवल्यधाम संस्थान द्वारा संचालित कैवल्य विद्या निकेतन अन्य विद्यालयों को उदाहरण और प्रेरणा प्रदान करेगा। इसके अलावा उन्होंने यह भरोसा जताया कि 'कैवल्यधाम' योग परंपरा और विज्ञान का प्रभावी संगम निरंतर प्रवाहित करेगा और विश्व समुदाय, विशेषकर युवाओं को समग्र विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाता रहेगा।

राजधानी दिल्ली के विज्ञान भवन में संविधान दिवस समारोह पर कार्यक्रम संपन्न

संसद लोकतंत्र की आत्मा है जो लोगों की मनोदशा और विचारों को प्रामाणिक रूप से प्रतिबिंबित करती है

संसद लोगों की इच्छा को प्रतिबिंबित करती है। जो लोग संसद में बैठते हैं, वे इसलिए वहां होते हैं, क्योंकि एक उचित मंच पर एक वैध व्यवस्था के माध्यम से लोगों ने अपना जनादेश व्यक्त किया है। इसलिए, संसद लोकतंत्र की आत्मा है, जो लोगों की मनोदशा, उनके विचार को प्रामाणिक रूप से प्रतिबिंबित करती है। संविधान की संरचना के रूप में संसद की सर्वोच्चता निर्विवाद है। यह अपने कार्य में कार्यपालिका या न्यायपालिका के हस्तक्षेप के प्रति उत्तरदायी नहीं है। यह कहना है उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ का। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने संविधान दिवस समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संसद की संप्रभुता राष्ट्र की संप्रभुता का पर्याय है और वह अभेद्य है।

शिकायतों का समाधान करना है

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि इन संस्थाओं की कमान संभालने वाले लोग राजनेता हैं, वे दूरदर्शी हैं, चाहे वे देश के प्रधानमंत्री हों, देश के राष्ट्रपति हों या भारत के मुख्य न्यायाधीश हों। हम भाग्यशाली हैं कि प्रतिष्ठित लोग इन संस्थानों का नेतृत्व कर रहे हैं। इसलिए अवलोकन या अन्य किसी रूप में सार्वजनिक डोमेन में आने वाली कोई भी बात हमारे कानों के लिए सुखद नहीं होगी, जिसका अर्थ है, बड़े पैमाने पर यह लोगों के लिए सुखदायक नहीं होगा। मैं अपनी क्षमता के अनुसार ऐसी प्रणाली तैयार करने के लिए अपने तरीके से काम कर रहा हूं, क्योंकि संस्था के लोग शिकायतकर्ता नहीं हो सकते हैं, उन्हें बड़े पैमाने पर लोगों की शिकायतों का समाधान करना है।

संविधान दिवस समारोह कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करते उपराष्ट्रपति श्री धनखड़

उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैं डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के ऋषि चिंतन का संदर्भ दूंगा: "संविधान का उद्देश्य न केवल संघ के तीन अंगों का निर्माण करने तक सीमित है, बल्कि उनकी शक्तियों की सीमाओं को परिभाषित करना भी है। यह आवश्यक भी है, क्योंकि यदि सीमाएं निर्धारित नहीं की गईं, तो संस्थाएं निरंकुश हो जाएंगी और शोषण करना शुरू कर देंगी। इसलिए विधायिका को कानून बनाने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए, कार्यपालिका को कोई भी निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए।

न्यायपालिका दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कहा कि मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि मैं न्यायपालिका का एक सिपाही हूं। मैं वकालत पेशे से हूं। देश के लाखों लोगों की तरह न्यायिक स्वतंत्रता मुझे भी बहुत प्रिय है। हम रीढ़ की हड्डी की तरह मजबूत न्यायपालिका चाहते हैं और मैं विरोधाभास के भय के बिना कह सकता हूं कि हमारी न्यायपालिका दुनिया के सर्वश्रेष्ठ में से एक है। उन्होंने कहा कि मैंने विभिन्न नवोन्मेषेवी कदमों की सराहना की है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता निर्विवाद है, लेकिन समय आ गया है कि हमें ऐसी संस्थाओं के शीर्ष पर बैठे लोगों के बीच संरचना-आधारित बातचीत के लिए एक व्यवस्था बनानी चाहिए, ताकि मुद्दे सार्वजनिक स्तर पर न आएं।

भारत तथा फ्रांस के बीच एक और हथियार डील

राफेल फाइटर जेट के बाद अब भारत को मिलेगा एमक्यू-9बी प्रीडेटर सशस्त्र ड्रोन

राफेल के बाद भारत तथा फ्रांस के बीच एक और हथियार डील हो सकती है। रक्षा क्षेत्र की अग्रणी यूरोपीय कंपनी एमबीडीए ने कहा है कि यदि उसे प्रस्ताव मिलता है, तो वह उच्च सटीकता वाली मिसाइल ब्रिमस्टोन को उस 'एमक्यू-9बी प्रीडेटर' हथियारबंद ड्रोन में एकीकृत करने की संभावना पर विचार करने के लिए तैयार है, जिसे भारत, अमेरिका से खरीद रहा है। एमबीडीए की ब्रिमस्टोन मिसाइलों को हवाई हथियार के रूप में जाना जाता है और ये भूमि एवं सतह के अलावा मानव रहित ड्रोन की एक विस्तृत श्रृंखला पर तैनाती के लिए उपयुक्त है।

क्यों खास है ब्राइमस्टोन मिसाइल

एमबीडीए की ब्राइमस्टोन मिसाइल की लंबाई करीब दो मीटर है। इसमें आधुनिक एयरफ्रेम और अपडेटेट सॉफ्टवेयर लगाया गया है। इसे मिलिस्ट्री व्हीकल से लेकर हवा तक से लॉन्च किया जा सकता है। जमीन से लॉन्च करने पर इसकी मारक रेंज 13 किलोमीटर तक है। अगर एयरक्राफ्ट से इसे फायर किया जाएगा तो इसकी रेंज 60 किलोमीटर तक होगी। अगर हेलीकॉप्टर से इसको दुश्मन पर छोड़ा जाएगा तो ये 40 किलोमीटर के दायरे में अचूक निशाना लगाएगी।

एक साल में जारी किए 1.40 लाख से अधिक छात्र वीजा

भारत में अमेरिकी दूतावास ने तोड़ा रिकॉर्ड

भारत में अमेरिकी दूतावास और उसके वाणिज्य दूतावास की ओर से अक्टूबर 2022 और सितंबर 2023 के बीच लगभग 1.40 लाख से अधिक छात्र वीजा जारी किए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि भारत में हमारे दूतावास और वाणिज्य दूतावासों ने 1 लाख 40 हजार से अधिक छात्र वीजा जारी करने का रिकॉर्ड बनाया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 (2023 संघीय वित्तीय वर्ष) तक, राज्य विभाग ने वैश्विक स्तर पर 10 मिलियन से अधिक गैर-अप्रवासी वीजा के लगभग रिकॉर्ड स्तर जारी किए।

महासागर पार कर लंदन से पहुंचा न्यूयॉर्क

खाद्य तेल को ईंधन के तौर पर उपयोग कर विमान ने भरी उड़ान

दुनिया में पहली बार एक यात्री विमान खाने वाले तेल को ईंधन के तौर पर इस्तेमाल कर महासागर पार कर एक देश से दूसरे देश पहुंचने में सफल हुआ है। अरबपति कारोबारी रिचर्ड ब्रैनसन की वर्जिन अटलांटिक के बोइंग-787 ड्रीमलाइनर विमान ने 28 नवंबर को लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से उड़ान भरी। यह अटलांटिक महासागर को पार कर अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित जेएफके एयरपोर्ट पहुंचा। बताया गया है कि सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) का इस्तेमाल कर उड़ान भरने वाले इस विमान में वर्जिन अटलांटिक के संस्थापक सर रिचर्ड ब्रैनसन के अलावा ब्रिटेन के परिवहन मंत्री मौजूद रहे। फ्लाइट में कोई भी आम यात्री नहीं रहा।

क्यों अहम है यह फ्लाइट

वर्जिन अटलांटिक का यह प्रयोग दुनिया में जीवाश्म ईंधन के कम इस्तेमाल और नेट जीरो को हासिल करने में अहम साबित होगा। इससे हवाई यात्रा काफी हद तक पर्यावरण के अनुकूल बनेगी। गौरतलब है कि ब्रिटिश सरकार ने पिछले साल ही ऐलान किया था कि वह प्रोजेक्ट के लिए 12.6 लाख डॉलर उपलब्ध करा रही है।

क्या है सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल

सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) को अक्षय जैव ईंधन (रिन्यूएबल बायोमास) और बेकार हुए संसाधनों के जरिए तैयार किया जाता है। इन्हें आधुनिक एयरक्राफ्ट में केरोसीन के साथ मिलाकर जेट के ईंधन के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, ईंधन में इनकी मात्रा अभी 50 फीसदी तक ही रखी गई है। इस मौके पर रिचर्ड ब्रैनसन ने कहा कि दुनिया यही सोचती है कि यह नहीं किया जा सकता, जब तक उसे करके न दिखाया जाए। उन्होंने कहा कि नवोन्मेष की आकांक्षाएं अब बाहर जा रही हैं और साबित कर रही हैं कि सबकी भलाई के लिए बेहतर चीजें कर सकते हैं।

38 हजार फीट पर भरी उड़ान

वर्जिन अटलांटिक की तरफ से विमान की उड़ान का एक वीडियो पोस्ट किया गया। इसमें कहा गया, 38 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ान भरी गई। वर्जिन अटलांटिक इस वक्त दुनिया का पहला 100 फीसदी सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल से उड़ने वाला वाणिज्यिक विमान संचालित कर रहा है।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- मनीष सिंह, मुद्रक- मनीष सिंह द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।